10 मो० सिराज....



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 श्रद्धा कपूर...



रांची, शनिवार, 07 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -135 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



मिथिलेश सिंह

सेक्रेटरी रांची जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन।

वर्तमान के परिवेश में जहां पर बच्चों पर पढ़ाई का इतना बोझ है। उन्हें अपने फिटनेस को लेकर सजक रहना चाहिए। और किसी भी एक स्पोर्ट्स को अपनाना चाहिए। जिससे उनका मानसिक तनाव भी काम होता है और बच्चों में एक्टिवनेस आती है। अभिभावकों को भी चाहिए कि बच्चों को हो सके जितना खेलों में रुझान दिलाएं ताकि उनकी फिजिकल फिटनेस भी अच्छी रहे।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**

चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **81,028.02**

निफ्टी :- **25,035.30**

मौसम

अधिकतम तापमान : **25**

न्यूनतम तापमान : **16**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:58**

संध्या :- **17:07**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1876 को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने ऐतिहासिक गीत वन्दे मातरम की रचना की।

संक्षिप्त समाचार

आदिवासी नेत्री निशा भगत ने की आत्महत्या, पहले सोशल मीडिया पर लाइव जाकर बताया कारण

रांची। राजधानी रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. आदिवासी नेत्री निशा भगत ने अपने आवास पर आत्महत्या कर ली है. रिम्स के निदेशक डॉ बीके सिन्हा ने बताया कि इमरजेंसी ने डॉक्टरों की टीम ने निशा भगत की जांच की लेकिन वह मृत पाई गई इसके बाद उनके शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई. इससे पहले रांची के रांची डीएसपी हेडक्वार्टर-वन अमन कुमार पांडेय ने बताया कि निशा के आत्महत्या की सूचना मिलते ही तत्काल पीठोरिया पुलिस उनके घर पहुंच गई थी और उन्हें रिम्स भेजा गया था. आत्महत्या से पहले निशा भगत सोशल मीडिया पर लाइव थीं. वह खुद को सिस्टम के आगे लाचार बता रहीं थीं. कह रहीं थी कि उन्हें आरएसएस और भाजपा का दलाल कहा जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है. उन्होंने अपने पिता को झारखंड आंदोलनकारी बताया. मां को याद किया. उन्होंने जमीन दलालों की बात की. कहा कि वह अपने समाज के हक की लड़ाई लड़ रही थीं. इस दौरान नेहा भगत ने पिठौरिया थाना प्रभारी को फोन किया. आरोप लगाया कि मुझे बदनाम करने वालों को आप नहीं पकड़ पाए. उन्होंने कहा कि वह अपनी लीला समाप्त कर रही हैं. इस दौरान थाना प्रभारी समझाते रहे. निशा भगत ने कहा कि उन्होंने कांके थाना को भी फोन किया था. इसके बाद उनकी आवाज बंद हो गई.



सीएम हेमंत सोरेन ने दी धनतेरस की बधाई, राज्यवासियों के लिए की सुख-समृद्धि की कामना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



रांची। झारखंड में आज धनतेरस का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है. इस अवसर पर बाजारों में रौनक है और लोग अपनी परंपरा के अनुसार सोना-चांदी, बर्तन, वाहन और अन्य सामानों की खरीदारी कर रहे हैं. इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को धनतेरस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने कामना की है कि यह पावन अवसर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियां लेकर आए. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर राज्यवासियों को धनतेरस की बधाई दी. उन्होंने लिखा, धनतेरस के पावन पर्व की आप सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार. यह अवसर आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नई खुशियां लेकर आए. हर घर में खुशहाली हो, हर परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे. आप सभी के स्वस्थ, सुखी और मंगलमय जीवन की कामना करता हूं.

धनतेरस पर बाजारों में जमकर हुई धनवर्षा! रांची सहित राज्य भर में करीब 5000 करोड़ का हुआ कारोबार



रांची। धनतेरस के मौके पर राजधानी रांची सहित अन्य बाजारों में लोगों की भारी भीड़ देर शाम तक बनी रही. इस दौरान लोगों ने जमकर खरीददारी की. शुक्रवार दोपहर बाद से ही राजधानी के बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी और शाम होते होते जाम की स्थिति बन गई. अपर बाजार से लेकर रांची के मुख्य सड़कों पर स्थित दुकानों में लोगों की भीड़ उमड़ता रहा.नजारा ऐसा कि सराफा बाजार से लेकर ऑटोमोबाइल सेक्टर धनतेरस पर झुमता रहा. रांची जिला सोना-चांदी बिक्रेता संघ के उपाध्यक्ष संतोष सोनी कहते हैं कि इस बार लोगों ने सोना चांदी की जमकर खरीदारी करते नजर आए हैं. उन्होंने कहा कि रांची सहित राज्य के अन्य शहरों में 1000 करोड़ से अधिक का कारोबार अकेले सराफा बाजार से होने की उम्मीद है. धनतेरस पर लोगों ने सोना-चांदी के बिस्किट से लेकर चांदी का सिक्का, छोटे आभूषण की खरीददारी की है. लोगों का मूड धनतेरस पर इस बहाने निवेश करने को लेकर दिखा. यही वजह है कि चांदी का 10ग्राम सिक्का 2100 में बिका और पुराना विक्टोरिया सिक्का 2700 रुपये का होने के बाबजूद डिमांड बनी रही. इसी तरह सोना का डेढ ग्राम बिस्किट 1.5 लाख में बिक रहा था.

झाड़ू से लेकर चार पहिया गाड़ी तक लोगों ने खरीदी : धनतेरस के मौके पर लोगों ने झाड़ू से लेकर चार पहिया गाड़ी तक की खरीदारी की. इस मौके पर टीवी के बिग स्क्रीन का क्रेज बना रहा और लोग नई टेक्नोलॉजी के साथ उपलब्ध टीवी की खरीदारी करते दिखे. धनतेरस पर सबसे अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री होता दिखा. पहले से बुक कराए लोगों ने स्कूटी की डिलीवरी लेने के लिए शो रूम में आते दिखे. ऑटोमोबाइल में सबसे महंगी गाड़ियों का भी धनतेरस पर क्रेज दिखा. 35 लाख की सुपर बाइक से लेकर 2.1 करोड़ की बीएमडब्ल्यू एक्स 6 भी रांची में बिका. संभावना व्यक्त की जा रही है कि कर और टू व्हीलर सेक्टर में करीब 300 करोड़ का व्यापार रांची में हुआ है पहले से 5000 से अधिक नए दोपहिया और करीब 2000 चार पहिया गाड़ी की बुकिंग हो चुकी थी. इसके अलावा रियल सेक्टर से लेकर फर्नीचर होम अप्लायंसेज एवं अन्य सेक्टर में जमकर कारोबार होता हुआ दिखा.

10वीं-12वीं की डेटशीट जारी, 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी बोर्ड परीक्षाएं

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा 2027 की डेटशीट जारी कर दी है. बोर्ड के अनुसार, दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी. इस बार 10वीं की परीक्षा 9 मार्च तक चलेगी, जबकि 12वीं के स्टूडेंट्स को 9 अप्रैल तक पेपर देने होंगे. सभी परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से आयोजित की जाएंगी. विषयों के अनुसार परीक्षा की अवधि दो से तीन घंटे निर्धारित की गई है. डेटशीट जारी होने के बाद विद्यार्थी अब अपने विषयों की परीक्षा तारीख और समय देख सकते हैं.

10वीं की परीक्षा 16 फरवरी से 9 मार्च तक आयोजित होगी

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा 2027 में कुल 83 विषयों के पेपर होंगे. परीक्षा की शुरूआत 16 फरवरी को पेंटिंग विषय से होगी. इसके अगले दिन यानी 17 फरवरी को गणित स्टैंडर्ड और गणित बेसिक की परीक्षा ली जाएगी. वहीं, विज्ञान का पेपर 22 फरवरी को निर्धारित किया गया है. अंग्रेजी कम्युनिकेटिव और अंग्रेजी लैंग्वेज एंड लिटरेचर की परीक्षा 26 फरवरी को होगी. इसके बाद 3 मार्च को हिंदी कोर्स-ए और हिंदी कोर्स-बी के पेपर आयोजित किए जाएंगे. सामाजिक विज्ञान की परीक्षा 8 मार्च को होगी. वहीं, 10वीं के विद्यार्थियों की परीक्षा 9 मार्च को कुछ भाषाओं और अन्य विषयों के पेपर के साथ समाप्त होगी.

12वीं की बोर्ड परीक्षा 9 अप्रैल तक चलेगी

सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा 2027 का अस्थायी शेड्यूल जारी कर दिया है. इसके अनुसार, दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी. हालांकि, 10वीं की परीक्षा 9 मार्च को समाप्त हो जाएगी, जबकि 12वीं के विद्यार्थियों को 9 अप्रैल तक परीक्षा देनी होगी. बोर्ड ने विषयों के अनुसार अलग-अलग तारीखें निर्धारित की हैं. परीक्षा का समय सुबह 10:30 बजे से रहेगा. वहीं, पेपर की अवधि विषय के अनुसार तय की गई है. कुछ विषयों की परीक्षा दो घंटे की होगी, जबकि अधिकतर प्रमुख विषयों के लिए तीन घंटे का समय मिलेगा.

1 जनवरी 2027 से शुरू होंगे प्रैक्टिकल एग्जाम

बोर्ड परीक्षा से पहले सीबीएसई की ओर से प्रैक्टिकल परीक्षाओं, प्रोजेक्ट वर्क और इंटरनल असेसमेंट की प्रक्रिया भी पूरी कराई जाएगी. नियमित स्कूलों के लिए यह प्रक्रिया 1 जनवरी 2027 से शुरू होगी. वहीं, विंटर बाउंड स्कूलों में प्रैक्टिकल परीक्षाएं और इंटरनल असेसमेंट 9 नवंबर से 19 दिसंबर 2026 के बीच आयोजित किए जाएंगे. ऐसे स्कूलों के विद्यार्थियों को इसी अवधि में अपने प्रैक्टिकल और प्रोजेक्ट से जुड़े कार्य पूरे करने होंगे.

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को मिला दिवाली का बंपर गिफ्ट

हाईकोर्ट ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की सरकार की अधिसूचना की रद्द

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



रांची। झारखंड में जेएसएससी परीक्षा पास कर सरकारी नौकरी करने वाले हजारों अभ्यर्थियों को 6 नवंबर 2026 को दिवाली का बड़ा तोहफा मिला है. झारखंड हाईकोर्ट ने झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के तहत हुई खररउ नियुक्तियों को रद्द करने के सरकार के फैसले को निरस्त कर दिया है. जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने 18 अगस्त 2026 को जारी अधिसूचना को विज्ञापन संख्या 10/2023 के तहत हुई भर्ती के मामले में क्वैश कर दिया. इसके साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया कि नियुक्त अभ्यर्थियों को सेवा में निरंतरता के साथ कार्यरत माना जाएगा. उन्हें वेतन समेत किसी भी प्रकार के सेवा लाभ से वंचित नहीं किया जा सकेगा. यह फैसला उन अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्हें झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा के बाद जनवरी 2026 में नियुक्ति पत्र मिला था और वे विभिन्न पदों पर काम कर रहे थे. अदालत ने हालांकि स्पष्ट किया कि इन नियुक्तियों पर आपराधिक मुकदमों के अंतिम परिणाम का प्रभाव बना रहेगा. यानी जांच में किसी अभ्यर्थी की संलिप्तता प्रमाणित होने पर उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकेगी.

जांच पूरी होने से पहले सामूहिक रूप से भर्ती रद्द करना अनुचित

जुलाई 2026 में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार ने 18 अगस्त 2026 को 22 परीक्षाओं को रद्द करने की अधिसूचना जारी की थी. इसमेंजेजीजीएलसीसीई-2023 की भर्ती भी शामिल थी. इसके खिलाफ नियुक्त अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया. सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं ने दलील दी कि पहले ही हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट इस परीक्षा से जुड़े विवाद पर फैसला दे चुके हैं. ऐसे में बिना जांच पूरी हुए और किसी ठोस साक्ष्य के सामूहिक रूप से नियुक्तियां रद्द करना न्यायिक आदेशों के विपरीत है. वहीं राज्य सरकार ने दलील दी कि सीआइडी जांच में संगठित गड़बड़ी, ओएमआर शीट में छेड़छाड़, डिजिटल रिकॉर्ड में हेरफेर और अधिकारियों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं. ऐसे में ईमानदार और गड़बड़ी से लाभ लेनेवाले अभ्यर्थियों को अलग करना संभव नहीं है. हाईकोर्ट ने अपने विश्लेषण में कहा कि सरकार ने भर्ती रद्द करने के लिए जिस जांच और सामग्री का हवाला दिया, उससे पूरी परीक्षा में व्यवस्थित और व्यापक गड़बड़ी साबित नहीं होती. जांच अभी अधूरी है और अंतिम रिपोर्ट भी प्रस्तुत नहीं की गयी है.

इन अधिवक्ताओं ने याचिकाकताओं की पैरवी की

महाधिवक्ता राजीव रंजन, अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा था. उन्होंने कहा कि अधिसूचना जारी कर भर्ती विज्ञापन रद्द कर दिये गये, जबकि इन्हीं विज्ञापन के आधार पर चयन प्रक्रिया पूरी हुई थी और अभ्यर्थियों को नियुक्तियां भी मिल चुकी थी. वे वर्ष 2025 से नौकरी कर रहे थे. जिस दिन पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द की गयी थी, उस दिन तक सरकार के पास कोई ठोस सबूत नहीं था. नौकरी कर रहे लोगों को नोटिस तक नहीं दी गयी. प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन तक नहीं किया गया.

पेपर लीक के आरोप पर पहले भी हुई थी सुनवाई

जेएसएससी के विज्ञापन जेजीजीएलसीसीई-2023 के तहत सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, कनीय सचिवालय सहायक, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, योजना सहायक और अंचल निरीक्षक सह कानूनगो के पदों पर नियुक्ति होनी थी. इसके लिए विज्ञापन संख्या 10/2023 जारी किया गया था. परीक्षा 28 जनवरी और चार फरवरी 2024 को होनी थी, लेकिन पेपर लीक की शिकायत के बाद इसे रद्द कर 21 और 22 सितंबर 2024 को दोबारा आयोजित किया गया.

रीड-ए-थॉन में झारखंड को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से मिली मान्यता, 28.85 लाख प्रतिभागियों ने एक साथ पढ़ीं किताबें

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



रांची। झारखंड ने पढ़ने की संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने के अभियान में बड़ी उपलब्धि हासिल की है. राज्य के सभी 24 जिलों में आयोजित रीड-ए-थॉन में 28 लाख 85 हजार 734 लोगों की भागीदारी को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने मान्यता दी है. विभिन्न स्थानों पर आयोजित रीड-ए-थॉन में सर्वाधिक प्रतिभागियों की भागीदारी के लिए झारखंड को यह रिकॉर्ड मिला है. इस उपलब्धि के साथ राज्य ने बच्चों और समुदायों के बीच पढ़ने की आदत विकसित करने के अपने प्रयासों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि एशियाई स्तर पर भी पहचान दिलाई है. यह रिकॉर्ड 8 सितंबर 2026 को आयोजित राज्यव्यापी रीड-ए-थॉन के नाम दर्ज हुआ है. 'मेरे शब्द, मेरी कहानी' थीम पर आधारित रीडिंग कैंपेन 2026 के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. इसमें राज्य के सभी 24 जिलों के बच्चे, शिक्षक, परिवार, समुदाय के सदस्य, सरकारी अधिकारी और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया. अभियान में कुल 28,85,734 प्रतिभागियों ने एक साथ पठन गतिविधि में भाग लेकर यह उपलब्धि हासिल की.

रीड-ए-थॉन के तहत 'ड्रॉप एवरीथिंग एंड रीड' यानी अपने सभी काम रोककर पढ़ने की अवधारणा अपनाई गयी थी. इसके तहत सुबह 11 बजे से 11:30 बजे तक 30 मिनट पढ़ने के लिए निर्धारित किए गए थे. इस दौरान स्कूलों की कक्षाओं से लेकर घरों, समुदायों और सार्वजनिक स्थलों तक लोगों ने एक साथ पुस्तकें पढ़ीं. इसका उद्देश्य पढ़ने को केवल स्कूली गतिविधि तक सीमित रखने के बजाय रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना था. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने इस उपलब्धि पर अभियान से जुड़ी जमीनी टीमों के प्रयासों की सराहना की. उन्होंने बच्चों में आनंद के साथ पढ़ने की संस्कृति विकसित करने और इस तरह की गतिविधियों को लगातार जारी रखने पर जोर दिया. उन्होंने अभियान के क्रियान्वयन में सहयोग देने वाले सभी सीएसओ साझेदारों के प्रति भी आभार जताया.

इस अभियान को सफल बनाने में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) के निदेशक शशि रंजन, जिला शिक्षा टीमों, सरकारी अधिकारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही. इनके समन्वय और जमीनी स्तर पर सक्रिय भागीदारी से राज्य के सभी जिलों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम का संचालन संभव हुआ. शिक्षा विभाग और जेईपीसी की ओर से इस अभियान के जरिए बच्चों के साथ शिक्षकों, अभिभावकों और समुदायों को भी पठन गतिविधि से जोड़ने का प्रयास किया गया.

THE RANCHI RIFLE CLUB (RRC)
(Registered under -Society Registration Act: 21,1860. Government of Jharkhand)
JOIN US TO BECOME A NATIONAL or INTERNATIONAL SHOOTER
Your ambition is our mission...



Our facilities:-
- 10m/ 25m Fully Air Conditioned Hitech indoor shooting range.
- All Types of Air/ Fire weapons are available for practice.
- All types of shooting equipments & accessories for sale available here.
- We teach the civilians how to handle weapons/ safety rules and way of firing.
- Special For School Girls & Boys.
- Above 8 years Girls & Boys May Join us.
- National Level Shooting Coach Facility Available Here.

Justdial
Contact: +91 8002397001, 7050607001
House No. 01, Shanti Nagar, Hatia, Near Hatia Tonko Bridge, P.O- Hatia, P.S.- Jagannathpur, Ranchi - 834003 (Jharkhand)
E-mail: theranchirifleclub@gmail.com | Website: http://www.theranchirifleclub.org



रामगढ़ में अंतर-जिला मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पदार्फाशः 7 गिरफ्तार, चोरी की 20 बाइक बरामद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। रामगढ़ जिला पुलिस ने एक बड़े अंतर-जिला मोटरसाइकिल चोर गिरोह का उद्भेदन करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनकी निशानदेही पर रांची, रामगढ़, बोकारो एवं हजारीबाग के विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी की कुल 20 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। साथ ही अभियुक्तों के पास से 06 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

विशेष टीम का हुआ था गठन

पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के निदेर्शानुसार संपत्तिमूलक कांडों के त्वरित उद्भेदन और बरामदगी के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में गुप्त सूचना मिलने पर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़ और पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया था। वाहन चेकिंग के दौरान धरे गए शातिर चोर 05 नवंबर 2026 को पुलिस को सूचना मिली थी कि रामगढ़ शहर में मोटरसाइकिल चोरी के सीसीटीवी फुटेज में दिखने वाले अपराधी पुनः शहर में चोरी की फिराक में घूम रहे हैं। त्वरित कार्रवाई करते हुए रामगढ़ में वाहन चेकिंग शुरू की गई, जिसके दौरान बिना नंबर प्लेट की हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल पर आ रहे दो संदिग्धों को पकड़ा गया।

पकड़े गए अपराधियों की पहचान सोनू राम (बोकारो) और आर्यन कुमार (बोकारो/रांची) के रूप में हुई। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे पेशेवर मोटरसाइकिल चोर हैं और रांची, रामगढ़, बोकारो व हजारीबाग में वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं।

चोरी की गाड़ियों का ऐसे बदलते थे रूप

ये शातिर चोर चोरी की गई मोटरसाइकिलों को ठिकाने लगाने के लिए एक संगठित तरीका अपनाते थेः
रामगढ़ में चोरी की गई गाड़ियां बोकारो के ग्रामीण क्षेत्र के रहने शमीम अंसारी को बेची जाती थीं। रांची और रामगढ़ में चोरी गाड़ियां कबाड़ी वाले राकेश कुमार, मो० मंजूर खान, मो० इजाजुल अंसारी, और गैरेज संचालक विनेश्वर बेदिया तथा अन्य को बेची जाती थीं। आरोपी गाड़ियों का डेंट-पेंट कर, मॉडल बदलकर और इंजन व चेचिस नंबर को घिसकर बाजार में कम दामों पर बेच देते थे। जो गाड़ियां नहीं बिक पाती थीं, उनके पार्ट्स खोलकर बेच दिए जाते थे।
गिरफ्तार अन्य अभियुक्तों के नाम
राकेश कुमार (कबाड़ी वाला) - मूल निवासी सीतामढ़ी, बिहार, हाल पता- नईसराय, रामगढ़।
मो० मंजूर खान (कबाड़ी वाला) - मूल निवासी सीतामढ़ी, बिहार, हाल पता- नईसराय, रामगढ़।
विनेश्वर बेदिया (गैरेज मालिक, महुआटांड) - सा०-हेसला, रामगढ़।
मो० इजाजुल अंसारी - सा०- चापरी, माण्डू, रामगढ़।
शमीम अंसारी - सा०- नारायणपूर, बोकारो।
गिरफ्तार सभी सातों अभियुक्तों को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है, और गिरोह के अन्य सदस्यों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी जारी है।

धनतेरस पर पतरातू से कोयलांचल तक बाजारों में उमड़ा जनसैलाब, करोड़ों का कारोबार



धन-समृद्धि की कामना के साथ लोगों ने की जमकर खरीदारी, देर रात तक गुलजार रहे बाजार; दुकानदारों के चेहरों पर दिखी रौनक

पतरातूः दीपावली के पावन पर्व को लेकर पतरातू क्षेत्र और कोयलांचल के बाजारों में धनतेरस के अवसर पर उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगी, जो देर रात तक जारी रही। धनतेरस पर शुभ खरीदारी की परंपरा को निभाते हुए लोगों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी की। बाजारों की रौनक और ग्राहकों की भीड़ ने त्योहार की खुशियों को और बढ़ा दिया।पतरातू, न्यू मार्केट, बिरसा मार्केट,भुरकुंडा, भदानीनगर सहित आसपास के प्रमुख बाजारों में बर्तन, सोने-चांदी के आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल, घरेलू उपकरण और दोपहिया वाहनों की दुकानों पर विशेष चहल-पहल रही। कई दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। ग्राहकों को लुभाने के लिए दुकानदारों ने भी विशेष तैयारियां की थीं। खासकर बर्तन और आभूषण की दुकानों पर महिलाओं की अच्छी भीड़ देखने को मिली। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक सामान और वाहनों की खरीदारी में भी लोगों ने खास दिलचस्पी दिखाईधनतेरस के मौके पर लोगों ने सोने-चांदी के सिक्के, आभूषण और नए बर्तन खरीदकर सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, कई परिवारों ने दीपावली के लिए घरों की सजावट और पूजा-पाठ से जुड़ी सामग्रियों की भी खरीदारी की। बाजारों में उमड़ी भीड़ के कारण कई स्थानों पर आवागमन भी प्रभावित हुआ। इसके बावजूद लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। व्यापारियों के अनुसार, धनतेरस पर इस बार बाजार में अच्छी ग्राहकी रही और क्षेत्र में करोड़ों रुपये के कारोबार का अनुमान है। त्योहार के इस मौके पर स्थानीय कारोबारियों को भी बेहतर व्यापार की उम्मीद जगी है। कुल मिलाकर धनतेरस ने पतरातू और कोयलांचल के बाजारों में रौनक लौटाने के साथ दीपावली के उल्लास को और बढ़ा दिया।

रामगढ़ में आयोजित डहरे सोहराय चांचइर बरदखुटा में शामिल होने के लिए गोला से रवाना हुए हजारों लोग



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। आदिवासी कुड़मि समाज एवं बृहद कला संस्कृति मंच के संयुक्त बैनर तले शुक्रवार को गोला प्रखंड से हजारों सोहराय चांचइर प्रेमी रामगढ़ के लिए रवाना हुए। सभी रामगढ़ के सिद्धू-कान्हू मैदान से रामगढ़ कॉलेज मैदान तक आयोजित डहरे सोहराय चांचइर बरदखुटा कार्यक्रम में शामिल होंगे। जत्थे का नेतृत्व आदिवासी कुड़मि समाज के केंद्रीय महासचिव जगेश्वर नागवंशी केसरीआर ने किया। इस दौरान माथुर महतो, रामबिनय महतो, सुधीर कुमार अकेला, वकील महतो, सुदर्शन महतो, शिवलाल महतो, सत्यदेव महतो, धीरन कुमार, कुलेश्वर महथा, अधीन महथा, मगन महथा, हेमंत महथा, गंगाधर महथा, गंगाराम महतो और रामप्रसाद महथा सहित अन्य लोग शामिल थे।

हेवी ब्लास्टिंग से सहमे स्थानीय लोग, संगम खदान की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

घर की छतों और खेल मैदान तक पहुंचे बड़े-बड़े पत्थर, यूनियन ने सीसीएल मुख्यालय में मामला उठाने के साथ निष्पक्ष जांच की मांग की



पतरातूः सीसीएल बरका-सयाल प्रक्षेत्र की भुरकुंडा स्थित संगम खुली खदान में हेवी ब्लास्टिंग के बाद पत्थरों के दूर तक गिरने की घटना ने खनन क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि ब्लास्टिंग के दौरान बड़े-बड़े पत्थर आसपास के घरों की छतों और खेल मैदान की ओर जा गिरे। इस घटनाक्रम से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इस संबंध में यूनियन के डॉ. आशीष कुमार ने कहा कि ब्लास्टिंग के दौरान पत्थरों का आबादी वाले क्षेत्र और खेल मैदान की ओर गिरना बेहद गंभीर मामला है। यह घटना किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। उन्होंने कहा कि मामले को सीसीएल रांची मुख्यालय के समक्ष उठाया जाएगा और पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की जाएगी। उन्होंने बीएलए और आरआर कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि ब्लास्टिंग के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन हुआ या नहीं, इसकी जांच जरूरी है। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि विस्फोट के समय संबंधित अधिकारी मौके पर मौजूद थे या नहीं और इतनी तीव्रता से ब्लास्टिंग करने की अनुमति किस स्तर से दी गई थी। डॉ. आशीष कुमार ने कहा कि कोयला उत्पादन के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी प्रबंधन की जिम्मेदारी है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित कंपनियों की जवाबदेही तय हो तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

साइम से मसरीडीह तक बनेगी नई सड़क, विधायक ममता देवी ने किया मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना का शिलान्यास



2.11 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में मिलेगी बेहतर सुविधा, गांव पहुंचने पर विधायक का किया गया स्वागत

रामगढ़/गोला। रामगढ़ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत साइम आरईओ रोड से मसरीडीह आरईओ रोड भाया अमझरिया तालाब तक 2.11 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य का शुभ शिलान्यास शुक्रवार को रामगढ़ विधायक ममता देवी ने किया।विधायक के गांव पहुंचने पर स्थानीय ग्रामीणों एवं कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद विधिवत शिलापट्ट का अनावरण कर तथा नारियल फोड़कर सड़क निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई। इस दौरान विधायक ममता देवी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास बेहतर सड़क संपर्क से ही संभव है। सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और गांवों का संपर्क मुख्य सड़क से बेहतर होगा। इससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने में सहूलियत होगी।मौके पर पंचायत समिति सदस्य लालदेव महतो, उपमुखिया तुलसी दास महतो, विधायक प्रतिनिधि मनोज पुजहर एवं कमलेश महतो, बीस सूत्री सदस्य कपिल महतो, भीष्म तुरी, अभिराम बेदिया, कमलनाथ महतो, ताहिर अंसारी, रमेश महतो, रितुलाल महतो, लालहिमेंद्र महतो, मिथु बेदिया, नजीर अंसारी, संतोष सोनी, वासुदेव प्रसाद, निकिता देवी, कंचन देवी एवं राधिका देवी सहित कई गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

एसडीपीओ राघवेंद्र शर्मा के नेतृत्व में निकला फ्लैग मार्च, प्रमुख बाजारों और मार्गों का किया गया भ्रमण; शांति एवं सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



पतरातू : दीपावली पर्व के दौरान शांति, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पतरातू पुलिस ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राघवेंद्र शर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल ने शहर के प्रमुख बाजारों एवं मार्गों पर फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए शांतिपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने का संदेश दिया। फ्लैग मार्च पतरातू थाना परिसर से शुरू होकर न्यू मार्केट, बिरसा मार्केट, बिना टॉकीज रोड, स्टेशन रोड सहित बाजार के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों से गुजरा। पुलिस अधिकारियों और जवानों की मौजूदगी से पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर एसडीपीओ राघवेंद्र शर्मा ने कहा कि दीपावली आपसी प्रेम, उल्लास और भाईचारे का पर्व है। सभी लोग मिल-जुलकर शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाएं और सामाजिक सौहार्द बनाए रखें। उन्होंने चेतावनी दी कि पर्व के दौरान अफवाह फैलाने, अशांति उत्पन्न करने अथवा कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पुलिस प्रशासन ने पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क निगरानी का भरोसा दिलाया। फ्लैग मार्च में पतरातू थाना प्रभारी विकास आर्यन, भुरकुंडा थाना प्रभारी एसके गुप्ता सहित विभिन्न पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

10 दिनों के अंदर मांगों पर उचित पहल नहीं हुई तो झारखंड उत्खनन परियोजना में ट्रांसपोर्टिंग कार्य ठप करेगा जेएलकेएम: रवि कुमार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने झारखंड उत्खनन परियोजना (15 नंबर), रामगढ़ में व्याप्त समस्याओं एवं सेल संचालन व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर परियोजना प्रबंधन को लिखित चेतावनी दी है। JLKM की ओर से केंद्रीय उपाध्यक्ष रवि कुमार ने दिनांक 06 नवंबर 2026 को परियोजना पदाधिकारी, झारखंड उत्खनन परियोजना (15 नंबर), रामगढ़ को पत्र सौंपकर पूर्व में दिए गए 11 सूत्री मांग पत्र (पत्रांक संख्या JLKM/10/2026) पर कार्रवाई करने की मांग की है। पत्र के माध्यम से वर्तमान सेल संचालन समिति को पूर्ण रूप से रद्द कर नई सेल संचालन समिति का गठन करने तथा पारदर्शी तरीके से कोयला उठाव सुनिश्चित करने की मांग की गई है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि आगामी 10 दिनों के भीतर प्रबंधन द्वारा मांगों पर उचित पहल नहीं की जाती है, तो JLKM परियोजना में संपूर्ण ट्रांसपोर्टिंग कार्य ठप करने के लिए बाध्य होगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी CCL प्रबंधन की होगी। JLKM ने प्रबंधन से निर्धारित समय-सीमा के भीतर मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। संगठन का कहना है कि क्षेत्र के लोगों, रैयतों एवं प्रभावितों के हितों की अनदेखी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पारदर्शी व्यवस्था और स्थानीय हितों की रक्षा के लिए संगठन लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा। उक्त जानकारी पार्टी के केंद्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने दिया।

धूल उड़ाते तेज रफ्तार हाईवा राहगीरों के लिए बने खतरा, बाइक चालकों की आंखों पर मंडरा रहा संकट



रामगढ़/गोला। गोला क्षेत्र की सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ रहे डस्ट लदे हाईवा इन दिनों राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहे हैं। हाईवा के गुजरते ही सड़क पर धूल का ऐसा गुबार उठता है कि कुछ देर तक आगे का रास्ता तक दिखाई देना मुश्किल हो जाता है। इससे न केवल लोगों की आंखों में जलन और पानी आने की समस्या हो रही है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ रहा है।इस समस्या का सामना पत्रकार दिलीप करमाली को भी करना पड़ा है। तेज रफ्तार हाईवा से उड़ती धूल सीधे बाइक चालकों की आंखों में पड़ रही है। खासकर बिना सुरक्षित चश्मे के सफर करने वालों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। धूल के कारण आंखों में जलन, पानी आने और कुछ समय के लिए देखने में परेशानी जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है।

धूल के गुबार में ओझल हो जाती है सड़कः सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब हाईवा के पीछे चल रहे दोपहिया वाहन चालकों को धूल के कारण सामने का रास्ता दिखाई नहीं देता। अचानक सामने आने वाले वाहन, गड्ढे और अन्य बाधाएं नजर नहीं आने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में एक वाहन की लापरवाही कई राहगीरों की जान पर भारी पड़ सकती है।

हाईवा की रफ्तार पर नियंत्रण की मांगः स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मांग की है कि डस्ट लदे हाईवा की गति पर नियंत्रण लगाया जाए। धूल उड़ने से रोकने के लिए परिवहन के दौरान उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा प्रभावित सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव कराया जाए।वहीं, बाइक चालकों से भी अपील की गई है कि सफर के दौरान मानक हेलमेट और सुरक्षित चश्मे का इस्तेमाल करें तथा धूल उड़ाते भारी वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। आखिर सवाल यह है कि सड़क पर सुरक्षित सफर करना आम लोगों का अधिकार है, तो फिर धूल के गुबार के बीच उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन उठाएगा?

भारी वाहनों की लापरवाही से कब तक उजड़ते रहेंगे घरों के चिराग, हादसों के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सड़क पर मौत बनकर दौड़ रहे राख और अन्य सामग्री से लदे भारी वाहन, पहले भी कई लोग गंवा चुके हैं जान; आखिर इन दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा, पीवीयूएनएल प्रबंधन और प्रशासन की चुप्पी पर उठे गंभीर सवाल



पतरातू : शुक्रवार को देर शाम 17 वर्षीय अनीश कुमार पिता शक्ति राम पतरातू क्षेत्र के हनुमानगढ़ी कश्मीर कॉलोनी के निवासी की भारी वाहन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। इसके बाद उनके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं क्षेत्र वासियों ने छाय लोडेड हाईवे जिसके दोनों पिछले टायरों के बीच अनीश कुमार बुरी तरह कुचला जा चुका था उसे हटाने का विरोध करते रहे। वही प्रबंधन एवं प्रशासन लाश को निकाल कर उसका पोस्टमार्टम करने के लिए लोगों से गुहार लगाते रहे। मगर आक्रोषित लोगों ने उनकी एक भी न मानी और निरंतर वे इस क्षेत्र में इन भारी वाहनों के आवागमन व परिचालक का विरोध करते रहे। बताया गया कि अनीश कुमार अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था जिसकी सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। उसके सिर के पर ख्च्चे चारों तरफ बिखरे पड़े थे। जिसे देखकर उनके परिजनों का क्या हाल हुआ होगा यह कल्पना से भी परे है। पतरातू क्षेत्र की सड़कों पर भारी वाहनों का परिचालन अब आम लोगों के लिए जानलेवा साबित होता जा रहा है। राख और अन्य औद्योगिक सामग्रियों से लदे बड़े-बड़े वाहन आए दिन सड़कों से गुजरते हैं। इन वाहनों से गिरने वाली सामग्री, उड़ती धूल, असुरक्षित ढुलाई और तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। विडंबना यह है कि इन घटनाओं में पहले भी कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद न तो व्यवस्था में कोई ठोस बदलाव दिखाई दे रहा है और न ही जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई होती नजर आ रही है। हर दुर्घटना के बाद कुछ समय तक चिंता जताई जाती है, लेकिन कुछ ही दिनों में सब कुछ पहले की तरह चलने लगता है। सवाल यह है कि आखिर आम नागरिकों की जान की कीमत इतनी कम क्यों हो गई है? क्या किसी और बड़े हादसे और कई परिवारों के उजड़ने का इंतजार किया जा रहा है?

स्थानीय लोगों का कहना है कि भारी वाहनों से राख एवं अन्य सामग्री की ढुलाई के दौरान सुरक्षा मानकों का समुचित पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वाहनों को ढककर ले जाना, निर्धारित गति सीमा का पालन करना, नियमित जांच करना और सड़क पर गिरी सामग्री को तत्काल हटाना आवश्यक है। इसके बावजूद यदि ऐसी लापरवाही लगातार जारी है तो यह केवल वाहन चालकों की गलती नहीं, बल्कि निगरानी व्यवस्था की भी गंभीर विफलता है। सबसे बड़ा सवाल पीवीयूएनएल प्रबंधन की भूमिका को लेकर उठ रहा है। औद्योगिक इकाई से निकलने वाली राख एवं अन्य सामग्रियों के उठाव और परिवहन की व्यवस्था पर प्रबंधन की निगरानी रहती है। ऐसे में यह जिम्मेदारी भी बनती है कि इन सामग्रियों की ढुलाई सुरक्षित तरीके से हो और आम लोगों की जिंदगी खतरे में न पड़े। क्या प्रबंधन की जिम्मेदारी केवल राख और अन्य सामग्रियों के उठाव तक सीमित है? क्या उन सड़कों पर चलने वाले आम नागरिकों की सुरक्षा उसकी प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए, जहां से ये भारी वाहन गुजरते हैं?

प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है।

जब लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं और पूर्व में कई लोगों की जान जा चुकी है, तो भारी वाहनों की जांच, गति नियंत्रण, परिवहन व्यवस्था और सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर सख्ती क्यों नहीं दिखाई देती? आखिर किसकी अनुमति और किसकी निगरानी में इस तरह का परिवहन जारी है?
स्थानीय लोगों की मांग है कि जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग और पीवीयूएनएल प्रबंधन संयुक्त रूप से इस मामले को गंभीरता से लें। दुर्घटना संभावित मार्गों को चिह्नित कर भारी वाहनों के परिचालन पर निगरानी रखी जाए तथा लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। अब सवाल सिर्फ दुर्घटनाओं का नहीं, बल्कि इंसानी जिंदगी बचाने का है। किसी घर का बेटा, किसी मां का सहारा और किसी परिवार का कमाने वाला सदस्य सड़क पर दम तोड़ दे, उसके बाद मुआवजे और जांच का आश्वासन देकर क्या जिम्मेदारी पूरी हो जाती है? हादसे होने से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना ही असली जिम्मेदारी है।

जवाब मांगते पांच बड़े सवाल

1. पहले भी कई जानलेवा दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, फिर प्रशासन ने स्थायी रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए?
2. राख और अन्य सामग्रियों से लदे भारी वाहनों की नियमित जांच कौन करता है?
3. क्या पीवीयूएनएल प्रबंधन की जिम्मेदारी सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने की नहीं है?
4. दुर्घटना होने पर वाहन मालिक, परिवहनकर्ता और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही कैसे तय होगी?
5. क्या प्रशासन किसी और परिवार के उजड़ने का इंतजार कर रहा है?

रांची में दीपावली को लेकर मिट्टी के दीयों की बढ़ी मांग करंज तेल से रोशन होंगे घर-आंगन, बाजारों में रौनक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।





रांची। राजधानी रांची के बाजारों में दीपावली को लेकर रौनक बढ़ गई है. अपर बाजार, लालपुर, कांटा टोली, चुटिया और मोरहाबादी समेत शहर के प्रमुख बाजारों में सुबह से देर शाम तक खरीदारों की भीड़ जुट रही है. घरों को सजाने से लेकर लक्ष्मी-गणेश की पूजा की तैयारी तक, लोग अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं. बाजार में इलेक्ट्रॉनिक झालरों और आधुनिक सजावटी सामानों की उपलब्धता के बावजूद पारंपरिक मिट्टी के दीयों, घरौंदों और मिट्टी के खिलौनों की मांग बनी हुई है. खास बात यह है कि झारखंड की पारंपरिक संस्कृति से जुड़े करंज तेल की भी दीपावली के अवसर पर पूछ बढ़ी है. इस बार बाजार में सामान्य मिट्टी के दीयों के साथ रंगीन और डिजाइनर दीयों की कई वैरायटी उपलब्ध है. सामान्य दीये करीब एक रुपये प्रति पीस की दर से बिक रहे हैं, वहीं रंगीन और डिजाइनर दीयों की कीमत उनकी बनावट और आकार के अनुसार अलग-अलग है. फूलों के आकार वाले दीये, आकर्षक रंगों से सजे दीये और मोम से तैयार सजावटी दीये भी खरीदारों को आकर्षित कर रहे हैं. दुकानदारों के अनुसार, पिछले साल की तुलना में दीयों की कीमतों में करीब 10 से 20 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई है.

करंज तेल की भी बढ़ी मांग

दीपावली पर करंज तेल से दीया जलाने की परंपरा झारखंड के कई पारंपरिक और आदिवासी समुदायों में प्रचलित है. स्थानीय बाजार में करंज तेल करीब 200 रुपये प्रति लीटर की दर से उपलब्ध है. सीमित मात्रा में ग्रामीण क्षेत्रों से आने के कारण इसकी उपलब्धता सामान्य तेल की तुलना में कम रहती है. पारंपरिक मान्यता के अनुसार, करंज तेल का दीया जलाना शुभ माना जाता है. इसके प्राकृतिक कीटरोधी गुणों के कारण भी इसका उपयोग किया जाता रहा है. दीपावली की खरीदारी में घरौंदों का भी खास स्थान है. बच्चे मिट्टी के घरौंदे और खिलौने खरीद रहे हैं. इसके अलावा लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, पूजा चौकी, रोली, कलावा, धूप, रंगोली के रंग, बंदनवार और फूलों की मालाएं बाजार में उपलब्ध हैं. घरों को सजाने के लिए कृत्रिम फूल, जूट के तोरण, रंगीन झालर और आकर्षक लाइटों की भी बिक्री हो रही है.

मिट्टी की उपलब्धता बनी चुनौती

स्थानीय कुम्हारों और विक्रेताओं के अनुसार, दीये बनाने के लिए उपयुक्त मिट्टी आसानी से उपलब्ध नहीं होती. कई बार दूर के इलाकों से मिट्टी मंगानी पड़ती है. इसके अलावा मिट्टी की लागत, ईंधन और मेहनत बढ़ने से उत्पादन खर्च भी बढ़ा है. बारिश के कारण दीये सुखाने और उत्पादन के काम पर भी असर पड़ा है. ऐसे में कीमतों में बढ़ोतरी करनी पड़ी है. हालांकि, त्योहार के अंतिम दिनों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद है.

स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को मिला बाजार

खरीदारों का कहना है कि दीपावली पर मिट्टी के दीये और घरौंदे खरीदना केवल सजावट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परंपरा से जुड़ने का भी अवसर है. इलेक्ट्रॉनिक रोशनी के बीच मिट्टी के दीयों की अपनी अलग पहचान बनी हुई है. स्थानीय कारीगरों के बनाए सामान खरीदकर लोग उनकी आजीविका को भी सहारा दे रहे हैं. यही वजह है कि आधुनिक सजावट के बढ़ते चलन के बीच पारंपरिक दीयों और मिट्टी के उत्पादों की मांग कायम है.

संक्षिप्त खबर

विवेकानन्द विद्या मंदिर में दो दिवसीय अंतरविद्यालयी प्रतियोगिता विवेकोत्सव शुरू

रांची। धुर्वा स्थित विवेकानन्द विद्या मंदिर में शुक्रवार को दो दिवसीय अंतरविद्यालयी प्रतियोगिता ह्यविवेकोत्सव-2026ह्ल का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में 16 विद्यालयों के 700 से अधिक विद्यार्थी साहित्य, संगीत, कला, नाट्य, उद्यमिता और खेल सहित विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। विद्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का उद्घाटन वंदे मातरम के सामूहिक गायन, वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर अतिथियों और निर्णायकों को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और नृत्य प्रस्तुत कर समारोह में सांस्कृतिक रंग भरे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कुमार संजय ने कहा कि नई पीढ़ी तक स्वामी विवेकानन्द के विचारों और आदर्शों को पहुंचाना जरूरी है। शिक्षा के साथ संस्कार और विश्व बंधुत्व की भावना का विकास भी महत्वपूर्ण है। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अमिताभ लाहा ने कहा कि विवेकोत्सव विद्यार्थियों की साहित्यिक, कलात्मक और रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का सशक्त मंच है। प्रतियोगिता के तहत शिकागो स्पीच, काव्यांजलि, नाट्य सरगम, सुरांजलि, बिज विजन, कैनवास क्रॉनिकल, कैलीग्राफी, मॉक कोर्ट ट्रायल, क्रिकेट ऑक्शन और मृतिका सृजन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डिप्टी डायरेक्टर नूतन कुमारी, मनन विद्या की प्राचार्या रेखा नायडू सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और निर्णायक उपस्थित थे।

राजीव गांधी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट का शानदार आगाज, इंदु क्लब बेयासी ने दर्ज की जीत



रांची। चान्हो प्रखंड के कौशल कॉलेज मैदान में शुक्रवार को युवा कांग्रेस प्रखंड कमेटी के तत्वावधान में राजीव गांधी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट में क्षेत्र की कुल 24 टीमों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। टूर्नामेंट का उद्घाटन इरशाद खान के नेतृत्व में शिव उरांव, प्रखंड अध्यक्ष इस्तियाक अंसारी, मंगलेश्वर उरांव और अब्दुल्लाह अंसारी ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद इंदु क्लब बेयासी और युवा संगम क्लब तरंगा के बीच पहला मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, रोमांचक मुकाबले में इंदु क्लब बेयासी ने एक गोल दागकर युवा संगम क्लब तरंगा को पराजित कर जीत के साथ टूर्नामेंट में अपनी शुरूआत की। आयोजकों ने कहा कि इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य खेल के माध्यम से युवाओं को जोड़ना, आपसी भाईचारा एवं सद्भावना को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना है।

मतदाता सूची से नाम हटाने के मुद्दे पर कांग्रेस का भाजपा पर हमला, लाल किशोर नाथ शाहदेव ने साधा निशाना



रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार के बयानों को आड़े हाथों लेते हुए करारा पलटवार किया है। लाल किशोर शाहदेव ने कहा कि बीजेपी लोकतंत्र की दुहाई देने का नाटक बंद करे। असलियत यह है कि बीजेपी खुद देश की संवैधानिक संस्थाओं को अपना राजनीतिक हथियार बनाकर लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश रच रही है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि कांग्रेस या राहुल गांधी लोकतंत्र पर हमला नहीं कर रहे, बल्कि राहुल गांधी देश के करोड़ों मतदाताओं के हक की आवाज उठा रहे हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर देश भर में करोड़ों वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब किए जा रहे हैं। जब विपक्ष इस पर निष्पक्षता और पारदर्शिता की मांग करता है, तो बीजेपी को मिर्च क्यों लगती है? केंद्रीय मंत्री द्वारा दिए गए आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए लाल किशोर शाहदेव ने कहा कि 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाना कोई मामूली प्रक्रिया नहीं है। बीजेपी सफाई देने के बजाय यह बताए कि इतने बड़े पैमाने पर बिना उचित सत्यापन और नोटिस के आम नागरिकों, गरीबों, वंचितों और विपक्ष के समर्थकों के नाम वोटर लिस्ट से क्यों गायब हो रहे हैं? हार का ठीकरा फोड़ने के आरोपों पर पलटवार करते हुए कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि बीजेपी 2014 से 2025 तक के चुनाव हारने का हिसाब गिनवा रही है, लेकिन वह यह भूल रही है कि झारखंड की जनता ने उनके झूठ और जुमलों को नकार कर झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन को स्पष्ट जनादेश दिया है। जब बीजेपी चुनाव हारती है तो जनता के जनादेश का अपमान करती है और जब प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं तो केंद्रीय मंत्रियों को आगे कर अनर्गल बयानबाजी करवाती है। सुकांत मजूमदार द्वारा राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी का जवाब देते हुए लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि राहुल गांधी ने सड़क से लेकर संसद तक जनता की आवाज उठाई है। बीजेपी नेता उनका नाम लेने से पहले सोचें। राहुल गांधी लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं और वोट की चोरी रोकना हर भारतीय नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है।

एसआईआर पर विपक्ष झूठ और भ्रम फैलाकर लोकतंत्र को कमजोर करने में जुटा : सुकांत मजूमदार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देशभर में झूठ, भ्रम और अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनाव आयोग, चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। रांची स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. मजूमदार ने कहा कि कांग्रेस, राहुल गांधी और पूरे विपक्ष का असली चेहरा जनता के सामने आना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी),और वाम दल जैसी पार्टियां मिलकर ऐसा माहौल बनाने में जुटी हैं, जिससे देश की संवैधानिक व्यवस्था पर जनता का भरोसा कमजोर हो। विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया पर लगातार सवाल खड़े कर रहा है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वह हिटलर और उसके मंत्री गोएबल्स की नीति अपनाकर झूठ को सच साबित करने की कोशिश कर रहा है। पहले कांग्रेस चुनाव हारने पर ईवीएम को दोष देती थी और अब उसे एसआईआर के रूप में नया बहाना मिल गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस 2014 से 2025 तक 56 बार चुनाव हार चुकी है। शायद वह फिल्म 'अब तक 56' से प्रेरित होकर हार का नया रिकॉर्ड बनाने में जुटी है।

केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि आंदोलन बीच में छोड़कर विदेश घूमने से चुनाव नहीं जीते जा सकते। चुनाव जीतने के लिए जनता का विश्वास हासिल करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर है और लगातार मिल रही चुनावी पराजय की हताशा में चुनाव आयोग तथा चुनावी प्रक्रिया पर आरोप लगा रही है। सुकांत मजूमदार ने सवाल किया कि वर्ष 2024 से पहले जब एसआईआर नहीं हो रहा था, तब कांग्रेस चुनाव क्यों हार रही थी। विपक्ष को संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने के बजाय अपनी नीतियों और नेतृत्व की समीक्षा करनी चाहिए।

ग्रीन पटाखों की बढ़ी मांग, बाजार में इस बार कई नई वैरायटी का आकर्षण, रांची के पांच खुदरा क्लस्टरों में सजा पटाखा बाजार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। दीपावली को लेकर राजधानी के पटाखा बाजारों में रौनक बढ़ गई है. शहर के अलग-अलग इलाकों में बनाए गए पटाखा बिक्री क्लस्टरों में खरीदारों की भीड़ पहुंच रही है. इस बार बाजार में पारंपरिक पटाखों के साथ कई नई और आकर्षक वैरायटी उपलब्ध हैं. हालांकि, खरीदारों की पसंद में इस बार ग्रीन पटाखे खास जगह बना रहे हैं. दुकानदारों के अनुसार, लोग अब पटाखे खरीदते समय उनकी आवाज और धुएं के साथ पर्यावरण पर पड़ने वाले असर को भी ध्यान में रख रहे हैं. यही वजह है कि कम धुआं और अपेक्षाकृत कम आवाज वाले ग्रीन पटाखों की मांग बढ़ी है.

पटाखा दुकानदारों का कहना है कि इस बार बाजार में बच्चों से लेकर युवाओं और परिवारों की पसंद को ध्यान में रखकर कई तरह के पटाखे मंगाए गए हैं. पारंपरिक अनार, चकरी, फुलझड़ी और रॉकेट के अलावा कई नए डिजाइन के फैंसी पटाखे भी उपलब्ध हैं. ड्रोन बम, अनार, बैट बम और अलग-अलग तरह के स्काई शॉट्स खरीदारों का ध्यान खींच रहे हैं. इनमें रंग-बिरंगी रोशनी और आसमान में अलग-अलग रंग बिखेरने वाले पटाखे लोगों को पसंद आ रहे हैं. स्काई शॉट्स में 12 से लेकर 100 और 240 शॉट्स तक के विकल्प बाजार में मौजूद हैं. दुकानदारों के मुताबिक, बच्चों के लिए भी कई आकर्षक डिजाइन और थीम वाले पटाखे आए हैं. वहीं, परिवार के साथ दीपावली मनाने वाले लोग फुलझड़ी, अनार और कम आवाज वाले पटाखों की खरीदारी कर रहे हैं.

इस बार बाजार में ग्रीन पटाखों की मांग को लेकर दुकानदार उत्साहित हैं. उनका कहना है कि पहले ग्राहक मुख्य रूप से पटाखों की कीमत और आवाज को देखकर खरीदारी करते थे, लेकिन अब ग्रीन पटाखों के बारे में भी पूछताछ कर रहे हैं. कम धुआं छोड़ने वाले प्रमाणित पटाखों को प्राथमिकता दी जा रही है. दुकानदारों के अनुसार, कई कंपनियों ने इस बार ग्रीन पटाखों की अलग-अलग वैरायटी बाजार में उतारी है. इन पर ग्रीन लोगो और पहचान संबंधी जानकारी भी दी गई है. दुकानदारों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस बार कुछ पटाखों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है.

सीधी भर्ती से नियुक्त सब-इंस्पेक्टर ही वरीयता सूची में होंगे वरिष्ठ : हाई कोर्ट

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने सब-इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति के लिए पुलिस विभाग की ओर से जारी वरीयता सूची को चुनौती देने वाली उत्तम तिवारी की याचिका स्वीकार कर ली है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्त सब-इंस्पेक्टर ही वरीयता सूची में वरिष्ठ माने जाएंगे। अदालत ने 9 सितंबर 2024 को जारी वरीयता सूची के आधार पर होने वाली पदोन्नति पर पहले से लगाई गई रोक भी बरकरार रखी है। मामले में प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता मनोज टंडन और सुमित गाड़ोदिया ने पक्ष रखा। वहीं, प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अर्पण मिश्रा और अमृतांश वत्स ने दलीलें पेश कीं। दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। दरअसल, उत्तम तिवारी एवं अन्य की वर्ष 2018 में विज्ञापन संख्या 5/2017 के तहत सब-इंस्पेक्टर के पद पर सीधी नियुक्ति हुई थी। वहीं, पुलिस विभाग ने 9 सितंबर 2024 को सब-इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति के लिए वरीयता सूची जारी की थी। इस सूची में सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (विज्ञापन संख्या 9/2017) के माध्यम से सिपाही से सब-इंस्पेक्टर बने पुलिसकर्मियों को सीधी भर्ती से नियुक्त सब-इंस्पेक्टरों से ऊपर स्थान दिया गया था।

छठ-दीपावली पर उमड़ी यात्रियों की भारी भीड़: सुरक्षित सफर के लिए रांची स्टेशन पर आरपीएफ मुस्तैद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। छठ और दीपावली के त्योहार को लेकर रांची रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है. घर लौटने की जल्दी में यात्री किसी तरह ट्रेनों में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं. कई ट्रेनों में क्षमता से अधिक भीड़ के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. कंफर्म टिकट नहीं मिलने से कुछ यात्री जनरल कोच में खड़े होकर तो कुछ दरवाजे के पास बैठकर सफर करने को मजबूर हैं. त्योहारों के दौरान बढ़ती भीड़ और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए रेलवे प्रशासन और रेलवे सुरक्षा बल ने निगरानी बढ़ा दी है. रांची में रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म, प्रवेश और निकास द्वारों पर आरपीएफ और जीआरपी के जवान तैनात किए गए हैं. संदिग्ध वस्तुओं और गतिविधियों पर नजर रखने के लिए डॉग स्क्वायड की मदद से प्लेटफॉर्म, बुकिंग काउंटर और ट्रेनों की जांच की जा रही है. वहीं, लगातार उद्घोषणा कर यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है. जेबकतरों और नशीला पदार्थ खिलाकर लूटपाट करने वाले गिरोह से बचने के लिए अनजान लोगों से खाने-पीने की चीजें नहीं लेने की हिदायत दी जा रही है. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कतार व्यवस्था पर भी जोर दिया जा रहा है, ताकि यात्री सुरक्षित तरीके से ट्रेन में चढ़ सकें.

दीपावली को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेनों में पटाखे और ज्वलनशील सामग्री लेकर सफर करने वालों पर भी निगरानी बढ़ा दी है. जांच के दौरान यात्रियों के सामान की तलाशी ली जा रही है। इसी क्रम में एक यात्री के सामान से पटाखे मिलने पर उन्हें जब्त किया गया. आरपीएफ यात्रियों को स्पष्ट रूप से हिदायत दे रही है कि पटाखे और अन्य ज्वलनशील सामग्री लेकर ट्रेन में सफर न करें. इससे यात्रियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है. रांची रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ पदाधिकारी सूरज पांडे ने बताया कि त्योहारों में यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण लगातार निगरानी और गश्ती की जा रही है. यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है. ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पटाखे लेकर ट्रेन में सफर करना प्रतिबंधित है. जांच के दौरान एक यात्री के सामान से पटाखे मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया. यात्रियों को लगातार जागरूक किया जा रहा है कि वे किसी भी तरह की ज्वलनशील सामग्री लेकर ट्रेन में यात्रा न करें.

रेलवे की ओर से यात्रियों को सफर के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है. ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होकर या लटककर यात्रा नहीं करने, अपने सामान की सुरक्षा रखने और अनजान लोगों से खाने-पीने की वस्तुएं नहीं लेने की अपील की जा रही है. किसी भी तरह की परेशानी या आपात स्थिति में रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना देने को कहा गया है. त्योहारों के दौरान घर पहुंचने की जल्दबाजी में यात्री अपनी सुरक्षा से समझौता न करें.

स्वदेशी अपनाने की अपील के बावजूद दीपावली पर चाइनीज लाइट का बढ़ा क्रेज, रंगीन राइट्स और झालर का भारी डिमांड

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। दीपावली खुशियों का पर्व है इस अवसर पर पारंपरिक रुप से मिट्टी के दीये जलाए जाते हैं मगर समय के साथ इसमें भी बदलाव आया है और लोग बिजली के बल्बों का धड़ल्ले से इस्तेमाल करने लगे हैं. इस मौके पर लगने वाली रंग बिरंगी लाइटें अधिकांशतः चाइना से बनी हैं जो सस्ता और सहज होने की वजह से रांची सहित अन्य बाजारों में दीपावली के मौके पर छा गई हैं. रांची के बाजारों में चाइनीज लाइटों और बल्बों (झालरों) की भरमार है. इस बार बड़ी चाइनीज झालरों, डिजाइनदार झूमरों और रंग-बिरंगी लाइटों की मांग देखने को मिल रही है. डेली मार्केट के व्यवसायी मो.अशफाक कहते हैं कि स्वदेशी झालर महंगा होने की वजह से लोग नहीं खरीदते हैं और चाइनीज आइटम की मांग करते हैं. इस बार अलग-अलग डिजाइन में 50 रुपये से लेकर 4500 रुपये तक की झालर बाजार में आई है.

दिल्ली, कोलकाता और मुम्बई से रांची पहुंचती हैं चाइनीज लाइट्स

दीपावली के मौके पर चाइनीज लाइट का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है. रांची सहित राज्य के विभिन्न बाजारों तक चाइना में निर्मित यह लाइट मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता से रांची के बाजारों तक यह लाइट पहुंच जाती है. दीपावली के मौके पर सीमित समय में अधिक से अधिक व्यवसाय करने के लिए स्थानीय व्यवसायी कई महीने पहले से इस कारोबार में लग जाते हैं. दुकानदार इम्तियाज कहते हैं कि समय के साथ इसकी मांग में तेजी आई है. दीपावली के मौके पर अपने घरों और दुकानों को रोशनी से सजाने के लिए लोग बाजारों में खरीदारी करने पहुंच रहे हैं. दीपावली पर घरों को सजाने के लिए लोग अलग-अलग तरह की लाइटें और झालरें लोग पसंद कर रहे हैं. ग्राहक मनोज साह कहते हैं कि चाइनीज लाइट जितनी सस्ती मिल जाती है उतने में स्वदेशी नहीं मिलेगी. पारंपरिक दीया तो जलाते हैं मगर घर को सजाने के लिए चाइनीज लाइट ही इस्तेमाल करते हैं.

झारखंड में करीब 200 करोड़ का होता है कारोबार

दीपावली के मौके पर भलें ही केंद्र सरकार स्वदेशी वस्तु और लाइटों का इस्तेमाल करने के लिए अभियान चला रही हो मगर जिस तरह से चाइनीज लाइटों का प्रचलन भारतीय बाजारों में बढ़ा है वह बेहद ही चिंताजनक है. हालत यह है कि एक अनुमान के मुताबिक दीपावली के मौके पर रांची सहित पूरे झारखंड में करीब 200 करोड़ का कारोबार होता है. शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत बना रही यह चाइनीज लाइट दीपावली के अलावा अन्य दिनों में भी अलग-अलग प्रोडक्ट लेकर ग्राहकों को आकर्षित करती है. इस बार तो रांची के बाजारों में चाइनीस लाइटें बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रही हैं.

बुंडू में टायर चोरी कांड का खुलासा, चार गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



बुंडू। बुंडू थाना पुलिस ने बिरसा मोड़ स्थित टायर कॉर्नर दुकान में हुई चोरी कांड का उद्भेदन करते हुए 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। 1 अक्टूबर की रात चोरों ने दुकान से 16 अपोलो टायर, इन्वर्टर, बैटरी, 30-40 हजार नकद और सीसीटीवी का डीवीआर चुरा लिया था। इस मामले में बुंडू थाना कांड संख्या 61/26, दिनांक 02.10.2026, धारा 334(1)/303(2) बीएनएस दर्ज है। एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्य के आधार पर मुख्य सरगना राधा मोहन सिंह मुण्डा, प्रवीण पातर मुण्डा, रमेश सिंह मुण्डा और करण कुमार महतो को गिरफ्तार किया।

इनके पास से टाटा मैजिक गाड़ी (JH01AU-2034), 16 अपोलो टायर, 3 इन्वर्टर, 4 बैटरी, 3 मोबाइल और 1 स्टेबलाइजर बरामद हुआ है। अभियुक्तों ने अड़की में कोचिंग सेंटर और घर में भी चोरी की बात स्वीकार की है। अपराधिक इतिहास - राधा मोहन सिंह मुण्डा के खिलाफ *अड़की थाना वर्ष 2011 में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट एवं अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज है.

छापामारी दल में शामिल पुलिसकर्मी - ओम प्रकाश, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बुंडू, जयदीप टोप्पो, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, बुंडू सहित अनुसंधानकर्ता एवं तकनीकी शाखा के पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है.

बोरियो के रितिक कुमार ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, कंप्यूटर एप्लीकेशन में विश्वविद्यालय टॉपर बन राज्यपाल से प्राप्त किया स्वर्ण पदक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



साहिबगंज। मेहनत अगर सच्ची हो, इरादे मजबूत हों और सपनों को पूरा करने का जुनून हो, तो सफलता खुद कदम चूमती है।इस कहावत को सच कर दिखाया है बोरियो के होनहार युवा रितिक कुमार ने, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और लगन के दम पर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे बोरियो क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।दुमका विश्वविद्यालय में कंप्यूटर एप्लीकेशन की स्नातकोत्तर पढ़ाई में प्रथम स्थान हासिल कर रितिक कुमार ने स्वर्णिम सफलता प्राप्त की। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उन्हें डिग्री एवं स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया।रितिक की इस उपलब्धि की खबर मिलते ही बोरियो सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। एक छोटे से कस्बे से निकलकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ऐसी उपलब्धि हासिल करना निश्चित रूप से क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

पिता मिठाई की दुकान चलाते हैं, बेटे ने मेहनत से हासिल किया मुकाम

रितिक कुमार के पिता सुबल दास बोरियो में मिठाई की दुकान चलाते हैं। तीन भाइयों में रितिक दूसरे स्थान पर हैं। सीमित संसाधनों के बीच पिता ने अपने बच्चों की शिक्षा और बेहतर भविष्य के लिए हर संभव प्रयास किया।बेटे को राज्यपाल के हाथों स्वर्ण पदक से सम्मानित होते देख पिता सुबल दास का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। उन्होंने भावुक होकर कहा, ₹हम खुद पढ़ाई नहीं कर सके, लेकिन अपने बच्चों की शिक्षा में कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। हमारा सपना है कि हमारे तीनों बेटे अपने-अपने क्षेत्र में कामयाब बनें।₹

अब कळ सेक्टर में बेहतर भविष्य बनाने का लक्ष्य

अपनी सफलता पर रितिक कुमार ने बताया कि वर्तमान में वह ऑनलाइन नौकरी कर रहे हैं। भविष्य में सूचना प्रौद्योगिकी (कळ) के क्षेत्र में बेहतर करियर बनाना और अपनी प्रतिभा के दम पर नई ऊंचाइयां हासिल करना उनका लक्ष्य है। रितिक की इस शानदार सफलता पर बोरियोवासियों उन्हें बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

युवाओं के लिए बनी प्रेरणा, बोरियो को मिला गौरव

रितिक कुमार की यह उपलब्धि महज एक स्वर्ण पदक नहीं, बल्कि उन तमाम युवाओं के लिए संदेश है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। उनकी सफलता साबित करती है कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत के बल पर मंजिल हासिल की जा सकती है। आज रितिक की कामयाबी ने बोरियो का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी यह स्वर्णिम उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा, संघर्ष और सफलता की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रहेगी।

दीपावली पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न



कराने को लेकर पुलिस ने चलाया बाइक पेट्रोलिंग अभियान

उधवा/साहिबगंज।दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के मद्देनजर राधानगर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।वरीय पदाधिकारी के निदेर्शानुसार थाना प्रभारी रोहित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बाइक पेट्रोलिंग अभियान चलाया।इस दौरान पुलिस जवानों ने विभिन्न चौक-चौराहों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमण कर विधि-व्यवस्था का जायजा लिया।साथ ही आम लोगों को शांति एवं सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।थाना प्रभारी ने बताया कि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है।असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही है,ताकि पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक संग्राम सिंह सोय,उपेंद्र प्रसाद,श्रीलाल हांसदा, एएसआई शशिकांत यादव सहित अन्य बल मौजूद थे।

निशा भगत आत्महत्या मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने की सीबीआई जांच की मांग



रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने आदिवासी समाज की युवा नेत्री निशा भगत की आत्महत्या मामले में गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि निशा भगत लगातार धर्मांतरण और जमीन दलालों के खिलाफ मुखर होकर आवाज उठा रही थीं। इन मुद्दों पर उनके लगातार संघर्ष के कारण वह ऐसे तत्वों के निशाने पर थीं। आखिर किन परिस्थितियों में उन्हें इतना खौफनाक कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा, इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने रिम्स पहुंचकर घटना की जानकारी भी ली एवं परिजनों को ढांढस बंधाया। साहू ने कहा कि सीबीआई जांच से ही इस पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी। यह पता चल सकेगा कि निशा भगत किन परिस्थितियों से गुजर रही थीं और उनकी मौत के पीछे कोई दबाव, धमकी या अन्य कारण तो नहीं थे। मामले के हर पहलू की गहराई से जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आए और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए। उन्होंने निशा भगत के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि जनजातीय समाज के हक-अधिकारों की मुखर आवाज और उनके हितों के लिए निरंतर संघर्षरत युवा नेत्री के असामयिक निधन की दुःखद सूचना से वे अत्यंत स्तब्ध एवं मर्माहत हैं। उनका निधन जनजातीय समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। इस दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, रांची की मेयर रोशनी खलखो सहित पार्टी के अन्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बासकोला-अम्बाडीहा फेरीघाट समिति में विवाद, अध्यक्ष ने लगाया मनमानी व हिसाब नहीं देने का आरोप

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज।तालझारी थाना क्षेत्र के बासकोला-अम्बाडीहा फेरीघाट समिति में विवाद का मामला सामने आया हैसमिति के अध्यक्ष रमेश चन्द मंडल ने लक्ष्मण मंडल पर समिति को नजरअंदाज कर मनमाने तरीके से नाव संचालन करने और मार्च 2024 से अब तक समिति का कोई हिसाब-किताब नहीं देने का आरोप लगाया है।इस संबंध में रमेश चन्द मंडल ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन देकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।आवेदन में उन्होंने बताया है कि वे बासकोला-अम्बाडीहा फेरीघाट समिति के अध्यक्ष हैं। फेरीघाट संचालन का लाइसेंस बनवाने के लिए उन्होंने अपनी जमीन तक बेच दी, लेकिन इसके बावजूद समिति के कार्यों में उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है।उनका आरोप है कि लक्ष्मण मंडल द्वारा न तो समिति की बैठक बुलाई जा रही है और न ही नाव संचालन से संबंधित आय-व्यय का ब्योरा दिया जा रहा है।रमेश चन्द मंडल ने यह भी आरोप लगाया है कि हिसाब-किताब मांगने पर उनके बेटे के साथ मारपीट की गई और उसे थाना ले जाया गया।साथ ही उन्होंने झूठे मुकदमे में फंसाने का भी आरोप लगाया है।उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने,फेरीघाट समिति का पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक कराने तथा लक्ष्मण मंडल को समिति से हटाने की मांग की है।वही उपायुक्त ने जाँच कर करवाई करने का भरोसा दिया।अब देखना है कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

छठ पर्व नजदीक, मुक्कदम टोला छठ घाट पर पसरी गंदगी, जलकुंभी से भरा घाट, सफाई का इंतजार



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज।आस्था का महापर्व छठ नजदीक आ गया है, लेकिन हाजीपुर पूर्व पंचायत के बड़ी कोदरजन्ना के मुक्कदम टोला छठ घाट की सफाई अभी तक नहीं की गई है। घाट की मौजूदा स्थिति बेहद खराब है। पूरा घाट जलकुंभी से भरा पड़ा है। पानी में उतरने तक की जगह नहीं बची है। ऐसे में आने वाले छठ पर्व में अर्घ्य देने वाले छठव्रतियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस आस्था का महापर्व छठ से पहले घाट की सफाई अगर हो जाती है तो काफी सुविधा होगी। लेकिन इस बार अभी तक पंचायत की ओर से कोई पहल नहीं की गई है। समय रहते सफाई नहीं हुई तो व्रतियों को गंदे और जलकुंभी वाले पानी में ही अर्घ्य देना पड़ेगा, जिससे बीमारी फैलने एवं किसी विषैले जीव जन्तु काटने का भी खतरा बना रहेगा।ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि छठ पर्व से पहले जल्द से जल्द घाट की सफाई कराई जाए, जलकुंभी हटाई जाए और घाट पर रोशनी व आने-जाने के लिए रास्ते की व्यवस्था की जाए।अगर समय पर सफाई नहीं हुई तो छठव्रतियों की आस्था के साथ-साथ उनकी परेशानी भी बढ़ जाएगी।

दिवाली और छठ पूजा को लेकर वार्ड नंबर 07 में चला सफाई अभियान, जेसीबी से हटाया गया कचरे का अंबार



झारखंड उजाला संवाददाता

साहिबगंज। दिवाली एवं छठ पूजा को देखते हुए नगर परिषद की ओर से शहर में साफ-सफाई अभियान तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में वार्ड नंबर 07 की वार्ड पार्षद सुनीता सिंह एवं पूर्व वार्ड पार्षद जयप्रकाश सिंह के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान सफाई कर्मियों द्वारा जेसीबी की मदद से जगह-जगह जमा कचरे के अंबार को हटाया गया।वार्ड पार्षद ने बताया कि दिवाली के बाद और छठ पूजा शुरू होने से पहले गंगा किनारे जाने वाले रास्ते को श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए दुरुस्त कर दिया जाएगा, ताकि छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि नगर परिषद द्वारा युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है।साथ ही उन्होंने आम जनता से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए समाज के हर वर्ग के लोगों को आगे आकर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

/तीनपहाड़ थाना परिसर में दीपावली, काली पूजा व छठ पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई आयोजित, 10 नवंबर को होगा प्रतिमा विसर्जन

झारखंड उजाला संवाददाता



तीनपहाड़/साहिबगंज

तीनपहाड़ थाना परिसर में शुक्रवार को दीपावली, काली पूजा एवं छठ को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजमहल सीओ मो. यूसुफ ने की।इस दौरान तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में निमगाछी, बभनगामा, तीनपहाड़, बाकुडी, धमधमिया, जोंका में काली पूजा के आयोजन को लेकर जानकारी ली गई।इस दौरान सीओ मो. यूसुफ ने सभी कमेटियों से छठ पूजा, काली पूजा के कार्यक्रम, प्रतिमा विसर्जन के सड़क मार्ग की जानकारी ली और कहा कि पूजा के दौरान किसी भी अफवाह से बचें। अगर किसी भी प्रकार की कोई जानकारी मिले तो उसकी सूचना तीनपहाड़ थाना पुलिस को दें।वहीं पूजा सम्पन्न होने के बाद ज्यादातर जगहों पर समिति के द्वारा 10 नवंबर को प्रतिमा विसर्जन की बात बैठक में कही गई।वहीं तीनपहाड़ छठ पूजा समिति के लोगों ने छठ के दिन दोपहर 12 बजे से अगले दिन सुबह 8 बजे तक तीनपहाड़ में बड़ी वाहनों की नो एंट्री लगाने की मांग की। बैठक में राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, तीनपहाड़ थाना प्रभारी गौरव भगत, एसआई महेंद्र कुमार, एएसआई ललन रजवार सहित क्षेत्र के गणमान्य रणधीर सिंह, मनोज यादव, मो. नाजिम लड्डू, कुन्दन सिंह, वकार अहमद, हासिम अंसारी, सिद्धार्थ यादव बल्ला, मुन्ना पाठक, संतोष भगत, श्याम यादव, अभय सिंह, अकील हसन, अनिल सरकार, रामदर्शन सिंह, मुर्शीद राजा, अमित दत्ता, अनु राय, किशोर कुमार दत्ता, काशीनाथ भगत सहित अन्य मौजूद रहे।

पत्नी से कथित अवैध संबंध के शक में बुदल गंझू की हत्या, आरोपित गिरफ्तार



चतरा। सिमरिया थाना क्षेत्र के जयरुखरी नदी में मिले बुदल गंझू के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पत्नी के साथ कथित अवैध संबंध के शक में बुदल गंझू की हत्या की गई थी। इस मामले में पुलिस ने कुठान गांव निवासी बालदेव गंझू को गिरफ्तार किया है।पूछताछ में आरोपित ने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। शुक्रवार को एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता कर हत्याकांड का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बीते 30 अक्टूबर को जयरुखरी नदी से बुदल गंझू का शव बरामद किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी अनिमेष नैथानी ने हत्याकांड के शीघ्र उद्भेदन और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की थी।टीम में पुलिस अवर निरीक्षक राजू राणा, रामजी सिंह सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने तकनीकी और अन्य उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर जांच शुरू की। इसी दौरान बालदेव गंझू की संलिप्तता की जानकारी मिली। सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही आरोपित भागने लगा, लेकिन जवानों ने खदेड़कर उसे पकड़ लिया। एसडीपीओ के अनुसार पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसे शक था कि बुदल गंझू का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध है।उसने दोनों को दो बार एक साथ देखने का दावा किया। इसी बात को लेकर उसके मन में बुदल के प्रति आक्रोश था। आरोप है कि इसी रंजिश में 30 अक्टूबर को वह बुदल गंझू को बहला-फुसलाकर जयरुखरी नदी की ओर ले गया। वहां डंडे और पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी और शव नदी में छोड़ दिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

राम जानम नगर स्वास्थ्य केंद्र को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन

पूर्वी सिंहभूम। जिले के राम जानम नगर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ने राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्ता के मानकों पर खरा उतरते हुए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाणन हासिल किया है। केंद्र को राष्ट्रीय स्तर पर कराए गए बाहरी मूल्यांकन में 85.07 प्रतिशत अंक मिले हैं। इस उपलब्धि पर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड की ओर से मिशन निदेशक को भेजे गए आधिकारिक पत्र के अनुसार राज्य के तीन सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के तहत प्रमाणन के लिए योग्य पाया गया है। इनमें पूर्वी सिंहभूम के राम जानम नगर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अलावा गोड्डा जिले का आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य उपकेंद्र लाठी और रांची जिले का आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य उपकेंद्र कांके शामिल हैं।बाहरी मूल्यांकन के दौरान गोड्डा के लाठी स्वास्थ्य उपकेंद्र को 85.91 प्रतिशत और रांची के कांके स्वास्थ्य उपकेंद्र को 91.94 प्रतिशत अंक मिले। कांके केंद्र ने तीनों में सर्वाधिक अंक हासिल किया। वहीं राम जानम नगर स्वास्थ्य केंद्र ने 85.07 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन हासिल किया। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के तहत स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं, उपचार की गुणवत्ता, मरीजों की सुविधाओं, साफ-सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन किया जाता है। प्रमाणन मिलने के बाद संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों को मूल्यांकन के दौरान चिन्हित सुधार के बिंदुओं पर भी काम करना होगा।

किसान हित भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता,किसान मितान के जरिए सरकारी योजनाओं का लाभ खेतों तक पहुंचाने का संकल्प

झारखंड उजाला संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में किसान मितान प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ, राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के किसान मोर्चा पदाधिकारी हुए शामिल



साहिबगंज।छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा की ओर से कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित 'किसान मितान' प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया।कार्यशाला का शुभारंभ भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) कर्मवीर सिंह की गरिमामय उपस्थिति में हुआ।इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसान हितों को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि किसानों की समृद्धि और खुशहाली से ही प्रदेश की आर्थिक मजबूती संभव है।किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ सरलता और पारदर्शिता के साथ मिले,इसके लिए सरकार लगातार प्रयासरत है।किसान मितान जैसी पहल किसानों और सरकारी योजनाओं के बीच मजबूत कड़ी साबित होगी।कार्यशाला में किसान मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ.शम्भू कुमार,राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव,राष्ट्रीय मंत्री पिंकी शिवराज साह, प्रदेश प्रभारी पूनम चंद्राकर, प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा आलोक चंद्रा ठाकुर,प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पनिग्राही,प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यशाला के दौरान किसान मितान अभियान के माध्यम से किसानों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने और पात्र किसानों को उनका लाभ दिलाने पर विशेष जोर दिया गया।साथ ही किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं को गांव-गांव और खेत-खलिहान तक पहुंचकर किसानों से सीधा संवाद स्थापित करने का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भाजपा की प्राथमिकता किसान कल्याण,कृषि का विकास और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।किसान मितान अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है,जिसके माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें लाभान्वित करने का प्रयास किया जाएगा।

भारत सरकार के 100 सप्ताह संकल्प अभियान के तहत छत्तरपुर के महाविद्यालय परिसर में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

नगर भ्रमण, स्वच्छता अभियान, दीपोत्सव और रंगोली के माध्यम से दिया नशामुक्ति का संदेश

अरविंद अग्रवाल

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



छतरपुर (पलामू)। गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल महाविद्यालय, सड़मा में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के तत्वावधान में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत झ 100 सप्ताह संकल्प अभियान' के तहत दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं आम लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त समाज का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने स्वागत भाषण सह विषय प्रवेश करते हुए कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखकर शिक्षा, संस्कार, खेल और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है। शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनाना भी है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता (चुनमुन) ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत हैं। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ उसके परिवार, शिक्षा और रोजगार को भी प्रभावित करता है। नगर का वास्तविक विकास सड़क और भवन निर्माण के साथ-साथ शिक्षित, स्वस्थ एवं नशामुक्त युवा तैयार करने से होगा। उन्होंने महाविद्यालय की पहल की सराहना करते हुए 100 सप्ताह तक निरंतर जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार साहू ने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा और सकारात्मक सोच अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में प्रशासन, शिक्षण संस्थानों, अभिभावकों और युवाओं की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। कार्यक्रम में प्रो. अशोक कुमार पाठक ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नशामुक्त भारत का संकल्प दिलाया। वहीं दीपोत्सव के तहत सामूहिक रूप से दीप जलाए गए तथा छात्र-छात्राओं ने आकर्षक रंगोली बनाकर उसके माध्यम से नशामुक्ति का संदेश दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में संगीत शिक्षा संस्थान के निदेशक रंजन कुमार रवि, गायिका प्रिया वर्मा एवं गायक विक्की पलामू ने अपनी गीत-संगीत प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। विद्यार्थियों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशामुक्त जीवन का संदेश दिया। जागरूकता अभियान के तहत महाविद्यालय परिवार ने नगर भ्रमण कर आम लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत८ कराया और नशे से दूर रहने की अपील की। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय, सड़मा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने बच्चों को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय परिसर में विशेष सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया। यहां BDO आशीष कुमार साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता, प्रभारी प्राचार्य सहित शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने सेल्फी लेकर नशामुक्त भारत का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन पंचम कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस समन्वयक प्रो. राजकिशोर लाल ने किया। आयोजन में महाविद्यालय प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों और विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।

रामगढ़ होमगार्ड बहाली परीक्षा के दौरान अस्वस्थ हुई महिला अभ्यर्थी को मिला त्वरित इलाज, प्रशासन की मानवीय पहल की सराहना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। रामगढ़ जिले के सिद्धू-कान्हू मैदान में आयोजित होमगार्ड बहाली की शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान जिला प्रशासन की संवेदनशीलता और तत्परता का एक अनूठा उदाहरण देखने को मिला है। परीक्षा प्रक्रिया के दौरान एक महिला अभ्यर्थी अचानक अस्वस्थ होकर बेहोश हो गई, जिसके बाद प्रशासन ने तुरंत मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए त्वरित कार्रवाई की।

प्रशासन की तत्परता से तुरंत मिली मदद

घटना की सूचना मिलते ही उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज के निदेर्शानुसार प्रभारी पदाधिकारी (गोपनीय शाखा) रविंद्र कुमार गुप्ता ने तुरंत सक्रियता दिखाई। उन्होंने मौके पर मौजूद मेडिकल टीम से संपर्क कर अस्वस्थ महिला अभ्यर्थी को तत्काल चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई।

विशेष देखभाल और हौसला अफजाई

प्राथमिक उपचार और उचित चिकित्सा के बाद, महिला अभ्यर्थी को स्वास्थ्य लाभ के लिए नारियल पानी (डाब), केले और आवश्यक दवाइयां दी गईं। चिकित्सकों द्वारा स्थिति पूरी तरह सामान्य पाए जाने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों और टीम ने अभ्यर्थी की हौसला अफजाई की और उसे शारीरिक दक्षता परीक्षा के अगले चरणों के लिए पुनः प्रेरित किया। जिला प्रशासन रामगढ़ की इस संवेदनशील और त्वरित पहल की मैदान में मौजूद सभी लोगों ने जमकर सराहना की है। इससे यह साबित होता है कि प्रशासन न केवल निष्पक्ष और पारदर्शी बहाली के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति भी पूरी तरह मुस्तैद है।

पहाड़पुर में आयोजित तीन दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक समापन, इंद्रजीत महतो के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर /धनबाद। बलियापुर प्रखंड अंतर्गत पहाड़पुर स्थित सिंदरी के पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो एवं भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य तारा देवी के आवास पर आयोजित तीन दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन शुक्रवार को श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं शुभचिंतकों ने कथा श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, भक्ति, प्रेम, धर्म और मानव जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कथा वाचन से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीहरि से पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो के शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने तथा उनके पुनः स्वस्थ होकर परिवार के बीच लौटने की मंगलकामना की। इस अवसर पर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए भी सामूहिक प्रार्थना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीहरि से सभी पर अपनी कृपा बनाए रखने की कामना की।

शैल देवी पब्लिक स्कूल में दीपावली प्रतियोगिताओं का समापन, 48 प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



सिंदरी/धनबाद। शैल देवी पब्लिक स्कूल, मोतीनगर, गौशाला, सिंदरी में दीपावली के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का समापन शुक्रवार, 6 नवंबर को हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मारवाड़ी महिला समिति की सचिव श्रीमती शैली गोयल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर सुलेख, चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, दीप सज्जा, पूजा थाली सज्जा एवं भाषण सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल 157 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 48 विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।समापन समारोह में मारवाड़ी महिला समिति की अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल, किरण गोयल एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार सिंह ने दीपावली और छठ पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को पर्वों की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं से अवगत कराया।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं रूबी कुमारी, सुजाता कुमारी, सुरेश लाल, रीना कुमारी, सुधा कुमारी, पूजा कुमारी, विभा कुमारी, तुलिका कुमारी, संजय कुमार, विजेता कुमारी, पूनम कुमारी एवं कर्णेश कुमार सहित सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

रामगढ़ में 1.80 लाख क्विंटल धान खरीद का प्रशासन ने रखा लक्ष्य

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। जिले में वित्तीय वर्ष 2026-27 में धान की खरीदारी को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में डीसी ऋतुराज की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सरकार की ओर से रामगढ़ जिले के लिए निर्धारित एक लाख 80 हजार क्विंटल धान अधिप्राप्ति के लक्ष्य को पूरा करने की रणनीति पर चर्चा की गई। इस दौरान डीसी ने सभी पैक्सों को समयबद्ध, पारदर्शी और किसान हितैषी तरीके से धान खरीद सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी निशा कुमारी सिंह ने धान की खरीदारी के निर्धारित लक्ष्य की जानकारी दी। डीसी ने पिछले वित्तीय वर्ष में संतोषजनक प्रदर्शन नहीं करने वाले पैक्सों की समीक्षा करते हुए उनसे कार्य में कमी के कारणों की जानकारी ली। साथ ही सभी पैक्स अध्यक्षों और प्रतिनिधियों को इस वर्ष पूरी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया। डीसी ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को क्षेत्रवार टैग कर सभी पैक्स केंद्रों का नियमित निरीक्षण कराने को कहा। केंद्रों पर सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी, धान के सुरक्षित भंडारण और किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक सूचनाएं स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया।उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए रोटेशन पॉलिसी लागू करने और नियमित अंतराल पर पैक्सों के प्रदर्शन की समीक्षा करने की बात कही। बेहतर प्रदर्शन करने वाले पैक्सों को आगामी कार्यों में प्राथमिकता देने के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले पैक्सों को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा।डीसी ने किसानों को बिचौलियों से सावधान रहने और अपना धान नजदीकी पैक्स केंद्रों पर ही बेचने के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि धान अधिप्राप्ति का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना है। सभी संबंधित पदाधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि किसानों को परेशानी न हो और निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा किया जा सके।

स्व. सुनील चौधरी के ब्राह्मण-भोजन में पहुंचे पुरुलिया सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो, तैल चित्र पर अर्पित की श्रद्धांजलि

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला, हजारीबाग ब्यूरो।



बड़कागांव। बड़कागांव विधायक श्री रोशन लाल चौधरी जी के ज्येष्ठ भैया, सीसीएल रजरप्पा से सेवानिवृत्त श्रद्धेय स्व. सुनील चौधरी जी के देहावसान के पश्चात सांडी स्थित कम्युनिटी सेंटर में ब्राह्मण-भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद माननीय श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो जी गरिमामई रूप से उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने अपने अनुज गिरिडीह सांसद माननीय श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी जी के साथ दिवंगत के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और पुण्यात्मा के विचारों, आदर्शों व पुण्य स्मृतियों को नमन किया। इस कठिन एवं दुःखद घड़ी में उपस्थित होकर संवेदना व्यक्त करने के लिए परिवार की ओर से माननीय सांसद श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो जी के प्रति हृदय से आभार एवं कृतज्ञता प्रकट की गई। कहा गया कि उनका यह आत्मीय सहयोग शोकाकुल परिवार के लिए संबल प्रदान करने वाला है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने परमपिता परमेश्वर एवं भगवान श्रीहरि से करबद्ध प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में चिरशांति एवं सद्गति प्रदान करें तथा समस्त शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय वियोग को सहन करने की असीम शक्ति, धैर्य एवं आत्मबल प्रदान करें।

टीएससी क्लब दाड़दाहा ने फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता

झारखंड उजाला

फाइनल मुकाबले में जूनियर स्टूडेंट क्लब निचितपुर को 2-1 से दी शिकस्त, 16 टीमों ने लिया भाग



बलियापुर। सुवरिया गांव में जय हिंद क्लब की ओर से आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शुक्रवार को खेला गया। रोमांचक मुकाबले में टीएससी क्लब दाड़दाहा ने जूनियर स्टूडेंट क्लब निचितपुर को 2-1 गोल से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।समापन समारोह में मुख्य अतिथि जनता मजदूर संघ के महामंत्री अभिषेक सिंह ने विजेता एवं उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बलियापुर जैसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। जरूरत है उनकी प्रतिभा को उचित मंच और अवसर देकर निखारने की। उन्होंने खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया।विशिष्ट अतिथि जनता मजदूर संघ के नेता वेद प्रकाश ओझा ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया।मौके पर पंचायत समिति सदस्य योगेश्वर मांझी, सोपान कुमार महतो, अजीत मल्लिक, नीलकमल महतो, विष्णु महतो, किशोर महतो, बबलू महतो, फूलचंद महतो, कार्तिक महतो, दिनेश महतो, निर्मल राय, निरंजन राय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबर

जेएलकेएम रामगढ़ ने मुस्लिम अंसारी, सीता महतो और निशा महतो को नई जिम्मेदारी मिलने पर दी बधाई



रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) में हुए संगठनात्मक विस्तार के तहत रामगढ़ जिले के नेताओं को महत्वपूर्ण केंद्रीय और प्रमंडल स्तर की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस घोषणा के बाद जेएलकेएम रामगढ़ जिला कमेटी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दी हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अल्पसंख्यक मोर्चा रामगढ़ के पूर्व जिला अध्यक्ष मुस्लिम अंसारी को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का संगठन सचिव बनाया गया है। वहीं, सीता महतो को केंद्रीय उपाध्यक्ष तथा निशा महतो को केंद्रीय सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जेएलकेएम रामगढ़ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इन सभी नेताओं की संगठन के प्रति निष्ठा, सक्रियता, कार्यक्षमता और समर्पण भाव को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने यह अहम जिम्मेदारी दी है। संगठन ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है कि ये सभी नवनियुक्त पदाधिकारी अपने लंबे अनुभव, कुशल नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमता के बल पर पार्टी को नई मजबूती प्रदान करेंगे। साथ ही, पार्टी की विचारधारा, सिद्धांतों और जनहित की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। जेएलकेएम रामगढ़ परिवार ने कामना की है कि इनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में संगठन निरंतर सशक्त होगा और नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस नियुक्ति से रामगढ़ जिला सहित पूरे उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहौल है।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन



रामगढ़। शहर के श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा तीसरी से नौवीं और ११ वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रंगों और कलात्मक आकृतियों के माध्यम से सामाजिक, राष्ट्रीय एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश प्रस्तुत किए।रंगोलियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव, स्वच्छता, नशामुक्त समाज और तकनीक के सुरक्षित उपयोग का संदेश प्रभावशाली ढंग से दिया। प्रत्येक समूह ने अपने निर्धारित विषय को रचनात्मक रूप देकर आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया। प्रतियोगिता ने यह साबित किया कि रंगोली केवल कलात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है।आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय की कला शिक्षिका सुमन सोनी तथा कला शिक्षक गौतम कुमार एवं अनुराग पांडे का विशेष योगदान रहा।कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान परमदीप सिंह कालरा सहित विद्यालय प्रबंधक समिति के सदस्य सरदार मनमोहन सिंह लांबा, सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, सरदार सुरिंदर पाल सिंह चंडोक, सरदार कुलजीत सिंह कालरा, सरदार वरिंदर सिंह चंडोक, सरदार गुरप्रीत सिंह जॉली, सरदार नरेंदर पाल सिंह गुजराल, सरदार पुषविंदर पाल सिंह, सरदार कुलजीत सिंह छाबड़ा, सरदार गुरदीप सिंह सैनी सहित अन्य उपस्थित थे।

बेहोश हुई महिला अभ्यर्थी को प्रशासन ने दिया सहारा, स्वस्थ होते ही बढ़ाया हौसला

रामगढ़। होमगार्ड बहाली की दौड़ में शामिल होने रामगढ़ के सिद्धू-कान्हू मैदान पहुंची एक महिला अभ्यर्थी जब अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी, तो कुछ देर के लिए वहां अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लेकिन जिला प्रशासन की तत्परता और संवेदनशीलता ने स्थिति को तुरंत संभाल लिया। डीसी ऋतुराज के निर्देश पर तत्काल मेडिकल टीम को सक्रिय किया गया और महिला अभ्यर्थी को मौके पर ही चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। उपचार के बाद जब उसकी तबीयत सामान्य हुई, तो अधिकारियों ने उसका हौसला बढ़ाते हुए उसे आगे की परीक्षा के लिए प्रोत्साहित किया।सिद्धू-कान्हू मैदान में चल रही होमगार्ड बहाली की शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान एक महिला अभ्यर्थी अचानक अस्वस्थ होकर बेहोश हो गई। घटना की सूचना मिलते ही उपायुक्त के निदेर्शानुसार गोपनीय शाखा के प्रभारी पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता ने तत्काल सक्रियता दिखाई और मौके पर मौजूद मेडिकल टीम से संपर्क कर अभ्यर्थी को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई।मेडिकल टीम ने महिला अभ्यर्थी को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया। उसकी विशेष देखभाल करते हुए स्वास्थ्य लाभ के लिए नारियल पानी (डाभ), केला और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों की निगरानी में उसकी स्थिति सामान्य होने के बाद अधिकारियों ने उससे बातचीत की और उसका मनोबल बढ़ाया। स्वास्थ्य में सुधार के बाद उसे शारीरिक दक्षता परीक्षा के अगले चरणों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिला प्रशासन की इस त्वरित पहल की मैदान में मौजूद लोगों ने सराहना की।

एसआईआर में लापरवाही पर अधिकारियों को डीसी ने किया शो-कॉज



रांची। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के कार्यों में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को समीक्षात्मक बैठक की।इस अवसर पर उन्होंने तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी) और नो मैपिंग से जुड़े लंबित मामलों का समय-सीमा के भीतर निष्पादन करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही खराब प्रदर्शन करने वाले निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) को शो-कॉज करते हुए आरोप पत्र गठित कर कार्रवाई का निर्देश दिया।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्वाचन कार्यों में लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विद्यालयों और महाविद्यालयों में संचालित इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब की गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं युवा तथा नए मतदाताओं को जागरूक करने पर भी जोर दिया।समीक्षा में उपायुक्त को बताया गया कि रांची जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में 6,44,071 नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें तार्किक विसंगति के 4,35,270 और नो मैपिंग के 2,08,801 मामले शामिल हैं। तार्किक विसंगति के मामलों में 58.11 प्रतिशत और नो मैपिंग में 31.69 प्रतिशत निष्पादन हुआ है।बताया गया कि जिले में कुल 19,79,987 मतदाताओं में से 16,36,949 मामलों का निष्पादन किया गया है। इस प्रकार कुल निष्पादन 82.67 प्रतिशत दर्ज किया गया।बैठक में सभी विधानसभा क्षेत्रों के संबंधित अधिकारी और कर्मी मौजूद थे।



स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं।



कम लागत से शुरू कर सकते हैं ये बिजनेस होगी लाखों में इनकम

आजकल स्टार्टअप का जमाना है। हर कोई नौकरी की बजाए अपना खुद का कोई बिजनेस करना चाहता है। स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं। हम यहां जिन कामों के बारे में बताने जा रहे हैं उनमें से कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें महज 50,000 रुपए की लागत से शुरू किया जा सकता है। इनवेस्टमेंट के हिसाब से इन कामों को बढ़ाया भी जा सकता है।

इवेंट फोटोग्राफर

फोटोग्राफर बनने के लिए बस आपको एक कैमरे की जरूरत होती है जो कि 50 हजार से कम कीमत में कहीं से भी ले सकते हैं। इस काम के लिए आपके भीतर जुनून और किसी भी चीज की खूबसूरती देखने और उसे कैमरे में कैद करने का हुनर होना जरूरी है। लोगों के फैमिली फंक्शन, शादी, बर्थडे पार्टी, सोसाइटी के कार्यक्रमों आदि में फोटोग्राफर की डिमांड होती है। किसी भी इवेंट को यादगार बनाने के लिए फोटोग्राफी जरुरत बन गई है। ऐसे में आप फोटोग्राफी के जरिए अच्छा पैसा कमा सकते हैं।



पुरानी कारों की डीलरशिप

भारत में कारों का बिजनेस खूब बढ़ रहा है ऐसे में नई कारों की डीलरशिप के साथ-साथ सेकंड हैंड कारों का बाजार भी डिमांड में है। आप पुरानी कारों की डीलरशिप का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। डीलरशिप के अलावा इसमें आप कमिशन भी कुछ कमा सकते हैं। बशर्ते आप को क्लांइट को ढूंढ़ना होगा और उनको डील करानी होगी।

ड्राइविंग स्कूल

ड्राइविंग स्कूल शुरू करना एक बेहतरीन आयडिया है और देश में गाड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ये बिजनेस कभी भी घाटे में नहीं रहने वाला। शहरों में तो आजकल एक भी ऐसा शख्स नहीं मिलेगा जो ड्राइविंग नहीं सीखना चाहता हो। इसके लिए आपको सिर्फ एक गाड़ी की जरुरत पड़ती है जो कि आप सेकेण्ड हैंड भी खरीद सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कुछ ड्राइविंग स्कूल चलाने वाले लोग एक दिन में 8 से 10 हजार रुपए तक कम लेते हैं। इसके लिए आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस और अनुभव होना जरूरी है या फिर आप किसी दूसरे आदमी से भी क्लासेज दिलवा सकते हैं।





आइस क्रीम पार्लर

आइस क्रीम पार्लर भी एक बढ़िया निवेश है। सर्दियों के मौसम को छोड़ दें तो ये हमेशा मांग में रहता है। इसके लिए आपको बस एक फ्रीजर खरीदना होता है या फिर आप आइसक्रीम कंपनियों की फ्रेंचाइजी भी ले सकते हैं। इनमें क्वालिटी वडीलाल जैसी बड़ी आइसक्रीम कंपनियां शामिल हैं और ये कंपनियां आइसक्रीम बिक्री का 10-20 फीसदी तक कमीशन के रुप में देती हैं।

मोबाइल गैरेज

शहरों के साथ ही ग्रामीण इलाकों में भी कारों की संख्या में तेजी से बढ़ातरी हो रही है। आम वाहनों की तरह कार में भी खराबी आना आम समस्या है। ऐसे में कार के मालिक को जरूरत होती कि कार जहां खड़ी है वहीं पर कोई मैकेनिक आकर कार रिपेयर कर जाए। ऐसे में यदि आप कार- ऑटो रिपेरिंग का थोड़ा बहुत अनुभव रखते हैं तो लोगों को मोबाइल गैरेज की सर्विस दे सकते हैं। इसके लिए आपको जरूरी है एक सेकंड हैंड बाइक और एक टूल बॉक्स जोकि दोनों में 50 हजार तक में आ जाएंगे। अपने साथ आप एक हेल्पर या मैकेनिक रखें तो बेहतर होगा। मोबाइल गैरेज के जरिए आप 2 से 5 हजार रुपए तक रोज कमा सकते हैं।



नौकरी चाहिए तो ऐसे बनाएं सोशल मीडिया प्रोफाइल



आजकल नौकरी पाने के लिए सिर्फ आपका ज्ञान और स्किल्स ही काफी नहीं है, सोशल मीडिया पर आपकी पोस्ट भी इसमें अहम भूमिका निभा सकती है। आपने अपने फेसबुक पर क्या लिखा या ट्विटर पर कैसे ट्वीट किए या आपकी लिंक्डइन प्रोफाइल आपके बारे में क्या कहती है। आप सोशल मीडिया पर कैसे लोगों के संपर्क में हैं, लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं, अब कंपनियां ये सब भी नौकरी देने से पहले देख रही हैं। आज सोशल मीडिया के जरिए किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और उसके नजरिये के बारे में पता लगाना बहुत आसान हो गया है। यही वजह है कि मल्टीनेशनल और स्टार्टअप कंपनियां नौकरी पर रखने से पहले आवेदक के प्रोफाइल को परखती हैं। इससे उन्हें अंदाजा लग जाता है कि आवेदक उनकी कंपनी में फिट बैठता है या नहीं।

सोशल मीडिया पर सकारात्मक छवि होना जरूरी

इन सोशल मीडिया प्रोफाइल से कंपनियों को आवेदकों की रूचि, उसकी प्राथमिकताएं और विश्वसनीयता के बारे में पता चलता है, जिस आधार पर उनके लिए आवेदकों को शॉर्टलिस्ट करना आसान होता है। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आपको बेहतर नौकरी मिले, तो ज्ञान के साथ-साथ सोशल मीडिया पर आपकी सकारात्मक छवि भी होनी चाहिए। करीब 30 फीसदी कंपनियां आवेदकों की सोशल मीडिया प्रोफाइल पर यह देखती हैं कि अन्य लोग आवेदकों के बारे में क्या राय रखते हैं। सोशल मीडिया पर किए गए एक सर्वे में शामिल 60 फीसदी नियोक्ताओं ने उम्मीदवारों की ऑनलाइन मौजूदगी को परखने के बाद उन्हें खारिज कर दिया। इसका बड़ा कारण था उम्मीदवार के ऑनलाइन प्रोफाइल और रेज्यूमे में दी गई शैक्षिक योग्यता में अंतर। आवेदन के खारिज होने का बड़ा कारण था, पिछली कंपनी या अपने स्कूल-कॉलेज को बुरा बताने वाले पोस्ट डालना। इसके अलावा यह ध्यान रखें कि आप जिस कंपनी में काम करने जा रहे हैं, उसके बारे में कहीं भी बुरा न कह रहे हों।

सोच-समझकर सोशल मीडिया पर करें पोस्ट

वैसे तो सोशल मीडिया साइटों पर आम तौर पर लोग अपनी फोटो और अपने अनुभव शेयर करते है। लेकिन, सोशल मीडिया पर ऐसी फोटो कभी शेयर ना करें जिसके कारण आपकी नकारात्मक छवि प्रस्तुत हों। आप सोशल साइट पर आपकी हॉबी या पसंदीदा चीजों से जुड़ी फोटो शेयर कर सकते हैं। इसके अलावा इस बात पर भी ध्यान देते रहें कि कोई व्यक्ति किसी अश्लील तस्वीर या पोस्ट से आपको टैग तो नहीं कर रहा। इससे आपकी संगत और माहौल का अंदाजा लगाया जाएगा।

सोशल साइटों पर प्रोफेशनल दिखे

फेसबुक और लिंक्डइन पर आमतौर व्यक्ति की पहचान उसका फोटो देखकर ही की जाती हैं तो आप इसमें वही फोटो डाले जिसमें आप फार्मल लुक में हो। आपकी फुल शॉट तस्वीर से अच्छा है हेड शॉट वाली तस्वीर डालें, वो भी मुस्कराते हुए। आप प्रोफेशनली कैसे दिख रहे हैं, यह पता करने के लिए आप फोटोफीलर नाम की एक साइट पर अपनी फोटो अपलोड करें। इससे फोटो में आप आत्मविश्वासी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में नजर आ रहे हैं या नहीं, यह पता लग जाएगा।

इंटरनेट पर आप किस तरह से हो रहे प्रस्तुत नौकरी के लिए आवेदन देने की प्रक्रिया के दौरान या उससे पहले एक बार आप अपने नाम को गूगल पर सर्च करके देखे कि गूगल आपके नाम के बारें में क्या दिखाता है।

नियोक्ता की नजर से आपकी अपने बारे में क्या राय बन रही है और संबंधित नौकरी के लिए आप खुद को हायर करेंगे या नहीं, इन सवालों का जवाब ढूंढें। जवाब 'न' में हो तो कारणों की सूची बनाएं। हो सकता है आपके पोस्ट गलत विचारधारा को प्रकट कर रहे हों या आपके दोस्त आपकी वॉल पर अनुचित तस्वीरें या अनुचित कमेंट डाल रहे हों। इसके लिए अपनी सेटिंग बदलें और दोस्तों से कहें कि वे ऐसी पोस्ट न डालें। नियोक्ता को आपकी प्रोफाइल कैसी दिख रही है, इसके लिए अपने फेसबुक पेज के ऊ पर दाएं कोने पर जाएं और प्रिव्यू माई प्रोफाइल पर जाकर देखें। आप चाहें तो अपने मुताबिक सेटिंग को एडिट भी कर सकते हैं। वैसे तो अधिकतर नियोक्ता उम्मीदवार को परखने के लिए उनके लिंक्डइन प्रोफाइल पर जाते हैं, पर कई बार क्षेत्र के हिसाब से भी दूसरी साइट पर आपकी मौजूदगी को भी परखते हैं। जैसे, अगर कोई डिजाइनर है तो उसकी पिनट्रेस्ट या टम्बलर प्रोफाइल को परखा जाता है, अगर कोई व्यक्ति मॉडल है तो उसके इंस्टाग्राम को परखा जाता है, वहीं निजी पृष्ठभूमि को जानने के लिए कंपनी फेसबुक प्रोफाइल को देखना पसंद करती है।

ऐसा होना चाहिए लिंक्डइन प्रोफाइल

लिंक्डइन अपने करियर क्षेत्र और पेशे से जुड़े पेशेवर लोगों से नेटवर्क बनाने का अच्छा जरिया है। अपने करियर क्षेत्र से संबंधित ग्रुप जॉइन करें। लिंक्डइन के मानदंडों के हिसाब से चलें। यदि आप चाहते हैं कि नियोक्ता, बॉस, या सहकर्मी आपके निजी ब्लॉग या पोस्ट को न देख पाएं तो इसके लिए सेटिंग पर जा कर लिंक्डइन प्रोफाइल में 'फीड' के सिंक ऑप्शन को अनचेक कर दें। लिंक्डइन पर डाले गए रेज्यूमे को बहुत से लोग देखते हैं। इसलिए जो सच है, वही लिखें। हाल की फोटो डालें। फॉर्मल ड्रेस में हेड शॉट डालें। अपने लिंक्डइन यूआरएल को छोटा रखें, जिससे गूगल पर आपके लिंक्डइन प्रोफाइल को ढूंढना आसान हो। इसके लिए आप लॉगिन करें, अकाउंट और सेटिंग्स पर जाकर पब्लिक प्रोफाइल पर क्लिक करें और पेज पर यूआरएल एडिट करने का विकल्प चुने।

यदि आप फेसबुक प्रोफाइल को पेशेवर नेटवर्किंग के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं तो अपने प्रोफाइल में जरूरी बदलाव करने के लिए तैयार रहें। इसका मतलब है आपको कुछ कमेंट के साथ-साथ तस्वीरें हटानी होंगी, जो आपकी पेशेवर जिंदगी के लिहाज से ठीक न हों। अगर आपको पार्टी करना पसंद है और नहीं चाहते कि भावी बॉस आपकी पर्सनल प्रोफाइल देखें तो सारी प्राइवेसी सेटिंग में 'फ्रेंड्स ओनली' का ऑप्शन चुनें और कौन आपके प्रोफाइल को देखेगा, इसके प्रति सेलेक्टिव रहें। फेसबुक पर प्राइवेसी सेटिंग बदलें, ताकि यह तय हो सके कि आपके पेज को कौन देखेगा। इससे नियोक्ता भी आपसे एड हुए बिना आपकी प्रोफाइल को नहीं देख पाएंगे। इसके अलावा सेटिंग में बदलाव करें, ताकि लोग आपकी फेसबुक वॉल पर कोई अनुचित पोस्ट न डाल सकें। अगर आपने कहीं काम किया है और उस संस्था से जुड़े लोग आपकी फ्रेंडलिस्ट में हैं तो कस्टम सेटिंग का विकल्प चुन कर उन्हें अपनी निजी पोस्ट देखने से रोक सकते हैं।



ऐसा होना चाहिए ट्विटर अकाउंट

मार्केटिंग के क्षेत्र में उम्मीदवार के ट्विटर अकाउंट को देखने का चलन है। इससे पता चल जाता है कि उम्मीदवार का नेटवर्क कैसा है। ट्विटर प्रोफाइल को पब्लिक नहीं, प्रोफेशनल बनाएं। अपने करियर क्षेत्र से जुड़े ट्वीट डालें और फॉलो करें। अगर किसी कंपनी में सीनियर पोस्ट के लिए जा रहे हों तो 60 फीसदी ट्वीट आपकी इंडस्ट्री से जुड़े होने चाहिए।

यूजीसी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार के डांवाडोल रुख से बढ़ सकती है सवर्णों की चिंता!



राजकुमार सिंह, लेखक

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह यूजीसी के 2026 के इक्विटी रेगुलेशन की समीक्षा के लिए एक समिति बनाने पर विचार कर रही है। यानी सरकार ने न तो नियमों को पूरी तरह वापस लेने का फैसला किया है और न ही उन्हें उसी रूप में लागू करने का। यूजीसी के नए नियमों को लेकर शुरू हुआ विवाद अब शिक्षा संस्थानों की चारदीवारी से निकलकर सीधे सियासत के मैदान में पहुंच चुका है। यह मामला अब सिर्फ जातिगत भेदभाव रोकने के प्रावधानों का नहीं, बल्कि सवर्णों की नाराजगी, राजनीतिक दलों के जातीय समीकरण और वोट बैंक की लड़ाई का भी बन गया है। खासकर पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों से पहले इस विवाद ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी है। इन नियमों के खिलाफ पहले भी सवर्ण समाज ने देशभर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, जहां अदालत को इन पर रोक लगानी पड़ी थी। अब एक बार फिर नियमों की समीक्षा और उन्हें लेकर जारी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यूजीसी विवाद के बहाने सवर्ण समाज की नाराजगी चुनावी मुद्दा बनेगी और इसका असर उन राज्यों के जातीय समीकरणों पर पड़ेगा, जहां बीजेपी की राजनीति काफी हद तक परंपरागत सामाजिक समर्थन पर टिकी रही है?

यूजीसी विवाद की नई करवट और केंद्र का ताजा रुख

हम आपको बता दें कि सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक हलचल यह है कि केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह यूजीसी के 2026 के इक्विटी रेगुलेशन की समीक्षा के लिए एक समिति बनाने पर विचार कर रही है। यानी सरकार ने न तो नियमों को पूरी तरह वापस लेने का फैसला किया है और न ही उन्हें उसी रूप में लागू करने का। सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार से कहा है कि नियमों पर दोबारा विचार किया जाए, ताकि किसी भी छात्र के साथ भेदभाव न हो और सभी के हित सुरक्षित रहें। हम आपको याद दिला दें कि 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित इन नियमों का मकसद उच्च शिक्षण संस्थानों में



जातिगत भेदभाव रोकना था। इसके तहत विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इक्विटी कमेटी और समान अवसर केंद्र बनाने का प्रावधान किया गया। लेकिन नियमों में जातिगत भेदभाव की परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। खासतौर पर नियम 3(1)(ू) में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के खिलाफ जाति आधारित भेदभाव को जिस तरह परिभाषित किया गया, उसे सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए असमान व्यवस्था बताया गया।

सवर्ण संगठनों और सामान्य वर्ग के छात्रों ने आशंका जताई कि इन प्रावधानों का इस्तेमाल उनके खिलाफ शिकायतों और उत्पीड़न के हथियार के रूप में हो सकता है। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन कई राज्यों तक फैल गए थे। उत्तर प्रदेश में इस विरोध ने बीजेपी के भीतर भी बेचैनी पैदा कर दी। पार्टी के कुछ पदाधिकारियों ने इस्तीफे तक दिए। आखिरकार 29 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने इन नियमों पर रोक लगा दी और 2012 के पुराने नियमों को जारी रखने का आदेश दिया। अदालत ने प्रावधानों की अस्पष्टता और उनके संभावित दुरुपयोग पर गंभीर सवाल उठाए थे। अब मोदी सरकार की ओर से समीक्षा समिति बनाने की बात सामने आने के बाद इस पूरे विवाद ने फिर राजनीतिक रंग पकड़ लिया है।

पांच राज्यों के चुनाव में बीजेपी के सामने जातीय समीकरण की चुनौती

इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा राजनीतिक असर 2027 के विधानसभा चुनावों में दिखाई दे सकता है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड बीजेपी के लिए सत्ता की प्रतिष्ठा से जुड़े हैं, जबकि पंजाब में पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में यूजीसी का मुद्दा पांचों राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। यहां ब्राह्मण, ठाकुर और वैश्य मतदाता लंबे समय से बीजेपी के मजबूत समर्थक आधार का हिस्सा रहे हैं। राम मंदिर आंदोलन से लेकर हिंदुत्व के मुद्दे पर बीजेपी ने ब्राह्मण, ठाकुर और अन्य सवर्ण जातियों के बीच अपना मजबूत जनाधार तैयार किया है। लेकिन यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सवर्ण समाज में जिस तरह नाराजगी सामने आई है, उससे बीजेपी के इस परंपरागत वोट बैंक में असंतोष बढ़ने और पार्टी के साथ उसके पुराने राजनीतिक रिश्ते कमजोर पड़ने की आशंका पैदा हो गई है। बीजेपी के लिए परेशानी यह है कि एक तरफ सामान्य वर्ग की नाराजगी है तो दूसरी तरफ ओबीसी और दलित मतदाताओं का बड़ा राजनीतिक आधार है। किसी एक पक्ष को नाराज करने का मतलब दूसरे पक्ष के बीच राजनीतिक संदेश जाना है। इस नाराजगी के संकेत उत्तर प्रदेश बीजेपी के संगठन में भी दिखाई दिए हैं। हाल के एमएलसी चुनावों में वाराणसी और लखनऊ जैसी सीटों पर पार्टी को मिली हार को भी सवर्ण असंतोष के संदर्भ में देखा जा रहा है। इसलिए बीजेपी के लिए यह महज एक शैक्षणिक नियम का विवाद नहीं, बल्कि अपने परंपरागत वोट बैंक को बचाने की लड़ाई बन गया है।

उत्तराखंड में भी यह मुद्दा कम महत्वपूर्ण नहीं है। यहां सवर्ण मतदाताओं का राजनीतिक प्रभाव है और बीजेपी का परंपरागत समर्थन आधार भी इसी सामाजिक समीकरण से जुड़ा रहा है। यूजीसी विवाद को लेकर नाराजगी अगर चुनावी मुद्दा बनती है तो कांग्रेस को बीजेपी के खिलाफ सवर्ण असंतोष को भुनाने का अवसर मिल सकता है।

हालांकि पंजाब में समीकरण कुछ अलग हैं। यहां दलित आबादी का अनुपात देश में सबसे अधिक है। ओबीसी और सामान्य वर्ग के मतदाताओं का भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। बीजेपी के लिए चुनौती यह होगी कि वह सवर्ण मतदाताओं की नाराजगी दूर करने के साथ दलित और पिछड़े वर्गों के बीच अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता भी बनाए रखे। क्योंकि यूजीसी विवाद को विपक्ष सामाजिक न्याय और सामान्य वर्ग के अधिकारों के बीच टकराव के रूप में पेश कर सकता है। साथ ही गोवा और मणिपुर में इस मुद्दे का प्रभाव उत्तर प्रदेश जैसा व्यापक न भी हो, लेकिन उच्च शिक्षित युवाओं, विद्यार्थियों और सामान्य वर्ग के संगठित समूहों के बीच इसकी राजनीतिक गूंज दिखाई दे सकती है। सोशल मीडिया और छात्र संगठनों के माध्यम से यह मुद्दा स्थानीय चुनावी बहस का हिस्सा बन सकता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बीजेपी के सामने इस विवाद में दोहरी चुनौती है। अगर सरकार नियमों को पूरी तरह वापस लेती है या उनमें बड़ा बदलाव करती है तो सामाजिक न्याय के मुद्दे पर विपक्ष को हमला करने का मौका मिलेगा। वहीं अगर नियमों को पुराने स्वरूप में लागू करने की कोशिश होती है तो सवर्ण समाज की नाराजगी दोबारा भड़क सकती है।

आज का राशिफाल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्रम से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुंभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

और अधिक अस्थिर हो सकता है विश्व

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अहंकार के उस स्तर तक पहुंच गए दिख रहे हैं, जहां नैतिकता, पारस्परिकता, व्यवहार में समानता और आदर जैसे मानवीय मूल्य बेमानी हो जाते हैं। इसका ताजा प्रमाण यह है कि मध्यावधि चुनावों में हार के बाद भी उनके रवैये में बदलाव आने के आसार नहीं। यदि उनका रवैया बदलता नहीं तो विश्व और अधिक अस्थिर हो सकता है। ध्यान रहे कि अमेरिका और उसकी अगुवाई वाला सैन्य संगठन नाटो यूक्रेन-रूस युद्ध में हर प्रकार से यूक्रेन की सहायता कर रहा है। यूरोप रूस से गैस खरीद रहा है। आज छल-बल से दूसरों पर हावी होने की मनोवृत्ति कई राष्ट्रों के कार्यकलापों में स्पष्ट देखी जा सकती है। भारत वैश्विक शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।



ट्रंप को इससे न पहले कोई एतराज था, न अब है, लेकिन भारत के रूस से तेल खरीदने पर ट्रंप इतने रूठ गए कि अनेक प्रकार के दंडात्मक प्रतिबंध लगाने की धमकी देने लगे। उन्होंने भारत को अपमानित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। होर्मुज जलमार्ग में यातायात बाधित होने से कई देश ऊर्जा के मामले में गंभीर आर्थिक तंगी के शिकार हो रहे हैं और वैकल्पिक व्यवस्थाएं तलाश रहे हैं, लेकिन अमेरिका को इसकी कोई चिंता नहीं। अब तो यह दोमुंही राजनीति इस स्तर पर पहुंच गई है कि ट्रंप स्वयं रूस से डीजल खरीद रहे हैं। भारत खरीदे तो उस पर रूस को युद्ध में हथियार खरीदने में मदद करने का आरोप लगाया जाता है, लेकिन ट्रंप खुद खरीदें तो वह पूरी तरह सही। वैश्विक राजनीति का यह कैसा चेहरा उभरकर सामने आया है? अमेरिका अपने आपको सबसे पुराना लोकतंत्र कहता है। वह अपने को श्रेष्ठतम राष्ट्र मानकर ही संतुष्ट नहीं, बल्कि एक निरंकुश वैश्विक जमींदार जैसा बनने की जुगत में लगा रहता है। ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिकी प्रशासन का अहंकार कुछ ज्यादा ही बढ़ा है। इस साल जनवरी में राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उनके घर में घुसकर उठा लिया गया और दोनों को अमेरिका की एक जेल में डाल दिया गया। आश्चर्य है कि किसी देश या देशों के समूह ने वैश्विक नियमों का नग्न उल्लंघन करने वाली इस घटना की खुलकर निंदा तक नहीं की। संयुक्त राष्ट्र पूरी तरह शांत रहा।

सुरक्षा परिषद ने भी कोई वक्तव्य तक देने का साहस नहीं किया, लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि अमेरिका ने किसी देश के साथ ऐसी मनमानी और दादागीरी दिखाई हो। ट्रंप के कारण ईरान में जो कुछ हो रहा है, उसके दुष्परिणाम पूरे विश्व को झेलने पड़ रहे हैं। अमेरिका इसी प्रकार के अनैतिक आक्रमण वियतनाम, इराक, लीबिया जैसे देशों में कर चुका है। इन सभी देशों में अमेरिका को हर बार मुंह की खानी पड़ी, मगर उसकी अहंकारवादी नीतियों में कोई अंतर नहीं आया। कई देशों में सरकारें गिराने और बनाने में उसके संलग्न रहने की खबरें आती रही हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में जो उथल-पुथल हुई, उसमें अमेरिका का हाथ होने का आरोप लगा।

आज छल-बल के जरिये दूसरों से श्रेष्ठ बनने की मनोवृत्ति राष्ट्रों के बीच संबंधों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के कार्यकलापों तक में देखी जा सकती है। शांति की स्थापना कैसे की जा सकती है, यह सभी जानते हैं, लेकिन राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर सभी को सम्मान दे पाने में सक्षम नेतृत्व शीर्ष स्तर पर कभी-कभी ही पहुंच पाता है। महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग और हो ची मिन्ह जैसे लोग विश्व को एक परिवार मानने की अवधारणा को व्यावहारिक स्वरूप देने में सक्षम थे। समय के साथ उनके सिद्धांतों और जीवन-मूल्यों को भुलाने में सत्ता में आए लोग अधिक रुचि लेते दिखते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप वैश्विक स्तर पर जो कुछ कर रहे हैं, वह हर देश के सतर्क एवं जागरूक नागरिक के मन में आक्रोश पैदा कर रहा है। अमेरिका का तथाकथित बड़प्पन अपने मनमाने स्वरूप में विश्व के समक्ष अनेक बार आ चुका है। अमेरिका जो कुछ करता है या पाकिस्तान जैसे देशों से कराता है, वह अब विश्व के अनेक देशों की आंखें खोल रहा है। वैश्विक बेचैनी बढ़ रही है। मध्यावधि चुनाव में हार के बाद लोग इस उम्मीद में हैं कि अब शायद ट्रंप का रवैया बदले, क्योंकि अमेरिका के तमाम नागरिकों के लिए भी अपने राष्ट्रपति के कार्यकलापों को उचित ठहराना कठिन हो गया था और शायद इसीलिए उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी का पक्ष लिया।

इस समय कुछ तथाकथित विकसित देश युद्ध की तैयारी के लिए शोध और नए-नए संहारक हथियार बनाने पर स्वास्थ्य और शिक्षा से भी अधिक धन खर्च कर रहे हैं। पारस्परिक अविश्वास लगातार बढ़ रहा है। संभावित समाधान के लिए कई देश भारत की ओर देख रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में मैंने विदेश में आयोजित होने वाले विभिन्न सम्मेलनों में भारत की लगातार बढ़ रही साख को देखा है। ऐसे हर अवसर पर मुझे प्रसिद्ध विचारक और इतिहासकार डा. अर्नोल्ड टायनबी का बहुचर्चित उद्धरण याद आता है, 'यह भलीभांति स्पष्ट हो रहा है कि एक अध्याय, जिसकी शुरूआत पाश्चात्य थी, यदि उसका अंत मानवजाति के आत्मसंहार में नहीं होना है तो समापन भारतीय होगा।' भारत के पास एक ऐसी मनोवृत्ति एवं भावना है, जो मानवजाति को एक परिवार के रूप में विकसित होने में सहायक हो सकती है। भारत के लिए अपने ऐतिहासिक उत्तरदायित्व के निर्वाह करने का यही सही समय है।

भ्रष्टाचार की कड़ियां

जब नियम-कायदों को ताक पर रख कर सत्ता और तंत्र की जिम्मेदारियों को दरकिनार करने की कोशिश की जाती है, तो उसके पीछे एक वजह भ्रष्ट तौर-तरीके से किसी को लाभ पहुंचाना होता है। मगर ऐसी कारगुजारियों का खमियाजा आखिरकार आम जनता को उठाना पड़ता है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या चौरसिया की गिरफ्तारी से एक बार फिर यह बहस छिड़ गई है कि नौकरशाही में काम करते हुए कोई अधिकारी कैसे सत्ता का केंद्र बन जाता है और अपने कामकाज से लेकर अन्य मामलों में उसे मनमानी करने में कोई हिचक नहीं होती। ऐसा शायद इसलिए होता है कि आमतौर पर ऐसे अधिकारियों को सत्ता का प्रत्यक्ष या परोक्ष संरक्षण प्राप्त होता है, जिसके चलते वे अपनी मंशा को बिना किसी हिचक के पूरी कर पाते हैं। विडंबना यह है कि जिन नेताओं को जनता इस उम्मीद से सत्ता में भेजती है कि वे अपने पद का उपयोग आम लोगों के हित और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं पर काबू पाने में करेंगे, वही भ्रष्टाचारियों का बचाव करने की कोशिश करते दिखने लगते हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार में उप सचिव सौम्या चौरसिया को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कथित अवैध वसूली और जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। सवाल है कि इतने उच्च स्तर की किसी अधिकारी को अवैध वसूली या भ्रष्टाचार के अन्य मामलों में मनमानी करने की छूट कैसे मिल जाती है। ऐसी सुविधा उसे कौन मुहैया कराता है! हालांकि इस मामले में जांच प्रक्रिया पूरी और आरोप साबित होने के बाद ही उनकी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, लेकिन फिलहाल उपसचिव की गिरफ्तारी के जो आधार बताए गए हैं, वे निश्चित रूप से भारत में पहले से मौजूद भ्रष्टाचार की व्यापक समस्या की तहों में हर जगह मौजूद रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक जांच एजंसियां सक्रिय होकर जांच नहीं करतीं, तब तक ऐसे अपराध बेरोकटोक चलते रहते हैं। खासकर नौकरशाही में कुछ लोग राजनीतिक शह की वजह से बेरोकटोक भ्रष्टाचार से कमाई करते रहते हैं। छत्तीसगढ़ में ईडी की कानूनी कार्रवाई की जद में आई सौम्या चौरसिया के पद-कद का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्हें राज्य में न केवल सबसे ताकतवर अफसर माना जाता था, बल्कि आम धारणा थी कि वे मुख्यमंत्री की बहुत करीबी हैं। अफसोस की बात यह है कि कई मसलों पर सख्त मुख्यमंत्री माने जाने वाले भूपेश बघेल को वक्त पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना जरूरी नहीं लगा।

हालांकि ऐसा नहीं है कि नौकरशाही में ऊंचे पद पर मौजूद किसी व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के आरोपों का यह कोई पहला मामला हो। कुछ समय पहले झारखंड में भी खान सचिव पूजा सिंघल को राज्य के खूंटी जिले में उनके उपायुक्त रहते राष्ट्रीय रोजगार गारंटी से संबंधित काम यानी मनरेगा के तहत किए गए करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। भ्रष्टाचार के ऐसे मामले कड़ियों में एक-दूसरे से जुड़े होते हैं, जिसमें भ्रष्ट नौकरशाहों से लेकर नेताओं, जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों तक के तार जुड़े हो सकते हैं। मगर भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल फूंकने का दावा करने वाले अमूमन सभी राजनीतिक दल भी सत्ता में पहुंचने के बाद या तो उसमें शामिल हो जाते हैं या फिर उसे संरक्षण देने लगते हैं। इसी वजह से भारतीय राजनीति में सबसे मुख्य समस्या के रूप में चिह्नित किए जाने के बावजूद भ्रष्टाचार दीमक की तरह सब कुछ खाता रहता है।

समाज को दुर्बल करने वाले नियम-कानून

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक प्रमुख पदाधिकारी सुनील आंबेकर ने कुछ ही दिन पहले कहा था कि यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियम असंतुलित हैं। अब सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा कि यूजीसी नियमों को लेकर छात्रों की चिंताओं और आपत्तियों पर नए सिरे से विचार किया जा रहा है और वह इन नियमों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित करने पर भी विचार कर रही है, ताकि किसी भी वर्ग के छात्रों में असंतोष या भेदभाव की आशंका न रहे। इसी वर्ष के प्रारंभ में अधिसूचित किए गए यूजीसी के नए नियमों के अनुसार शिक्षण संस्थानों में एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के छात्र, कर्मचारी, शिक्षक आदि की हर शिकायत पर कार्रवाई होगी, जबकि अन्य जातियों के लोगों को यह सुविधा नहीं मिलेगी।

इनमें परोक्ष मान्यता थी कि कुछ जातियों के लोग विश्वसनीय हैं, जबकि अन्य अविश्वसनीय। आखिर शिकायत सुनने में भेदभाव क्यों करना? ऐसे नियमों पर तो डा. आंबेडकर को भी हैरत होती, क्योंकि इनमें कोई न्याय नहीं, बल्कि भेदभाव झलकता था। आधिकारिक रूप से किसी संपूर्ण जाति समूह को स्थायी रूप से दोषी, निर्दोष या विश्वसनीय, अविश्वसनीय मान लेना धक्का पहुंचाने वाली बात है। इससे बिना वजह दो समूहों में दुराव होता है। जब किसी विश्वविद्यालय के किसी छात्र समूह ने ऐसी मांग नहीं की थी कि उसकी शिकायत पर कार्रवाई हो, जबकि दूसरे की शिकायत की उपेक्षा की जाए, तब यूजीसी के नए नियम अकारण किसी समूह के प्रति दूसरे में अनुपयुक्त भाव ही पैदा करते। कौन विवेकशील इसे उचित मानता? ऐसा कुछ संविधान निमार्ताओं की कल्पना में नहीं था। तभी सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाई। सरकार को पहले ही इस सच पर ध्यान देना चाहिए था कि ऐसे नियमों से शिक्षा संस्थानों में अस्वस्थ भाव, आपसी भय और संदेह बढ़ता। बहुत से लोग ऐसे कदमों को राजनीति प्रेरित मानते हैं। इसीलिए सभी दल इस पर एक तरह की चुप्पी या उदासीनता रखते हैं, किंतु यह वृहद हिंदू समाज के लिए अहितकर है। उसके अंदर ही विविध नेता सामाजिक न्याय के नाम पर अन्याय का दायरा बढ़ाते रहते हैं। इससे हिंदू एकता कैसे बनेगी? जब हिंदू ही एक नहीं होंगे तो देश के लिए भी इसके तात्कालिक और दूरगामी असर होंगे। समस्या यह है कि सभी दल इस व्यापक पहलू की उपेक्षा करते हैं।

यूजीसी के नए नियम तमाम शैक्षिक संस्थानों में छात्रों, शिक्षकों, कर्मियों को आपसी संदेह, डर और आक्रोश में उलझाने वाले थे। ये नियम शिक्षा संस्थानों के परिवेश को असहज ही बनाते। यदि नए नियम लागू हो जाते तो वे उन छात्रों के प्रति भी अन्याय का कारण बनते, जिनके हित का दावा करते हुए यूजीसी ने उन्हें बनाया था। इससे विशेष जातियों के शिक्षक या प्रशासक छात्रों या अधीनस्थ कर्मचारी को उसकी गलती के लिए कुछ कहने में भी डरते। उन्हें यह डर होता कि किसी भी बात पर यदि जातिगत उत्पीड़न की शिकायत हो गई तो नाहक फंसेंगे। दूरगामी दृष्टि से देखा जाए तो यूजीसी के नए नियम एक दुष्चक्र थे। ऐसे दुष्चक्र तोड़ने के बदले सभी दल उन्हें समर्थन देकर फायदे की प्रतियोगिता करते प्रतीत होते हैं। इसी से जातिवादी राजनीति फलती-फूलती है। यूजीसी के नए नियम इसलिए भी अनावश्यक थे, क्योंकि 'अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार) कानून' के रूप में पहले से ही एक कड़ी व्यवस्था मौजूद है। उसके प्रविधान इतने कठोर हैं कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में उसमें कुछ राहत दी थी।



धनतेरस पर खरीदारी का शुभ मुहूर्त, जानें क्यों खरीदी जाती है झाड़ू

एजेंसी

पटना। कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि के साथ ही पांच दिवसीय दीपोत्सव के महापर्व की शुरूआत हो चुकी है। पटना से लेकर देश के तमाम छोटे-बड़े शहरों और बाजारों में आज धनतेरस का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। लोग अपनी जरूरत और परंपरा के अनुसार सोने-चांदी के आभूषणों, नए वाहनों, बर्तनों, इलेक्ट्रॉनिक सामानों और अन्य शुभ वस्तुओं की खरीदारी करने में जुटे हैं। इस पावन अवसर पर बाजारों में चारों ओर रौनक छाई हुई है, जो इस बात का प्रमाण है कि त्योहारी सीजन को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। क्यों मनाया जाता है धनतेरस? पौराणिक और धार्मिक महत्व धार्मिक मान्यताओं और पंचांग के अनुसार, हर साल कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस



(धन्वंतरि जयन्ती) के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान इसी दिन भगवान धन्वंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। भगवान धन्वंतरि को वेदों और पुराणों में देव चिकित्सा का जनक यानी आयुर्वेद का देवता माना गया है। इसके साथ ही, इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर के पूजन का भी विशेष विधान है। मान्यता है कि धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और कुबेर जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से घर-परिवार में कभी भी धन-धान्य, सुख, आरोग्य और समृद्धि की कमी नहीं होती। इस दिन की गई पूजा और खरीदारी का कई गुना अधिक शुभ फल प्राप्त होता है। दुर्लभ संयोगः इस बार बन रहे हैं खास योग इस वर्ष धनतेरस पर ज्योतिषीय दृष्टिकोण से बेहद दुर्लभ और मंगलकारी संयोग बन रहे हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा के अनुसार, इस बार कार्तिक कृष्ण प्रदोष व्यापिनी त्रयोदशी तिथि पर हस्त नक्षत्र, अमृत सिद्धि योग और प्रीति योग का एक उत्तम संयोग बन रहा है। इसके साथ ही वैधृति योग का सुयोग भी इस पर्व को और अधिक खास बना रहा है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, आज के दिन ये शुभ योग निवेश, नई संपत्ति की खरीद और कारोबार के लिए अत्यंत फलदायी साबित होंगे। इन पावन योगों के प्रभाव से आज के दिन की गई हर प्रकार की खरीदारी मां लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद को सुनिश्चित करने वाली मानी जा रही है। सोना, चांदी और अन्य शुभ वस्तुओं की खरीदारी का समय धनतेरस के पावन पर्व पर सोना और चांदी खरीदना बहुत ही शुभ और मंगलकारी माना जाता है। ऐसी प्राचीन मान्यता है कि इस दिन सोने या चांदी के आभूषण, सिक्के या बर्तन खरीदने से घर में बरकत और मां लक्ष्मी का स्थायी वास होता है। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा के अनुसार, इस वर्ष धनतेरस पर सोना खरीदने और अन्य सभी प्रकार की खरीदारी के लिए सबसे उत्तम समय शुक्रवार सुबह 11:06 बजे से शुरू हो चुका है। इसके बाद पूरे दिन और रात तक खरीदारी का सिलसिला लगातार जारी रहेगा। लोग बिना किसी राहुकाल या अन्य धनतेरस के पावन पर्व पर लोग अन्य सामानों के साथ एक नई झाड़ू जरूर खरीदते हैं। मन में अक्सर यह सवाल उठता है कि आखिर इस दिन झाड़ू खरीदने की इतनी मान्यता क्यों है? धार्मिक दृष्टिकोण से झाड़ू को स्वयं माता लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि जिस प्रकार झाड़ू हमारे घर के कोने-कोने से कचरे और धूल को साफ कर देती है, ठीक उसी प्रकार यह घर की नकारात्मक ऊर्जा, कलह, और दरिद्रता को भी बाहर का रास्ता दिखाती है। जब हम धनतेरस के दिन नई झाड़ू खरीदकर घर लाते हैं और उससे साफ-सफाई करते हैं, तो ऐसा माना जाता है कि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर का वातावरण पवित्र और शुद्ध होता है, जिससे मां लक्ष्मी का आगमन सहज रूप से होता है। यह परंपरा केवल एक धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन में स्वच्छता, अनुशासन और मानसिक शांति का संदेश भी देती है। इसलिए, हर घर में इस दिन झाड़ू खरीदने की परंपरा को आज भी पूरी निष्ठा के साथ निभाया जाता है। बाजारों में उमंग और बंपर कारोबार की उम्मीद धनतेरस के दिन देश भर के बाजारों में जबरदस्त चहल-पहल देखी जा रही है। कानपुर, पटना समेत देश के तमाम महानगरों और छोटे शहरों में व्यापारिक संगठनों द्वारा इस बार बंपर कारोबार होने की उम्मीद जताई जा रही है। सराफा बाजारों से लेकर ऑटोमोबाइल शोरूम, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ा बाजारों में ग्राहकों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। सोने और चांदी की कीमतों में भले ही तेजी आई हो, लेकिन इसके बावजूद देशवासियों का उत्साह और आस्था बिल्कुल भी कम नहीं हुई है। लोग अपनी सामर्थ्य के अनुसार सोने-चांदी के सिक्कों, गहनों और अन्य पूजन सामग्रियों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं

विधानसभा के नोटिस पर अनंत सिंह बोले- शादी के बाद दूंगा जवाब, लालू-तेजस्वी को देंगे न्योता, नीतीश-निशांत के सवाल पर चुप



एजेंसी

पटना। मोकामा विधायक अनंत सिंह प्रयागराज के लिए रवाना हुए. इससे पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए विधानसभा की सदस्यता खत्म करने के नोटिस पर कहा, शादी के बाद जवाब दूंगा. इतना ही नहीं, बेटी शिवांगी की शादी में लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को भी न्योता देने की बात अनंत सिंह ने कही. मोकामा के विधायक अनंत सिंह शुक्रवार को प्रयागराज के लिए रवाना हुए. बताया जा रहा है कि अनंत सिंह अपने दोस्त पप्पू सलमान के घर एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे हैं. इस दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान अनंत सिंह ने कहा, पप्पू सलमान से पुरानी दोस्ती और घरेलू संबंध हैं. बिहार ही नहीं पूरे देश में मेरे आदमी हैं. विधानसभा स्पीकर ने भेजा नोटिस इस दौरान अनंत सिंह ने विधानसभा की सदस्यता खत्म करने के नोटिस पर भी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, शादी के बाद जवाब दूंगा. पहले अपना काम करूंगा. इसमें कोई दिक्कत नहीं है. अनंत सिंह की विधानसभा सदस्यता खत्म करने की मांग को लेकर जेडीयू ने विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार को पत्र भेजा था. ऐसे में स्पीकर ने अनंत सिंह को नोटिस भेजा है. प्रेम कुमार ने कहा था, अनंत सिंह का जवाब मिलने के बाद नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी.

8 साल बाद गांधी मैदान में लौटा दशहरा मेला, 12 दिनों में करोड़ों की खरीदारी

एजेंसी

पटना। 8 साल बाद गांधी मैदान में दशहरा मेला 12 दिनों तक चला. करोड़ों का हुआ कारोबार, धनतेरस, दीपावली, छठ की खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़. सुरक्षा व साफ-सफाई की सराहना पटना के गांधी मैदान में आठ साल बाद आयोजित दशहरा मेला सह पटना एक्सपो-2026 शुक्रवार को संपन्न होगा. 12 दिनों तक चले इस मेले में करोड़ों रुपये का कारोबार हुआ. धनतेरस, दीपावली और छठ की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे. देश-विदेश से आए व्यापारियों और आगंतुकों ने मेले में सुरक्षा, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं की सराहना की. आठ साल बाद गांधी मैदान में लगा दशहरा मेला गांधी मैदान में आठ वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित दशहरा मेला सह पटना एक्सपो-2026 शुक्रवार को संपन्न होगा. आयुक्त कार्यालय, पटना प्रमंडल और श्री कृष्ण स्मारक विकास समिति के संयुक्त



तत्वावधान में आयोजित इस 12 दिवसीय मेले में करोड़ों रुपये का कारोबार हुआ. धनतेरस, दीपावली और छठ महापर्व की खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़ ने आयोजन को खास बना दिया. देश-विदेश के व्यापारियों ने लगाए उत्पादों के स्टॉल मेले में बिहार के साथ देश-विदेश के उद्यमियों, व्यापारियों और शिल्पकारों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए. यहां पारंपरिक परिधान, आभूषण, हस्तशिल्प, होम डेकोर, घरेलू उपकरणों और आधुनिक उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ बिक्री हुई. खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे. खासकर महिलाओं और युवाओं में मेले को लेकर काफी उत्साह दिखा. स्थानीय कारोबार और अर्थव्यवस्था को मिली रफ्तार 12 दिनों तक चले इस आयोजन ने स्थानीय व्यापार और अर्थव्यवस्था को भी नई गति दी. त्योहारों के मौसम में खरीदारी के लिए पहुंचे लोगों से स्टॉल संचालकों और व्यापारियों को अच्छा कारोबार मिला. मेले में अलग-अलग तरह के उत्पादों की उपलब्धता ने लोगों को एक ही जगह पर खरीदारी का अवसर दिया. संगीतमय कार्यक्रम में हजारों दर्शकों ने लिया हिस्सा मेले के समापन की पूर्व संध्या पर गुरुवार को संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें हजारों दर्शकों ने हिस्सा लिया. प्रसिद्ध बैंड वीबीपीएस और उनकी टीम की शानदार प्रस्तुति ने लोगों का मनोरंजन किया. कार्यक्रम के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला. सुरक्षा और साफ-सफाई की व्यापारियों ने की सराहना आयोजन के दौरान सुरक्षा, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं के लिए आयुक्त कार्यालय तथा श्री कृष्ण स्मारक विकास समिति की व्यापारियों और आगंतुकों ने सराहना की. देश-विदेश से आए व्यापारियों ने पटना में इस तरह के आयोजन हर वर्ष कराने की मांग की. उनके अनुसार, ऐसे आयोजनों से व्यापारियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का बेहतर अवसर मिलता है.

सीवान कोर्ट में पेश हुए लालू यादव, 2011 के चुनाव प्रचार से जुड़ा है मामला

एजेंसी

पटना। 2011 के विधानसभा चुनाव प्रचार से जुड़े आचार संहिता उल्लंघन मामले में लालू प्रसाद यादव शुक्रवार को सीवान कोर्ट में पेश हुए. करीब पांच मिनट चली सुनवाई में आरोप गठन की प्रक्रिया पूरी की गई. राजद प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव शुक्रवार को आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक पुराने मामले में सीवान के एसीजेएम प्रथम न्यायालय में पेश हुए. न्यायिक प्रक्रिया के तहत उन्हें आरोपों का सारांश सुनाया गया और आरोप गठन की प्रक्रिया पूरी की गई. इस दौरान न्यायालय में करीब पांच मिनट तक कार्रवाई चली. इस मामले में अदालत ने पहले लालू प्रसाद यादव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था. लगातार अनुपस्थित रहने पर उनके खिलाफ वारंट जारी हुआ था और कुर्की की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश भी दिया गया था. हालांकि, स्वास्थ्य संबंधी कारणों से उनकी अनुपस्थिति की दलील पर न्यायालय ने इन प्रक्रियाओं पर रोक लगा दी थी. शुक्रवार को अदालत के निर्देश पर वह स्वयं पेश हुए. इस दौरान उनके अधिवक्ता कामेश्वर तिवारी ने उनका पक्ष रखा. यह मामला वर्ष 2011 के विधानसभा चुनाव से जुड़ा है. आठ अक्टूबर 2011 को लालू प्रसाद यादव दरौंदा विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी परमेश्वर सिंह के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे. आरोप है कि निषेधाज्ञा लागू रहने के बावजूद बिना अनुमति ध्वनि विस्तारक यंत्र का इस्तेमाल कर सभा और भाषण किया गया था. इस मामले में तत्कालीन चलाधिकारी शंकर महतो ने लालू प्रसाद यादव और प्रत्याशी परमेश्वर सिंह के खिलाफ दरौंदा थाने में कांड संख्या 146/11 दर्ज करायी थी. अदालत ने दोनों के खिलाफ संज्ञान लिया था. बाद में परमेश्वर सिंह का निधन हो गया, जबकि लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मामले की सुनवाई जारी रही. अदालत में लगातार उपस्थित नहीं होने पर लालू प्रसाद यादव के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था. इसके बाद कुर्की की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश भी दिया गया. हालांकि, स्वास्थ्य कारणों से अनुपस्थित रहने की दलील पर कुर्की का आदेश स्थगित कर दिया गया था. एक दिन पहले ही सीवान पहुंचे थे लालू प्रसाद यादव लालू प्रसाद यादव गुरुवार की शाम सीवान पहुंचे थे. उनके आगमन पर रास्ते में जगह-जगह राजद नेताओं और कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया. सीवान पहुंचने के बाद उन्होंने पचरूखी स्थित एक होटल में रात्रि विश्राम किया. उनके साथ विधान परिषद सदस्य विनोद जायसवाल, पूर्व विधायक भोला यादव सहित कई नेता मौजूद रहे. पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी, रघुनाथपुर विधायक ओसामा साहब, पूर्व विधायक हरिशंकर यादव, राजद नेता अनवारुल हक, जिला प्रवक्ता उमेश कुमार, अरुण गुप्ता, हरेंद्र सिंह पटेल, विक्रांत सिंह, ललन यादव और रविंद्र राय सहित अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया.

बैंकॉक के वाट अरुण मंदिर की तर्ज पर बनेगा मां काली का भव्य पंडाल, 10 दिनों तक सजेगी सांस्कृतिक महफिल

एजेंसी

पटना। पटना में मां काली पूजा का भव्य पंडाल बैंकॉक के प्रसिद्ध वाट अरुण मंदिर जैसा दिखेगा. 10 दिनों तक चलने वाले इस मेले में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी. पटना के फुलवारी शरीफ के सोना गोपालपुर में मां काली पूजा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं. इस बार पूजा पंडाल को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित विश्व प्रसिद्ध वाट अरुण मंदिर की तर्ज पर बनाया जा रहा है. इसकी भव्यता और कलात्मक सजावट श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण होगी. पंडाल



निर्माण की जिम्मेदारी सत्येंद्र टेंट हाउस को दी गई है. बंगाल के 25 से अधिक कारीगरों ने तैयार किया ढांचा पूजा समिति के अध्यक्ष पवन कुमार यादव ने बताया कि पंडाल का ढांचा तैयार करने के लिए बंगाल से 25 से अधिक कारीगर पहुंचे हैं. इन कारीगरों ने बांस की मदद से पंडाल का ढांचा तैयार किया है. समिति हर साल पूजा को पहले से अधिक भव्य और आकर्षक बनाने का प्रयास करती है. सोना गोपालपुर में वर्ष 2017 से लगातार मां काली पूजा का आयोजन हो रहा है. 7 नवंबर की मध्यरात्रि खुलेगा मां काली का पट आयोजन के तहत 7 नवंबर की मध्यरात्रि में मां काली का पट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा. इसके साथ ही दस दिवसीय मेले की शुरूआत होगी. 7 से 16 नवंबर तक चलने वाले मेले में पटना समेत बिहार के अलग-अलग जिलों और दूसरे राज्यों से आए कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे. लगातार दस दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मनोरंजन के विभिन्न आयोजन होंगे. श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर परिषद ने की तैयारी नगर परिषद अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं. पूजा परिसर और आसपास के इलाकों में साफ-सफाई, रोशनी और पेयजल की व्यवस्था की जा रही है. इसके लिए पानी की टंकी भी लगायी जाएगी. किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन दस्ता और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है. 17 नवंबर को होगा मां काली की प्रतिमा का विसर्जन सोना गोपालपुर में 16 नवंबर तक मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे. इसके अगले दिन यानी 17 नवंबर को मां काली की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा. पूजा समिति और नगर परिषद की तैयारियों का उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ आयोजन को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना है.

बिहार में 4 शूटरों का एनकाउंटर, 3 की मौत एक घायल, पटना में 20 मिनट ताबड़तोड़ चली गोलियां

एजेंसी

पटना। बिहार में कुख्यात अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की. पटना और भोजपुर जिले में 4 शूटरों का एनकाउंटर किया गया. इसमें से 3 शूटरों की मौत हो गई जबकि एक घायल है. पटना में पुलिस और अपराधी के बीच 20 मिनट तक मुठभेड़ चली. बिहार में 4 शूटरों का एनकाउंटर किया गया. इनमें से 3 शूटरों की मौत अस्पताल ले जाने के दौरान ही हो गई. जबकि एक शूटर घायल है और अस्पताल में भर्ती है. पटना और भोजपुर दो जिलों में यह कार्रवाई की गई है. पटना के मनेर में एनकाउंटर पटना में हुए एनकाउंटर की बात करें तो, मनेर थाना इलाके में शुक्रवार की सुबह 3 बजे तीन अपराधियों को पुलिस ने गोली मारी. इस घटना के बारे में एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि क्राइम



प्रिवेंशन के तौर पर पुलिस की ऑपरेशन को लेकर तैयारी हो रही थी. अलग-अलग इलाकों में पुलिस टीम गश्ती कर रही थी. इस बीच ही यह सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी आए हुए हैं, जिनका आपराधिक इतिहास रहा है. एसएसपी ने यह भी बताया कि सूचना यह मिली थी कि अपराधी शेरपुर में किसी घटना को अंजाम देने वाले हैं. इस सूचना पर ही पुलिस जब छापेमारी के लिए पहुंची, तो अपराधियों ने गोली चलाना शुरू कर दिया. इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाई. इस दौरान तीन अपराधियों को गोली लगी. तीनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था. लेकिन अस्पताल जाने के बाद बताया गया कि तीनों की मौत हो गई. एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने यह भी जानकारी दी कि तीनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. अपराधियों के पास से हथियार बरामद हुए हैं और तीनों का आपराधिक इतिहास भी रहा है. तीनों अपराधियों की पहचान जेपी यादव, सूरज कुमार उर्फ राजा शर्मा और बबलू कुमार के रूप में हुई है. 20 मिनट तक चली मुठभेड़ पुलिस के मुताबिक, जेपी यादव खरौजा रोड, दानापुर का रहनेवाला था. सूरज कुमार उर्फ राजा शर्मा गंगहरा, शाहपुर थाना क्षेत्र का निवासी बताया गया है, जबकि बबलू कुमार सुअरमरवा, मनेर का रहनेवाला था. मिली जानकारी के अनुसार, अपराधियों ने पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग की थी. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने 18 राउंड गोलियां चलाई. पूरे 20 मिनट तक मुठभेड़ चली. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबर के लिए यहां क्लिक करें पैक्स अध्यक्ष की हत्या का आरोप मिली जानकारी के अनुसार, तीनों अपराधियों पर मनेर के ब्यापुर में पैक्स अध्यक्ष संजीत कुमार उर्फ भोलू की हत्या करने का आरोप है. 19 अक्टूबर को पैक्स अध्यक्ष संजीत कुमार अपने दालान में बैठे थे. इस दौरान उनके साथ प्रखंड प्रमुख के पति पिंटू कुमार भी मौजूद थे. तभी कुछ बाइक सवार अपराधी आए और उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. इस घटना में पैक्स अध्यक्ष की मौत हो गई. जबकि पिंटू कुमार घायल हुए थे. यह भी जानकारी सामने आई है कि इस पूरे हत्याकांड की साजिश जेपी यादव ने रची थी और बबलू कुमार ने शूटर का काम किया था. ऐसे में अब धनतेरस के दिन तीनों का एनकाउंटर कर दिया गया. भोजपुर में भी शूटर का एनकाउंटर दूसरी घटना, भोजपुर जिले में हुई. जिले के भोजपुर के मुफस्सिल थाना इलाके के धोबहां के पास पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हुई. पुलिस के अनुसार, पूर्व कस्टम अधिकारी रामकुमार सिंह हत्याकांड में शामिल शूटर पवन यादव को पुलिस टीम ने घेर लिया था. इसी दौरान उसने बचकर भागने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने पवन यादव पर फायरिंग की. गोली अपराधी के पैर में लगी और वह गायल हो गया. शूटर नवादा थाना इलाके की चंदवा हाउसिंग कॉलोनी का रहने वाला बताया जा रहा है. रामकुमार सिंह की हत्या में बाइक सवार तीन शूटर शामिल थे. इनमें पवन यादव मुख्य शूटर था. आरोप है कि उसी ने रामकुमार सिंह पर सबसे पहले गोली चलाई थी. पुलिस अब इस मामले में शामिल अन्य आरोपितों और उनकी भूमिका की जांच कर रही है.

संक्षिप्त डायरी

धनतेरस पर प्रदोष काल में पूजा और खरीदारी बेहद शुभ, शाम 5.49 से रात 8.23 बजे तक रहेगा मुहूर्त

एजेंसी

पटना। लक्ष्मी-कुबेर की पूजा। जानें चार बत्ती दीप जलाने और नए बर्तन खरीदने का महत्व, जो धन वृद्धि लाता है। पंचांग और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष धनतेरस और भगवान धन्वंतरि जयंती का पावन पर्व शुक्रवार को मनाया जा रहा है. धनतेरस के दिन यूं तो घरों और पूजा घरों में किसी भी समय पूजा की जा सकती है, लेकिन व्यापारिक संस्थानों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए पूजा का सबसे उपयुक्त समय प्रदोष काल को माना जाता है. इस विशेष काल में स्थिर लग्न प्रचलित रहती है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि स्थिर लग्न के दौरान धनतेरस की पूजा की जाए, तो माता लक्ष्मी उस स्थान पर स्थायी रूप से निवास करती हैं और धन की आवक बनी रहती है. प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पं. प्रभात मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि धनतेरस के दिन शाम 5.49 बजे से लेकर रात 8.23 बजे तक प्रदोष काल रहेगा. इस समयावधि में की गई मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा तथा किसी भी प्रकार कीमती वस्तुओं की खरीदारी अत्यंत फलदायी और शुभ मानी जाती है. वृषभ लग्न को एक स्थिर लग्न माना गया है, जो ज्यादातर त्योहारों के समय प्रदोष काल के साथ ही चलती है, जिससे इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है. चार बत्ती वाले दीप जलाने की परंपरा और अकाल मृत्यु से मुक्ति की मान्यता धनतेरस के पावन अवसर पर केवल नई वस्तुओं की खरीदारी करना ही जरूरी नहीं है, बल्कि इस दिन धार्मिक विधान के अनुसार चार बत्ती वाले विशेष दीपक भी जलाए जाते हैं. मुख्य प्रवेश द्वार पर जलाए जाने वाले इन दीपकों के संबंध में यह गहरी मान्यता है कि ऐसा करने से घर में अकाल मृत्यु का भय हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है और परिवार के जीवन की लौ हमेशा सकारात्मक ऊर्जा के साथ प्रज्वलित रहती है. यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है. नए बर्तन खरीदने की परंपरा का इतिहास और तेरह गुना वृद्धि का फल धनतेरस के पावन पर्व पर नए बर्तन खरीदने की प्राचीन परंपरा के पीछे भगवान धन्वंतरि की पौराणिक कथा जुड़ी हुई है. जब समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि प्रकट हुए थे, तब उनके हाथों में अमृत से भरा कलश यानी बर्तन था. इसी घटना के बाद से ही उनकी जयंती यानी धनतेरस के दिन नए बर्तन खरीदने का चलन आरंभ हुआ. ऐसी अटूट मान्यता है कि इस शुभ दिन जो भी वस्तु खरीदी जाती है, उसमें तेरह गुना की विशेष वृद्धि होती है.

धनतेरस पर प्रदोष काल में पूजा और खरीदारी बेहद शुभ, शाम 5.49 से रात 8.23 बजे तक रहेगा मुहूर्त

एजेंसी

पटना। धनतेरस 2023ः शाम 5.49 से रात 8.23 बजे तक करें लक्ष्मी-कुबेर की पूजा। जानें चार बत्ती दीप जलाने और ए बर्तन खरीदने का महत्व, जो धन वृद्धि लाता है। पंचांग और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस वर्ष धनतेरस और भगवान धन्वंतरि जयंती का पावन पर्व शुक्रवार को मनाया जा रहा है. धनतेरस के दिन यूं तो घरों और पूजा घरों में किसी भी समय पूजा की जा सकती है, लेकिन व्यापारिक संस्थानों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए पूजा का सबसे उपयुक्त समय प्रदोष काल को माना जाता है. इस विशेष काल में स्थिर लग्न प्रचलित रहती है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि स्थिर लग्न के दौरान धनतेरस की पूजा की जाए, तो माता लक्ष्मी उस स्थान पर स्थायी रूप से निवास करती हैं और धन की आवक बनी रहती है. प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पं. प्रभात मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि धनतेरस के दिन शाम 5.49 बजे से लेकर रात 8.23 बजे तक प्रदोष काल रहेगा. इस समयावधि में की गई मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा तथा किसी भी प्रकार कीमती वस्तुओं की खरीदारी अत्यंत फलदायी और शुभ मानी जाती है. वृषभ लग्न को एक स्थिर लग्न माना गया है, जो ज्यादातर त्योहारों के समय प्रदोष काल के साथ ही चलती है, जिससे इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है. धनतेरस के पावन अवसर पर केवल नई वस्तुओं की खरीदारी करना ही जरूरी नहीं है, बल्कि इस दिन धार्मिक विधान के अनुसार चार बत्ती वाले विशेष दीपक भी जलाए जाते हैं. मुख्य प्रवेश द्वार पर जलाए जाने वाले इन दीपकों के संबंध में यह गहरी मान्यता है कि ऐसा करने से घर में अकाल मृत्यु का भय हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है और परिवार के जीवन की लौ हमेशा सकारात्मक ऊर्जा के साथ प्रज्वलित रहती है. यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है. धनतेरस के पावन पर्व पर नए बर्तन खरीदने की प्राचीन परंपरा के पीछे भगवान धन्वंतरि की पौराणिक कथा जुड़ी हुई है. जब समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि प्रकट हुए थे, तब उनके हाथों में अमृत से भरा कलश यानी बर्तन था. इसी घटना के बाद से ही उनकी जयंती यानी धनतेरस के दिन नए बर्तन खरीदने का चलन आरंभ हुआ. ऐसी अटूट मान्यता है कि इस शुभ दिन जो भी वस्तु खरीदी जाती है, उसमें तेरह गुना की विशेष वृद्धि होती है.

पीएनजी विस्फोट मामले में अदालत में परिवाद, आईओसीएल एमडी और निर्माण एजेंसी पर केस

एजेंसी

पटना। गोबरसही पीएनजी गैस विस्फोट मामले में कोर्ट में परिवाद दायर. आईओसीएल एमडी, निर्माण एजेंसी सहित कई पर लापरवाही का आरोप. जांच और मुआवजे की मांग. गैस पाइपलाइन विस्फोटः शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित गोबरसही डुमरी रोड में 2 नवंबर को हुए भीषण पीएनजी गैस रिसाव और विस्फोट मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है. इस दर्दनाक हादसे को लेकर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत में एक परिवाद वाद दायर किया गया है. यह परिवाद जनहित मंच के सचिव सह अधिवक्ता सुशील कुमार सिंह की ओर से दाखिल किया गया है, जिसमें घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है. आईओसीएल एमडी समेत कई अधिकारी बने अभियुक्त अदालत में दायर परिवाद में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के प्रबंध निदेशक, पीएनजी के कंट्री हेड, निर्माण एजेंसी नरसिंह सिंह कंस्ट्रक्शन तथा संबंधित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है. परिवादी सुशील कुमार सिंह ने आरोप लगाया है कि यह हादसा कोई सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि घोर प्रशासनिक व तकनीकी लापरवाही का नतीजा है. हादसे के प्रमुख कारण और आरोप परिवाद पत्र में घटना से जुड़े कई गंभीर तथ्यों का उल्लेख किया गया हैः खुदाई में लापरवाहीः नाला निर्माण के दौरान बिना मानक सुरक्षा नियमों का पालन किए जेसीबी से जमीन की अंधाधुंध खुदाई कराई जा रही थी, जिससे भूमिगत पीएनजी पाइपलाइन कट गई. 45 मिनट तक उपेक्षाः गैस का तीव्र रिसाव लगभग 45 मिनट तक लगातार होता रहा, पर सूचना के बावजूद संबंधित विभाग ने आपूर्ति रोकने या सुरक्षा का त्वरित कदम नहीं उठाया. विस्फोट और भारी तबाहीः अनियंत्रित रिसाव के बाद हुए जबरदस्त धमाके से अफरातफरी मच गई और करोड़ों रुपये की निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा. एक की जान गई, 16 लोग हुए थे घायलइस भयावह विस्फोट की चपेट में आने से स्थानीय निवासी श्रीनिवास की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि लगभग 16 लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे. घायलों में कई की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है. परिवादी अधिवक्ता ने न्यायालय से मांग की है कि पूरे मामले की स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच कराई जाए. साथ ही दोषी अधिकारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो और मृतक के आश्रितों समेत सभी घायलों को उचित मुआवजा दिलाया जाए.

नियो ग्रुप ने म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू किया

नई दिल्ली ।

नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट (नियो ग्रुप) ने अपनी वित्तीय सेवा पेशकश का विस्तार करने की योजना के तहत नियो म्यूचुअल फंड की शुरुआत के साथ म्यूचुअल फंड कारोबार में प्रवेश की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि नियो म्यूचुअल फंड ने करीब 10 अनुभवी फंड प्रबंधकों को अपने साथ जोड़ा है। इन सभी ने अपनी पिछली भूमिकाओं में सामूहिक रूप से दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन किया है। फंड हाउस की योजना देश में 25 से अधिक स्थानों पर अपनी मौजूदगी बनाने और म्यूचुअल फंड वितरकों, स्वतंत्र वित्तीय सलाहकारों, बैंकों तथा 'वेल्थ मैनेजर' के जरिये देशव्यापी वितरण नेटवर्क विकसित करने की है।नियो ग्रुप के पास 30 सितंबर, 2026 तक कुल करीब 1.46 लाख करोड़ रुपये की ग्राहक परिसंपत्तियां थीं।

एक दिन में मस्क-हुआंग ने गंवाई यूपी के बजट जितनी रकम

मिडटर्म नतीजों के बाद निवेशकों में भगदड़, टेस्ला और एनवीडिया के शेयर धड़ाम

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को एक बड़ा भूचाल आया, जिसने दुनिया के दो सबसे अमीर व्यक्तियों एलन मस्क और जेन्सेन हुआंग को एक ही दिन में 8.44 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान पहुंचाया। यह रकम उत्तर प्रदेश के वार्षिक बजट के लगभग बराबर है। टेस्ला के एलन मस्क ने एक ही दिन में करीब 7.10 लाख करोड़ रुपये (79.7 अरब डॉलर) और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग ने 1.34 लाख करोड़ रुपये (15.1 अरब डॉलर) गंवा दिए। कुल 8.44 लाख करोड़ रुपये का यह नुकसान उत्तर प्रदेश के सालाना मूल बजट (9.13 लाख करोड़) के लगभग बराबर है। इस दौरान टेस्ला का शेयर 11.5 फीसदी और एनवीडिया का 9.3 फीसदी लुढ़क गया। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी मिडटर्म चुनावों के नतीजे रहे, जहां डेमोक्रेट्स ने संसद में मजबूत नियंत्रण हासिल किया। इससे बड़े एआई डेटा सेंटरों पर कड़े नियम लगने की आशंका बढ़ी, जिसने सेमीकंडक्टर चिप सप्लायर एनवीडिया जैसी कंपनियों में ताबड़तोड़ बिकवाली को बढ़ावा दिया। इस झटके से मस्क की संपत्ति 800 अरब डॉलर से नीचे आ गई और हुआंग ब्लूमबर्ग इंडेक्स में टॉप-10 से बाहर हो गए। ओरेकल के लैरी एलिसन को भी 10.1 अरब डॉलर की चपत लगी।

वॉल स्ट्रीट का भूचाल, दिवाली मुहूर्त पर भारतीय बाजार पर पड़ेगा असर?

नैस्डैक 5.5 फीसदी टूटा, जापान-कोरिया में भी बिकवाली, एआई निवेश पर चिंता से बढ़ा वैश्विक दबाव

मुंबई ।

अमेरिका के वॉल स्ट्रीट में आई तेज गिरावट ने भारतीय निवेशकों की नींद उड़ा दी है। दिवाली पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग से ठीक पहले इस वैश्विक उथल-पुथल ने घरेलू बाजारों पर संभावित असर को लेकर चिंता बढ़ा दी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली और तकनीकी क्षेत्र में निवेश पर बढ़ती आशंकाओं ने दुनियाभर के बाजारों को हिला दिया है, जिससे भारतीय निवेशक सावधानी बरतने को मजबूर हैं। इस वैश्विक माहौल का असर भारतीय शेयर बाजार की धारणा पर भी पड़ सकता है। निवेशक अब घरेलू बाजार की चाल के साथ विदेशी बाजारों के संकेतों पर नजर रखेंगे। हालांकि, रविवार, 8 नवंबर को दिवाली के अवसर पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग का रुख हमेशा की तरह उत्साहजनक रहने की उम्मीद होती है, लेकिन इस बार निवेशक विदेशी बाजारों के संकेतों पर विशेष नजर रखेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इक्विटी बाजार में सामान्य कारोबार दोपहर 2:20 बजे से 3:30 बजे तक होगा। ऐसे में मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारतीय निवेशक मुहूर्त ट्रेडिंग में सावधानी के साथ कदम रख सकते हैं। वहीं गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। नैस्डैक 5.52 प्रतिशत टूट गया, जबकि एसएंडपी 500 में 4.36 प्रतिशत और डाउ जोंस में 3.44 प्रतिशत की गिरावट आई। खासकर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों पर सबसे ज्यादा दबाव देखा गया। एनवीडिया के शेयर लगभग 9.26 प्रतिशत और एएमडी के शेयर 17 प्रतिशत से अधिक गिर गए, जिससे तकनीकी क्षेत्र में बिकवाली का माहौल बना।

अमेरिकी बाजारों की इस गिरावट का असर शुक्रवार को एशियाई बाजारों पर भी दिखा। जापान का निक्केई सूचकांक 6 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया, वहीं दक्षिण कोरिया के कोस्पी में शुरुआती कारोबार में 8 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई, जिसके चलते बाजार को 20 मिनट के लिए रोकना पड़ा।

घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में तेजी

सेंसेक्स 33 अंक चढ़कर 79,300, निफ्टी 24,400 के स्तर पर

मुंबई ।



वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे शुरुआती कारोबार के बाद बढ़त के साथ कारोबार करने लगे। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत सीमित रहने से शेयर बाजार में आशावाद बढ़ा। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 33 अंक चढ़कर 79,343.06 अंक पर और एनएसई निफ्टी 52.95 अंक फिसलकर 24,477.40 अंक पर रहा। बाद में दोनों प्रमुख सूचकांकों में तेजी लौटी। सेंसेक्स 443.87 अंक की बढ़त के साथ 79,760.10 अंक पर और निफ्टी 81 अंक चढ़कर 24,612.85 अंक पर कारोबार करने लगा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। कंपनी का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत बढ़कर 4,587.88 करोड़ रुपये रहा जिससे उसके शेयर में तेजी आई है। टाइटन, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस और भारती एयरटेल के शेयर में भी तेजी रही। वहीं, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरावट में रहे।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग काफी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार बृहस्पतिवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। नैस्डैक कम्पोजिट 5.52 प्रतिशत लुढ़क गया, एसएंडपी 500 में 4.36 प्रतिशत की गिरावट आई और डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 3.44 प्रतिशत नीचे रहा।

रुपया नौ पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.41 पर बंद हुआ था

मुंबई ।



रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में रातोंरात आई तेजी और अमेरिकी डॉलर में सुधार से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.50 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दर्शाता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार में इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 94.36 प्रति डॉलर के उच्च स्तर तक पहुंच गया। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.41 पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.71 पर आ गया।

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

शक्तिशाली और महंगी बाइक निर्माता कंपनी रॉयल एनफील्ड ने अपनी नई हिमालयन 750 से पर्दा उठा दिया है। इसे नवंबर 2026 के आखिरी सप्ताह में आयोजित होने वाले मोटोवर्स कार्यक्रम के दौरान भारतीय बाजार में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

यह मोटरसाइकिल मौजूदा हिमालयन 450 से अधिक शक्तिशाली होगी, जिसमें नया 750 सीसी इंजन और लंबी दूरी की यात्रा के अनुकूल डिजाइन व खराब रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खास सुविधाएं दी गई हैं। रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 में कंपनी ने अपनी एडवेंचर मोटरसाइकिल श्रृंखला की मजबूत बनावट को बरकरार रखा है। इसमें बड़ा ईंधन टैंक, ऊंची सीट और चौड़ा ढांचा इसे पहले से अधिक दमदार रूप देता है। इसका अगला हिस्सा हिमालयन श्रृंखला की दूसरी मोटरसाइकिलों से मिलता-जुलता है, जबकि पिछले हिस्से में हिमालयन 450 जैसी डिजाइन देखने को मिलती है। इसे दोहरे रंगों के विकल्पों में पेश किया जा सकता है। इस मोटरसाइकिल की सबसे बड़ी खासियत इसका नया 750 सीसी पैरेलल-ट्विन इंजन है। कंपनी ने अभी इसकी अधिकतम शक्ति और टॉर्क के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं, लेकिन जानकारों के अनुसार, यह इंजन 55 हॉर्सपावर से अधिक की शक्ति और 60 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा कर सकता है। इसके साथ छह गियर वाला गियरबॉक्स मिलने की उम्मीद है, जो राजमार्गों पर लंबी दूरी तय करने और पहाड़ी रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा।

धनतेरस पर शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1718, निफ्टी 493 अंक उछला

मुम्बई ।



भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को धनतेरस पर भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इस पूरे सप्ताह बाजार में तेजी रही। इसी कारण आज भी दिन भर कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1,718.01 अंक बढ़कर 81,028.02 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 493.75 अंक बढ़कर 25,030.35 पर बंद हुआ। यह लगातार सातवां सत्र था, जब बाजार बढ़कर बंद हुआ है। इस दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 30 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 503 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है1 वहीं ये 28 अक्टूबर को 473 लाख करोड़ रुपए था। आज बाजार में सबसे अधिक तेजी निजी बैंकों के शेयरों में रही। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक 3.22 के शेयर भी लाभ में रहे।

इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी फार्मा , निफ्टी कमोडिटीज , के शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मीडिया , निफ्टी इंडिया डिफेंसऔर निफ्टी एनर्जी के शेयरों में गिरावट रही। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 157.40 अंक गिरकर 18,975.05 और निफ्टी मिडकैप 14.25 अंक की मामूली गिरावट के साथ 60,606.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में केवल एक शेयर में ही गिरावट रही।

एमएंडएम, आईसीआईआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे केवल पावरग्रिड के शेयर ही नीचे आये।

बाजार में उछाल का एक मुख्य कारण विदेशी निवेशकों की वापसी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 33 अंक चढ़कर 79,343.06 अंक पर और एनएसई निफ्टी 52.95 अंक फिसलकर 24,477.40 अंक पर रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग काफी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। नैस्डैक कम्पोजिट 5.52 फीसदी लुढ़क गया, एसएंडपी 500 में 4.36 फीसदी की गिरावट आई और डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 3.44 फीसदी नीचे रहा।

धनतेरस पर घर बैठे खरीदें सोना-चांदी, 78 फीसदी तक की बंपर छूट के साथ

स्विगी इंस्टामार्ट और ब्लिंकइट के धमाकेदार ऑफर्स, नामी ब्रांड्स के सिक्कों पर मिल रही बंपर बचत

नई दिल्ली ।

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। लेकिन इस बार आपको भीड़ भरे बाजारों में धक्के खाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्विगी इंस्टामार्ट और ब्लिंकइट जैसे क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने ग्राहकों के लिए एक शानदार अवसर पेश किया है, जहां आप घर बैठे ही तनिष्क, कल्याण ज्वेलर्स, मालाबार जैसे नामी ब्रांड्स के सोने-चांदी के सिक्कों पर 78 फीसदी तक की बंपर छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह त्योहारी सीजन में ग्राहकों को सस्ती और सुविधाजनक खरीदारी का अनुभव दे रहा है। स्विगी इंस्टामार्ट पर सोने-चांदी की आकर्षक डील्स स्विगी इंस्टामार्ट ने धनतेरस को खास बनाने के लिए सोने-चांदी के सिक्कों पर जबरदस्त डील्स पेश की हैं। यहां 1 ग्राम 24 कैरेट सोने का कल्याण ज्वेलर्स फ्लावर डिजाइन सिक्का, जिसकी एमआरपी 26,000 रुपए है, 43 रुपए छूट के बाद सिर्फ 14,599 रुपए में उपलब्ध है। यह एक ग्राम सोने के लिए सबसे कम कीमतों में से एक है। इसके अलावा, मिया बाय तनिष्क का एक ग्राम लोटस गोल्ड कॉइन 24 रुपए की छूट पर 16,639 रुपए में और मालाबार का एक ग्राम लक्ष्मी गोल्ड कॉइन 27 फीसदी डिस्काउंट के साथ 15,879 रुपए में मिल रहा है। चांदी के सिक्कों में, कल्याण ज्वेलर्स का 10 ग्राम लक्ष्मी सिल्वर कॉइन 78 फीसदी की बंपर छूट के बाद मात्र 2,169 रुपए में खरीदा जा सकता है, जबकि जीवा और मालाबार के चांदी के सिक्कों पर भी शानदार ऑफर्स हैं।

ब्लिंकइट पर भी भारी छूट का मौका इसी तरह, ब्लिंकइट पर भी जोयालुक्कास, मुथूट एक्जिम और एमएमटीसी-पीएमएमपीएस जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के 24 कैरेट सोने और 999 शुद्धता वाले चांदी के सिक्कों पर 77 रुपए तक की छूट मिल रही है।

बीते एक साल में सोने की कीमतों में 13 हजार से अधिक का उछाल

नई दिल्ली ।

धनतेरस के पावन अवसर पर सोने-चांदी की खरीदारी की परंपरा के बीच इस साल उन निवेशकों के चेहरे खिले हैं जिन्होंने पिछले वर्ष इस शुभ दिन पर सोना खरीदा था। बीते एक साल में सोने की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों को अच्छा-खासा मुनाफा हुआ है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में इस वर्ष धनतेरस के आसपास 24 कैरेट सोने का दाम लगभग 1,45,650 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा, जो पिछले साल के 1,32,278 रुपये प्रति 10 ग्राम से करीब 13,372 रुपये अधिक है। यह बढ़ोतरी निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, हालांकि स्थानीय बाजारों में दरों में थोड़ा अंतर हो सकता है। हालांकि, वर्ष 2026 की शुरुआत में सोने ने 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम का ऐतिहासिक उच्च स्तर भी देखा था, जिसके बाद कीमतों में 18-20 फीसदी तक की गिरावट आई। इसके बावजूद, मौजूदा दरें पिछले साल की तुलना में काफी ऊपर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सोना दीर्घकालिक निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है, पर इसकी कीमतों में निरंतर वृद्धि की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती।

मप्र में दिवाली पर 14,000 करोड़ तक के कारोबार का अनुमान-कैट

स्वदेशी उत्पादों की मांग और स्थानीय खरीदारी से मिलेगी अर्थव्यवस्था को गति

भोपाल ।

मध्य प्रदेश में इस साल दिवाली का त्योहार राज्य के व्यापार जगत के लिए खुशियां लेकर आने वाला है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने अनुमान जताया है कि इस दिवाली पर प्रदेश में 12,000 करोड़ रुपये से 14,000 करोड़ रुपये तक का रिकॉर्ड कारोबार हो सकता है। सीएआईटी के अनुसार उपभोक्ताओं की बढ़ती क्रय शक्ति, स्वदेशी उत्पादों में रुचि और स्थानीय खरीदारी को प्रोत्साहन मिलने से दिवाली से 7-10 दिन पहले बाजारों में जबरदस्त तेजी आएगी। भोपाल, इंदौर जैसे बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों और ग्रामीण बाजारों तक, हर जगह शानदार बिक्री की उम्मीद है। क्षेत्रवार आकलन में कपड़ा (2,200 करोड़ रुपये), सोना-चांदी (2,000 करोड़ रुपये) और वाहन (1,700 करोड़ रुपये) प्रमुख हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स (1,300 करोड़ रुपये) और किराना (1,100 करोड़ रुपये) में भी अच्छा व्यवसाय अपेक्षित है। पटाखों का कारोबार हालांकि पर्यावरण जागरूकता के चलते अपेक्षाकृत कम (600 करोड़ रुपये) रह सकता है। उन्होंने जनता से देश में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने और स्थानीय कारोबारियों से खरीदारी की अपील की, जिससे छोटे-मध्यम उद्यमों को मजबूती मिलेगी, रोजगार बढ़ेंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी।

वाहन खुदरा बिक्री अक्टूबर में 23.8 फीसदी घटकर 31.72 लाख इकाई रही-फाडा

त्योहारों के कैलेंडर ने बिगाड़ी अक्टूबर की वाहन बिक्री, पर जमीनी मांग मजबूत

नई दिल्ली ।

देश में अक्टूबर महीने में वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 23.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, कुल 31.72 लाख से अधिक इकाइयां बिकीं। हालांकि, फाडा ने इस गिरावट को त्योहारों के कैलेंडर का परिणाम बताया है, जहां पिछले साल की तुलना में इस साल धनतेरस और दिवाली नवंबर में पड़ने के कारण बिक्री प्रभावित हुई, जबकि असल में मांग मजबूत बनी हुई है। फाडा के एक अे धिकारी ने स्पष्ट किया कि अक्टूबर भारत में साल का सबसे बड़ा खुदरा बिक्री वाला महीना होता है। उन्होंने बताया कि पिछले साल अक्टूबर में नवरात्र और दीपावली दोनों एक साथ पड़े थे, साथ ही जीएसटी दरों में कटौती के बाद दबी हुई मांग भी सामने आई थी, जिससे वह महीना असाधारण रहा। इस साल नवरात्र अक्टूबर में रहे, जबकि धनतेरस और दिवाली नवंबर में शिफ्ट हो गए, जिससे आंकड़ों में गिरावट दिख रही है। अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 28.35 प्रतिशत घटकर 23.21 लाख इकाई रह गई, जबकि यात्री वाहनों की बिक्री भी 4.23 प्रतिशत फिसलकर 5.08 लाख इकाई पर आ गई। ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 33.97 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 20.77 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इसके विपरीत, कई सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2.29 प्रतिशत बढ़कर 1.15 लाख इकाई, तिपहिया वाहनों की बिक्री 3.97 प्रतिशत बढ़कर 1.41 लाख इकाई और ट्रैक्टरों की बिक्री 3.10 प्रतिशत बढ़कर 79,285 इकाई रही। फाडा के अनुसार, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया और ट्रैक्टर तीनों ही सेगमेंट ने अक्टूबर में अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है।

अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट से आम आदमी का रिटायरमेंट फंड भी संकट में

डोनाल्ड ट्रंप की हार का जश्न मनाने के तुरंत बाद नैस्डैक में आई इस ऐतिहासिक गिरावट

वाशिंगटन ।

अमेरिकी शेयर बाजार में हाल ही में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसने न केवल एलन मस्क जैसे अरबपतियों को अरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाया, बल्कि लाखों आम अमेरिकियों की रिटायरमेंट सेविंग्स पर भी सीधा असर डाला। डोनाल्ड ट्रंप की हार का जश्न मनाने के तुरंत बाद नैस्डैक में आई इस ऐतिहासिक गिरावट ने 401(के) नामक अमेरिकी रिटायरमेंट फंड की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने इस क्रैश का ठीकरा डेमोक्रेट्स पर फोड़ते हुए 401(के) फंड पर इसके प्रभाव को उजागर किया, जिससे आम नौकरीपेशा अमेरिकियों के बुढ़ापे के सहारे पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बाजार में भूचाल और ट्रंप का वार- अमेरिकी शेयर बाजार का तकनीकी सूचकांक नैस्डैक अपने ऊपरी स्तरों से 10 फीसदी से अधिक और एक ही दिन में 6 फीसदी लुढ़क गया, जो मार्च 2020 के बाद की सबसे बड़ी एकदिवसीय गिरावट है। इस झटके से अरबपतियों की संपत्ति स्वाहा हुई, लेकिन इसका असर अमेरिका के लाखों आम नौकरीपेशा लोगों की बुढ़ापे के लिए जोड़ी गई बचत पर भी पड़ा। डोनाल्ड ट्रंप ने इस गिरावट को डेमोक्रेट्स और चुनाव नतीजों से जोड़ते हुए खास तौर पर 401(के) का जिक्र किया, जिससे यह सवाल उठा कि आम आदमी की पेंशन कैसे प्रभावित हुई। क्या है 401(द्य) और क्यों जुड़ा है बाजार से? 401(के) अमेरिका में नौकरीपेशा लोगों के लिए एक रिटायरमेंट बचत योजना है, जिसे भारत के ईपीएफ या एनपीएस के समान समझा जा सकता है। इसमें कर्मचारी अपनी मासिक सैलरी का एक हिस्सा जमा करते हैं और कई कंपनियां भी इसमें योगदान करती हैं। इस फंड की खास बात यह है कि कर्मचारी को यह पैसा शेयर बाजार से जुड़े फंड्स, बॉन्ड्स या अन्य विकल्पों में निवेश करने का विकल्प मिलता है।

धनतेरस पर गाड़ियों की बंपर बिक्री का अनुमान

नए और पुराने वाहनों की मांग जोरदार, लेकिन ई-वाहनों की आपूर्ति में आ सकती है बाधा

नई दिल्ली ।

धनतेरस पर देश का वाहन बाजार जोरदार बिक्री की उम्मीद कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने दोपहिया, चारपहिया और वाणिज्यिक वाहनों सहित सभी श्रेणियों में मजबूत मांग का अनुमान जताया है, जिससे उत्सव के इस माहौल में बिक्री में तेजी आने की संभावना है। फाडा के अनुसार, समग्र बाजार धारणा सकारात्मक बनी हुई है और ग्राहकों का रुझान काफी उत्साहजनक है। हालांकि, उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति में संभावित बाधाओं का जिक्र किया, जिससे कुछ श्रेणियों में डिलीवरी प्रभावित हो सकती है। छह नवंबर को धनतेरस और आठ नवंबर को दिवाली होने के कारण, यह महीना खुदरा बिक्री के लिए एक बड़ा अवसर है। फाडा के एक सर्वेक्षण में 51 फीसदी से अधिक डीलरों ने इस महीने बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई है। पुरानी कारों का बाजार भी पीछे नहीं है, जहां मांग आपूर्ति से अधिक बनी हुई है। कार्स24 के एक अे धिकारी ने बताया कि नवरात्र में उनकी बिक्री सालाना आधार पर 58 फीसदी बढ़ी और धनतेरस पर यह सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना होने का अनुमान है। हालांकि, फाडा ने पिछले साल की धनतेरस बिक्री से तुलना करने के प्रति आगाह किया है, जब जीएसटी दरों में कटौती और दबी हुई मांग के कारण असाधारण वृद्धि देखी गई थी। इस बार, उद्योग स्वाभाविक मजबूत मांग और सकारात्मक उपभोक्ता भावना के दम पर बिक्री में उछाल की उम्मीद कर रहा है।

इंडिया-नेपालःएशिया कपः

सहवाग के बेटे आर्यवीर का तूफान

भारतीय टीम की धमाकेदार शुरुआत, नेपाल को 10 विकेट से रौंदा



नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप 2026 में शुक्रवार (6 नवंबर) को भारत और नेपाल के बीच मुकाबला खेला गया. अल अमेरात के अल अमरत क्रिकेट ग्राउंड (मिनिस्ट्री टर्फ 1) में आयोजित मुकाबले में भारतीय टीम ने 10 विकेट से जीत हासिल की. भारतीय टीम को जीत के लिए 129 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 19.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया. अब भारत का सामना 8 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा. रनचेज में भारतीय टीम के लिए वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने तूफानी बैटिंग की. आर्यवीर ने 52 बॉल पर नाबाद 70 रन बनाए, जिसमें सात चौके और 4 छक्के शामिल रहे. आर्यवीर ने पहले तो नजरें जमाईं. फिर बड़े शॉट्स खेले. देखते ही देखते ही आर्यवीर सहवाग ने 34 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली. आर्यवीर ने अभय यादव की गेंद पर छक्का लगाकर ये उपलब्धि हासिल की. आर्यवीर सहवाग का साथ कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने बखूबी दिया. लक्ष्य ने 63 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे. आर्यवीर और लक्ष्य के सामने नेपाली गेंदबाज बेबस नजर आए.

ईशान ने गेंद से काटा गदर

मुकाबले में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए नेपाल की पूरी टीम 42.3 ओवरों में 128 रनों पर ढेर हो गई. नेपाल के लिए सबसे ज्यादा रन दर्श सोनार ने बनाए. दर्श ने 1 चौके और 1 सिक्स की मदद से 93 बॉल पर 43 रनों का योगदान दिया. वहीं आशीष लुहार ने 45 बॉल पर 29 रनों की पारी खेली, जिसमें चार चौके शामिल रहे. दर्श और आशीष के बीच पांचवें विकेट के लिए 45 रनों की साझेदारी हुई. इन दोनों के अलावा सलामी बल्लेबाज नीरज कुमार यादव (20 रन) ही दोहरे अंकों तक पहुंच सके. भारतीय टीम के लिए ईशान सूद ने 18 रन देकर तीन विकेट झटके. वहीं स्पिनर अर्जुन राजपूत ने भी तीन सफलताएं हासिल कीं. उधर यशवीर गौड़ को दो विकेट हासिल हुए. जबकि काव्या चौहान और मनाल पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया.

माइकल हसी को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 फॉर्मेट पर होगा फोकस



नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को 2027 एशेज और वनडे विश्व कप के लिए कोचिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। इसके अलावा, हसी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टी20 सलाहकार बनाया है। हसी ने पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ कभी-कभी काम किया है। खासकर वह प्रतिवर्ष पर्थ टेस्ट से पहले एक अतिरिक्त बैटिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ते हैं। वह अपनी कमेंट्री भूमिकाओं और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और द हंड्रेड में वेल्श फायर की कोचिंग टीम का हिस्सा होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए बतौर कोच लंबा समय नहीं दे सके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सीएसके में हसी के साथ काम करने वाले स्टीफन फ्लेमिंग जब न्यूजीलैंड टेस्ट टीम के हेड कोच बने, तो उन्होंने हसी को अपनी कोचिंग टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने स्वीकार नहीं किया था। हसी कोचिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना कार्य इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से शुरू करेंगे। इसके बाद पर्थ में न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया की मदद करेंगे। इस मौके पर माइकल हसी ने कहा, 'मैं आने वाले वर्षों में टीम के लिए ज्यादा आधिकारिक और अर्थपूर्ण रोल निभाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इस टीम ने पिछले कुछ समय में बहुत कुछ हासिल किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं इस रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय से पहले कोचिंग और प्लेइंग ग्रुप्स का मूल्य बढ़ा पाऊंगा। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, 'माइक पहले भी हमारे स्टाफ का एक बहुत अहम हिस्सा रहे हैं और उनके पास काफी स्किल सेट है जो कोच और खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है। एक खिलाड़ी और कोच के तौर पर कई फॉर्मेट, कॉम्पिटिशन, देशों में उनकी विशेषज्ञता ही नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर उनकी क्षमता भी बहुत कीमती है। हसी का मुख्य फोकस टी20 पर होगा। वह 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। मैकडोनाल्ड इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से आराम करने वाले हैं। उनकी जगह मुख्य कोच की जिम्मेदारी आंद्रे बोरोवेक संभालेंगे। हसी, बोरोवेक के साथ इंग्लैंड के खिलाफ एक युवा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अपनी कंसल्टेंसी शुरू करेंगे। ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीमों के हेड बेन ओलिवर ने कहा, 'माइक के पास टी20 का बहुत ज्यादा अनुभव है और हम 2028 में एलए ओलंपिक और टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी के दौरान टीम पर उनके असर का इंतजार कर रहे हैं।' मिस्टर क्रिकेट के नाम से मशहूर माइकल हसी की गिनती ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले बेहतरीन मध्यक्रम बल्लेबाजों में होती है। 51 साल के हसी ने 2004 से 2013 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 79 टेस्ट में 19 शतक और 29 अर्धशतक की मदद से 6,235 रन, 185 वनडे में 3 शतक और 39 अर्धशतक की मदद से 5,442 रन और 38 टी20 में 4 अर्धशतक लगाते हुए 721 रन बनाए। 37 साल की उम्र में 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद से वह लंबे समय तक आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं।

सिराज इन, आकिब आऊट

वेलिंगटन वनडे में बदलेगी टीम इंडिया की प्लेइंग-11



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार (7 नवंबर) को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाना है. भारतीय समयानुसार ये मुकाबला सुबह 7.30 बजे शुरू होगा, पहला मैच जीतकर टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे है. अब शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम की कोशिश जीत का सिलसिला बरकरार रखने की होगी. इस मुकाबले के लिए भारत की प्लेइंग-11 में एक बदलाव देखने को मिल सकता है. अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिल सकता है, जबकि आकिब नबी को बाहर बैठना पड़ सकता है. सिराज पहले मुकाबले में सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे.

अब वो टीम के साथ जुड़ चुके हैं. सिराज की वापसी से भारतीय पेस अटैक को और मजबूती मिलेगी. ओपनिंग में रोहित शर्मा और शुभमन गिल पर बड़ी जिम्मेदारी रहेगी. पहले वनडे में रोहित बिना खाता खोले आउट हो गए थे, लेकिन टीम मैनेजमेंट

उन्हें एक और मौका दे सकता है. गिल भी कप्तानी पारी खेलकर शीर्ष क्रम को मजबूती देना चाहेंगे. तीसरे नंबर पर विराट कोहली उतरेंगे. उन्होंने पहले मुकाबले में 51 गेंदों पर 74 रन बनाकर भारत की जीत में अहम योगदान दिया था. चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर को मौका मिल सकता है. वह पिछले मैच में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे. मध्यक्रम में अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है. इससे केएल राहुल छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे. नमन धीर निचले मध्यक्रम में टीम को मजबूती दे सकते हैं.

वेलिंगटन की पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है. पहले वनडे में अर्शदीप सिंह, अंशुल कम्बोज और गुरनूर बरार ने अच्छा प्रदर्शन किया था. इन तीनों को फिर मौका मिल सकता है. उधर आकिब नबी छह ओवर में 33 रन देने के बावजूद कोई विकेट हासिल नहीं कर सके थे. ऐसे में उनकी प्लेइंग-11 से छुट्टी तय दिख रही है. मोहम्मद सिराज नई गेंद से विकेट निकालने के साथ अपने अनुभव का फायदा भी दे सकते हैं.

हेनरी की वापसी से न्यूजीलैंड को मिला बूस्ट

उधर, न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे कन्कशन के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो चुके हैं. उनकी जगह निक केली को टीम में शामिल किया गया है. न्यूजीलैंड के लिए अच्छी बात यह है कि स्टार तेज गेंदबाज मैट हेनरी फिट है और उनकी प्लेइंग-11 में वापसी होनी तय है. ऐसे में ब्लेयर टिकनर को बाहर बैठना पड़ सकता है.

दूसरे वनडे में भारत की संभावित प्लेइंग-11: रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अंशुल कम्बोज, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह.

दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग-11: टिम सीफर्ट, विल यंग, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जेमिसन, मैट हेनरी और जैकब डफी.

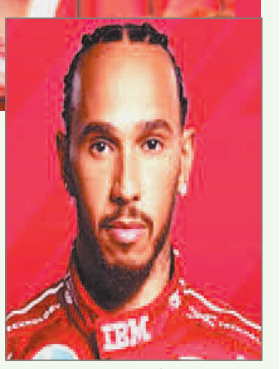
भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरे वनडे पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार (7 नवंबर 2026) को वेलिंगटन में खेला जाने वाला दूसरा वनडे मुकाबला भी बारिश से प्रभावित हो सकता है। ऑकलैंड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में भी बारिश ने खलल डाला था और अब वेलिंगटन में भी मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहने का अनुमान है। शुक्रवार पांच नवंबर 2026 को लगातार बारिश के कारण दोनों टीमों को अपना अभ्यास सत्र बदलना पड़ा। शनिवार को भी बारिश की आशंका जताई गई है, जिससे मुकाबले पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं।

भारत और न्यूजीलैंड दोनों टीमों को मैच के वेन्यू एचएनआरवाई स्टेडियम के बजाय बेसिन रिजर्व में अभ्यास करना था। वेलिंगटन में 6 नवंबर की सुबह लगातार हल्की बारिश होने के कारण न्यूजीलैंड की टीम ने अपना अभ्यास सत्र वेलिंगटन कॉलेज के इनडोर स्टेडियम में किया, जबकि भारतीय टीम ने अभ्यास रद्द कर दिया। एक्यूवेदर के अनुसार, शनिवार छह नवंबर को और बारिश होने का अनुमान है। दिन के पहले हिस्से में बारिश की 60% और दूसरे हिस्से में 55% संभावना है। ऑकलैंड में सीरीज का पहला मैच भी खराब मौसम से प्रभावित रहा था। मैच की शुरुआत 10 मिनट की देरी से हुई। बाद में भारत के लक्ष्य में भी बदलाव करना पड़ा था।

चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं लुईस हैमिल्टन





साओ पाउलो, एजेंसी। फेरारी ड्राइवर लुईस हैमिल्टन साओ पाउलो ग्रैंड प्रिक्स से पहले टीम के साथी चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं। मेक्सिको में टीम के अंदर हुई लड़ाई के कारण फेरारी को पक्की 1-2 जीत से हाथ धोना पड़ा था। हैमिल्टन ने मेक्सिको सिटी ग्रैंड प्रिक्स में पोल पोजीशन से शुरुआत की थी। लेकिन पहले ही लैप में लेक्लर्क के साथ हुई टक्कर में उन्होंने अपनी जगह खो दी। लेक्लर्क को ट्रैक काटने के लिए टाइम पेनल्टी मिली, जबकि हैमिल्टन ग्रिड पर मैक्स वर्स्टैपेन से भी पिछड़ गए।

नतीजा यह हुआ कि फेरारी को जीत मिलने के बजाय हार का सामना करना पड़ा। ब्राजीलियन जीपी से पहले हैमिल्टन ने कहा, 'लेक्लर्क के साथ टीम की बातचीत अभी नहीं हो पाई है। वह अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण घर वापस चले गए थे। अब वह साओ पाउलो में उनसे सीधे बात करना चाहते हैं।' हैमिल्टन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि एक मीटिंग में सब कुछ खत्म हो जाएगा और सुलझ जाएगा, लेकिन यह जरूरी है। हम अभी जो बनाएंगे, वह हमें अगले साल के लिए सही स्थिति में रखेगा। कुछ मायनों में मुझे खुशी है कि हमें वह अनुभव मिला। बेशक, मैं चाहूंगा कि हम जीतें और 1-2 का स्कोर करें, लेकिन इससे आप सीख सकते हैं और हम और भी मजबूत हो सकते हैं।' मेक्सिको की घटना के बाद हैमिल्टन ने फेरारी के साथ गंभीर बातचीत की मांग की थी। उन्होंने कहा था, 'चार्ल्स के साथ जो हुआ, उसके बारे में मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। आप देख सकते हैं कि क्या हुआ और हम क्यों हार गए। ड्राइवर्स ब्रीफिंग में हमने चर्चा की थी कि टर्न 1 पर उतरते ही आपको अपनी पोजीशन वापस देनी होगी। पिछले साल मुझे उसी मूव के लिए 10 सेकंड की पेनल्टी मिली थी जो उसने किया था। आखिरकार, आज हम इसी वजह से जीत हार गए। हमें पर्दे के पीछे जरूर कुछ गंभीर बातचीत करनी होगी।' हैमिल्टन ने कहा, 'टीम में ऊर्जा सच में बहुत अच्छी है। मुझे लगता है कि वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हमने पिछली कुछ रेस में बहुत अच्छा काम किया है, किसी से भी ज्यादा पॉइंट बनाए हैं। हमने सच में अपना स्तर बढ़ाया है। कुछ बदलावों के साथ हमारा एग्जिक्यूशन बेहतर रहा है। इसके लिए हम काम कर रहे थे। मैं यह देखकर बहुत खुश हूं। हमें पिछली रेस में 1-2 से हारना नहीं चाहिए था। हमें यह पक्का करने के लिए काम करना होगा कि ऐसा फिर कभी न हो। उन्होंने कहा, 'मैं टीम के लिए अपनी जिम्मेदारी 100 प्रतिशत जानता हूं। यह कभी कम नहीं हुई है और न ही कभी होगी। हैमिल्टन ब्राजील में अपना 400वां ग्रैंड प्रिक्स शुरू करेंगे। इसके साथ ही वह फर्नांडो अलोंसो के बाद 400 रेस में हिस्सा लेने वाले दूसरे ड्राइवर बन जाएंगे।

ओलंपिक मार्सिले ने

बायर लेवरकुसेन को 1-0 से हराया

बर्लिन, एजेंसी। अमीन गौरी के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से ओलंपिक मार्सिले ने गुरुवार को यूईएफए यूरोपा लीग में बायर लेवरकुसेन पर 1-0 से जीत हासिल की। मेहमान टीम ने बेएरिना में बेहतर शुरुआत की।

गौरी ने पेनल्टी एरिया के अंदर एक लंबे पास को नियंत्रित करने और अपने मार्कर से बचने के बाद शुरुआती मौका गंवा दिया, लेकिन गोलकीपर मार्क फ्लेकेन ने उसे रोक दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों में से किसी ने भी लगातार आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं किया। मेजबान टीम 42वें मिनट में गोल करने के सबसे



करीब पहुंची जब मिगुएल गुटिरेज का डिफ्लेक्टेड शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके बाद हाफटाइम से पहले जेरेल क्वांसाह का शॉट थोड़ा वाइड चला गया। लेवरकुसेन ने और ज्यादा आक्रामक खेलना शुरू किया, लेकिन पैट्रिक शिक ने 54वें मिनट में एक शॉट बार के ऊपर से मार दिया। मार्सिले ने इगोर पैक्साओ के जरिए जवाब दिया, जिनका लॉन्ग-रेंज शॉट टारगेट से थोड़ा चूक गया। इसके बाद जेफ्री कोंडोगबिया ने दूर से शॉट मारा, जो थोड़ा बाहर चला गया।

77वें मिनट में अहम पल आया जब लेवरकुसेन ने हाफवे लाइन के पास बॉल पर नियंत्रण खो दिया। गौरी ने जगह बनाई, एडमंड टैप्सोबा के अंदर कट किया और फ्लेकेन के पार दूर कोने में एक सटीक शॉट मारा। मेजबान टीम ने कई सेट पीस के जरिए दबाव बनाना जारी रखा, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर पाई।

ऋषभ पंत इंडिया ए के मैच से बाहर, टेस्ट सीरीज में भी खेलना तय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक बहुत बुरी खबर है. विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत का न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में खेलना अब मुश्किल है. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज न्यूजीलैंड ए के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर हो गए हैं. पंत अबतक साइड स्ट्रेन से ठीक नहीं हुए हैं. पंत अभी भी बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब में हैं. माना जा रहा है कि पंत अब 19 नवंबर को होने वाले वेलिंगटन टेस्ट में भी नहीं खेल पाएंगे. अगर ऐसा हुआ तो ध्रुव जुरेल का प्लेइंग इलेवन में खेलने का रास्ता साफ हो जाएगा. टेस्ट स्पेशलिस्ट जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा दोनों टेस्ट की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलेंगे. तिलक वर्मा भी शनिवार से लिंकन में शुरू हो रहे इस मैच में खेलते दिखेंगे. बुमराह ने न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद से दो दिनों तक स्क्वाड के साथ ट्रेनिंग की है, जबकि जडेजा सौराष्ट्र के लिए दो रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के बाद इस सीरीज में आ रहे हैं, जिसमें उन्होंने कुल सात विकेट लिए और एक सेंचुरी बनाई.

ध्रुव जुरेल ही इंडिया ए की कप्तानी करेंगे. इस मैच में नीतीश कुमार रेड्डी भी खेलेंगे. इस बीच प्रसिद्ध कृष्णा के भी खेलने की संभावना है क्योंकि वो पिछले तीन हफ्ते तक हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजरने के बाद मैच फिटनेस हासिल करना चाहते हैं.

रोहित शर्मा और विराट कोहली की गेम को समझने की क्षमता शानदार: फील्डिंग कोच



वेलिंगटन, एजेंसी। भारत के फील्डिंग कोच शुभदीप घोष ने सीनियर बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की अंदाजा लगाने और खेल को समझने की काबिलियत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि खास जगहों पर फील्डिंग करने का उनका अनुभव उन्हें दूसरों से बेहतर बनाता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले घोष ने बताया कि कैसे कोहली को कवर और पॉइंट जैसी जगहों की अच्छी जानकारी होने से उन्हें गेंद की दिशा पहले समझने में मदद मिलती है, जबकि रोहित के अंदाजे ने सीरीज के पहले मैच में डेरिल मिशेल के रन-आउट होने में अहम भूमिका निभाई। घोष ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'विराट ने कवर और पॉइंट पर कई बार फील्डिंग की है, इसलिए उन्हें गेंद की दिशा और रास्ता पता है, साथ ही यह भी पता है कि गेंद टकराने के बाद कैसे जाएगी। वह दूसरों की तुलना में स्थिति को थोड़ा पहले समझ लेते हैं, और आप उनके काम करने के तरीके में यह देख सकते हैं।'

शुभदीप ने पहले वनडे में मिचेल के आउट होने के दौरान रोहित की अवेयरनेस और तेज मूवमेंट पर भी जोर दिया। रोहित ने मिचेल को रन आउट किया था। उन्होंने कहा, 'जहां तक रोहित की बात है, मुझे लगता है कि उन्होंने उस रन-आउट के दौरान अंदाजा लगा लिया था कि गेंद स्क्वायर लेग की तरफ जाएगी। वह सीधे नहीं चल रहे थे। वह पहले से ही थोड़ा स्क्वायर लेग की तरफ जा रहे थे। उस शुरुआती अंदाजे ने उन्हें स्किल को पूरी तरह से करने में मदद की। अंदाजा लगाना फील्डिंग के सबसे जरूरी पहलुओं में से एक है।' शुभदीप ने कहा, 'हमने पहले वनडे में अच्छा किया। हमने कुछ अच्छे कैच लिए, विकेट लिए और बेहतरीन ग्राउंड फील्डिंग से इसे सपोर्ट किया। इंटेंसिटी बहुत अच्छी थी। जब आप विरोधी टीम को लगभग 180 रन पर रोकते हैं, तो यह न केवल अच्छी गेंदबाजी बल्कि क्वालिटी फील्डिंग को भी दिखाता है।

अलग-अलग कंडीशन में ढलने की चुनौती

फील्डिंग कोच ने विदेशी दौरों के दौरान अलग-अलग कंडीशन में ढलने की चुनौतियों के बारे में भी बात की, और बताया कि मैदान के आकार, मौसम और बाउंड्री की जगह के लिए खिलाड़ियों को अलर्ट रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'जब आप अलग-अलग देशों में जाते हैं, तो नई कंडीशन में ढलना हमेशा एक चुनौती होती है। ग्राउंड के आकार अलग-अलग होते हैं, और मौसम ठंडा हो सकता है, और ये ऐसी बातें हैं जिन पर हम ड्रेसिंग रूम में नियमित बात करते हैं।'

अयोध्या सील होने से हाईवे पर भीषण जाम, फंसे बृजभूषण शरण ने कहा... घोर अव्यवस्था

गोंडा, एजेंसी। राम नगरी अयोध्या को सील करने के बाद गोंडा-अयोध्या हाईवे पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से आम लोगों के साथ वीआईपी भी परेशान हैं। इसी जाम में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी फंस गए। उन्होंने यातायात व्यवस्था पर नाराजगी जताकर घोर अव्यवस्था करार दिया और प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए। जाम में फंसे बृजभूषण का वीडियो सामने आया है। इसमें वे अपनी सफेद फॉर्च्यूनर गाड़ी में बैठे नजर आ रहे हैं। उन्होंने गाड़ी के अंदर से ही जाम की स्थिति पर प्रतिक्रिया देकर कहा, घोर अव्यवस्था है, किसको जिम्मेदारी दें। उन्होंने बताया कि अयोध्या को सील किए जाने के कारण वाहनों को दूसरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ रहा है। इससे गोंडा-अयोध्या मार्ग पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है। पूर्व सांसद ने कहा कि प्रशासन को अयोध्या में यातायात प्रतिबंध लागू करने से पहले बेहतर इंतजाम करने चाहिए थे। बिना उचित योजना के मार्ग बंद करने का असर आसपास के जिलों पर भी पड़ा है। गोंडा, बलरामपुर और बस्ती की ओर जाने वाले लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ रहा है। इससे स्कूली बच्चों, मरीजों और जरूरी काम से यात्रा करने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है।

फेसबुक लाइव में आकर आदिवासी नेता निशा भगत ने दे दी जान

- प्रशासन और भू-माफिया पर लगाए थे आरोप

रांची, एजेंसी। झारखंड की आदिवासी नेता निशा भगत की आत्महत्या की खबर के बाद उनके आखिरी फेसबुक लाइव में लगाए गए आरोप चर्चा में हैं। बताया गया कि उन्होंने आत्महत्या से पहले फेसबुक पर लाइव आकर सरकार, प्रशासन और जमीन से जुड़े कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अपने एफबी लाइव में निशा भगत ने दावा किया कि वह लंबे समय से आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही थीं, लेकिन उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उन्होंने हेमंत सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि समाज के मुद्दों और सरकार की कथित कमियों को उठाने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। निशा भगत ने जमीन से जुड़े कुछ लोगों पर भी आरोप लगाए और प्रशासन से मदद नहीं मिलने की बात कही। उन्होंने अजय तिर्की का नाम लेते हुए प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए। लाइव के दौरान उन्होंने पिठोरिया थाना प्रभारी से फोन पर बातचीत भी की और पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई।

बागी विधायकों से मुलाकात कर बोले फारूक अब्दुल्ला- पार्टी कभी नहीं टूटेगी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर नाराजगी और बगावत की चर्चाओं के बीच पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बागी विधायकों से मुलाकात की। बैठक के बाद फारूक अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में किसी तरह का विभाजन नहीं होगा और पार्टी एकजुट है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने नाराज विधायकों की शिकायतें सुनी हैं और उनकी समस्याओं पर जल्द काम किया जाएगा। उन्होंने पार्टी में किसी टूट की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि सभी नेताओं और विधायकों को साथ लेकर आगे बढ़ा जाएगा। पार्टी के भीतर कुछ विधायकों की नाराजगी और उनके अलग रुख को लेकर पिछले कुछ समय से राजनीतिक चर्चाएं चल रही थीं। ऐसे में फारूक अब्दुल्ला की बैठक को संगठन के भीतर मतभेद दूर करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। बैठक के बाद उनके बयान से पार्टी नेतृत्व ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है।

दिल्ली, हरियाणा और झारखंड समेत 7 राज्यों के मतदाताओं को नाम जुड़वाने का एक और मौका, दी गयी है पूरी प्रक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। जिन मतदाताओं को 'इन्युमरेशन फॉर्म' (गणना फॉर्म) जारी किए गए थे, लेकिन अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट यानी अरऊक के रूप में चिह्नित होने के कारण जिनके नाम मतदाता सूची के ड्रॉफ्ट में शामिल नहीं हो सके थे, उन्हें अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने का एक और मौका दिया जाएगा. विभिन्न राज्यों में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर- स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) के बीच, भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को यह फैसला किया.



चुनाव आयोग ने यह फैसला दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नागालैंड में चल रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान ड्रॉफ्ट मतदाता सूची से छूटे हुए मतदाताओं की मदद करने के उद्देश्य से लिया है. निर्वाचन आयोग ने इन छह राज्यों और दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में इस नई पहल की जानकारी दी है. चुनाव आयोग ने कहा कि बूथ-वार ASDD मतदाताओं की सूची, और जिनके इन्युमरेशन फॉर्म वापस नहीं मिले थे व जिसके कारण चल रहे अभियान के दौरान ड्रॉफ्ट मतदाता सूची में उनके नाम शामिल नहीं हो पाए थे. उनकी सूची को संबंधित मतदान केंद्रों (जहां से नाम हटाए गए थे), पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों और ब्लॉक विकास अधिकारियों पंचायत अधिकारियों के नोटिस बोर्ड पर फिर से प्रदर्शित किया जाएगा. इसके साथ ही, इस सूची को मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर पढ़ने योग्य पीडीएफ फॉर्मेट में भी अपलोड किया जाएगा, जिसमें इन मतदाताओं के नाम शामिल न होने के संभावित कारणों की जानकारी भी होगी. चुनाव आयोग ने कहा कि ऐसे सभी मतदाताओं को चल रहे अभियान के दौरान अपने वर्तमान सामान्य निवास स्थान के संबंधित ईआरओ या एईआरओ के पास पूरी तरह से भरा हुआ इन्युमरेशन फॉर्म जमा करने का एक और मौका दिया जाएगा.

पत्र में कहा गया है, ऐसे सभी एएसडीडी मतदाताओं के आंशिक रूप से भरे हुए इन्युमरेशन फॉर्म चुनाव आयोग के 'इसीनेट' पोर्टल पर ईआरओ डैशबोर्ड पर नए सिरे से जेनरेट किए जाएंगे. जिला निर्वाचन अधिकारी और ईआरओ संबंधित बीएलओ के माध्यम से ऐसे मतदाताओं से संपर्क करने का हर संभव प्रयास करेंगे और जहां भी संपर्क विवरण उपलब्ध हो, इन्युमरेशन फॉर्म को भौतिक रूप से या व्हाट्सएप, ई-मेल या एसएमएस जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे. आयोग ने कहा कि मतदाता वेबसाइट या ECINET ऐप के माध्यम से भी अपना 'इन्युमरेशन फॉर्म' डाउनलोड या भर सकेंगे. इसके लिए उन्हें वही पुराना वोटर आईडी नंबर दर्ज करना होगा जो नाम हटाए जाने से पहले उनके पास था. चुनाव आयोग ने आगे कहा कि बीएलओ विभिन्न राजनीतिक दलों के 'बूथ लेवल एजेंटों' के साथ तालमेल बिठाकर ऐसे मतदाताओं से संपर्क करने का हर संभव प्रयास करेंगे. इसके लिए वे घर-घर जाकर, पड़ोसियों, परिवार के सदस्यों या रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों से पूछताछ करेंगे और जहां भी संभव हो, उपलब्ध फोन नंबरों का उपयोग करेंगे. वे ऐसे मतदाताओं को इन्युमरेशन फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया और उपलब्ध माध्यमों के बारे में भी जानकारी देंगे.

यदि किसी मतदाता ने अपना निवास स्थान नहीं बदला है, तो वे अपने हस्ताक्षर किए हुए और पूरी तरह से भरे हुए इन्युमरेशन फॉर्म के साथ एक बयान (जिसमें यह कारण बताना होगा कि वे पहले फॉर्म क्यों नहीं जमा कर पाए थे, जो अनुलग्नक-बी के रूप में संलग्न है) संबंधित ईआरओ, एईआरओ या बीएलओ के पास खुद जाकर या अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से भौतिक रूप से जमा कर सकते हैं. ऐसे मतदाताओं के लिए ECINET पर ई-साइन के साथ ऑनलाइन इन्युमरेशन फॉर्म जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी.

चुनाव आयोग ने कहा कि यदि कोई मतदाता जिसे पहले ASDD के रूप में चिह्नित किया गया था और जिसका नाम ड्रॉफ्ट मतदाता सूची में नहीं है, उसने राज्य के भीतर ही अपना निवास स्थान बदल लिया है, तो ऐसे मतदाता को 'फॉर्म-8' जमा करने की आवश्यकता नहीं है. इसके बजाय, उन्हें नए पते और विधानसभा क्षेत्र की जानकारी देते हुए एक बयान के साथ केवल इन्युमरेशन फॉर्म जमा करना होगा. ऐसा फॉर्म और बयान, विधिवत हस्ताक्षरित करके, आवेदक या परिवार के सदस्य द्वारा पते के प्रमाण के साथ उस विधानसभा क्षेत्र के संबंधित ईआरओ/एईआरओ के पास जमा करना होगा जहां वे शिफ्ट हुए हैं.

अस्पताल में शरद पवार से मिले प्रफुल्ल पटेल... 10 नवबंर के बाद सुलह की उम्मीद

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के बीच संभावित एकजुटता को लेकर चर्चाएं फिर तेज हुई हैं। अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने अस्पताल पहुंचकर शरद पवार से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में नए समीकरणों को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं। दरअसल, शरद पवार की तबीयत खराब होने के कारण अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। तभी प्रफुल्ल पटेल उनसे मिलने पहुंचे। सामने आए वीडियो में दोनों नेताओं के बीच बातचीत होती दिखाई दे रही है। इस दौरान शरद पवार को प्रफुल्ल से यह कहते सुना गया कि 10 नवंबर के बाद मिलते हैं। उनके इस बयान को राजनीतिक नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रफुल्ल की मुलाकात ने एनसीपी के दोनों गुटों के बीच दूरियां कम होने की संभावनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। गौरतलब है कि स्व.अजित पवार के नेतृत्व में पार्टी में विभाजन के बाद शरद और अजित पवार के गुट अलग-अलग राजनीतिक राह पर चल रहे हैं। दोनों खेमों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी लगातार देखने को मिली है। इसके बाद अस्पताल में हुई इस मुलाकात और 10 नवंबर के बाद फिर मिलने की बात को संभावित सुलह के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, इस मुलाकात से किसी राजनीतिक समझौते, गठबंधन या पार्टी के विलय की पुष्टि नहीं होती है। दोनों गुटों की ओर से भी एकजुटता को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब राजनीतिक हलकों की नजरें 10 नवंबर के बाद होने वाले घटनाक्रम पर टिकी हैं।



सीजेआई सूर्य कांत के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट केरल कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों को अवमानना नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत को निशाना बनाकर किए गए एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस की केरल इकाई के सभी पदाधिकारियों को अवमानना का नोटिस जारी किया है. अदालत ने टिप्पणी की कि कोई व्यक्ति चाहे कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न बैठा हो, अदालत के अधिकार और गरिमा को कम करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाना चाहिए. इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की बेंच ने की. सुनवाई के दौरान केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने तर्क दिया कि यह सामग्री पदाधिकारियों की मंजूरी के बिना अपलोड की गई थी और इसे अब हटा दिया गया है. उन्होंने पीठ को सूचित किया कि इस पर बिना शर्त माफी भी मांगी जा चुकी है. इस पर न्यायमूर्ति कुमार ने टिप्पणी की कि अदालत इस बात की जांच करेगी कि यह माफी सिर्फ कलम से निकली है या दिल से.



सभी पदाधिकारियों को नोटिस जारी करने के संबंध में वकील ने दलील दी कि उनकी संख्या बहुत ज्यादा होगी, शायद लगभग 50 लोग. इस पर पीठ ने कहा, ₹पदाधिकारीः अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव... सुप्रीम कोर्ट के लिए 40 या 50 कोई बड़ी संख्या नहीं है. फिलहाल हम उन्हें अगली तारीख पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट देते हैं. यदि आवश्यक हुआ, तो हम उन्हें शारीरिक रूप से उपस्थित होने के लिए समन भेजेंगे, वर्चुअल पेशी के लिए भी नहीं. वकील ने इस बात पर जोर दिया कि पोस्ट को उसी दिन हटा दिया गया था और एक प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की गई थी. हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस पोस्ट को लगभग 1 करोड़ लोगों ने देखा था. केपीसीसी के वकील ने कहा कि बस एक ही बात है कि सभी पदाधिकारियों को अलग-अलग हलफनामा दायर करना होगा. इस पर पीठ ने टिप्पणी की, ₹एक बार जब नुकसान हो जाता है... तो कल को यह हर पेशे, हर संस्था के साथ हो सकता है. हम संविधान के दायरे में रहकर काम करते हैं. पीठ ने कहा कि संविधान सर्वोच्च है और कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक संगठन इससे ऊपर नहीं है. पीठ ने यह भी कहा कि फैसलों की आलोचना हमेशा की जा सकती है, लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी न्याय प्रशासन में बाधा डालने या डराने-धमकाने की ढाल नहीं बन सकती. पीठ ने साफ कर दिया कि अदालत के अधिकार और गरिमा को किसी राजनीतिक समर्थन की जरूरत नहीं है; यह कानून के शासन पर टिकी है. अदालत ने टिप्पणी की, जहां न्याय का प्रशासन स्थापित है, वहां कानून अपना काम करेगा.

दिल्ली-एनसीआर में गफ्फार मार्केट, मॉल और फैक्ट्री में लगी भीषण आग

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बीते 24 घंटों के भीतर आग लगने की तीन बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। गफ्फार मार्केट की एक दुकान, ग्रेटर नोएडा के एक मॉल का सिनेमा हॉल और नरेला की एक फैक्ट्री इन घटनाओं से प्रभावित हुई हैं। दमकल विभाग ने सभी जगहों पर तत्परता से कार्रवाई की और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। दिल्ली के गफ्फार मार्केट की चैन वाली गली में गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि एक दुकान में आग लग गई। दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे हैं। नुकसान और हताहतों की जानकारी अभी प्रतीक्षित है। वहीं ग्रेटर नोएडा के गैलेक्सी ब्लू सफायर मॉल में ऑडी-10 के प्रोजेक्टर रूम में शॉर्ट सर्किट से धुआं उठा। एहतियातन 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फायर एक्सटिंग्विशर से आग तुरंत बुझा दी गई, जिसमें कोई जनहानि नहीं हुई। स्थिति सामान्य है। एक अन्य घटना में गुरुवार सुबह बाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में भीषण आग लगी।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह गाड़ियों का धुआं, एक्यूआई 400 के करीब

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की बिगड़ती स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जाहिर की है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का प्रमुख कारण है। दिल्ली को गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाली सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और बंपर-टू-बंपर ट्रैफिक से स्थिति लगातार खराब हो रही है। अदालत ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए तत्काल, मध्यम और दीर्घकालिक उपाय अपनाने की जरूरत जाहिर की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े स्वत- संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि प्रदूषण को लेकर लगातार चर्चा और सुझाव दिए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के करीब पहुंच रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली और आसपास के शहरों को जोड़ने वाली सड़कों पर वाहनों की संख्या और लगातार लगने वाला जाम बड़ी समस्या बन चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण का सबसे अधिक असर गरीब और मजदूर वर्ग पर पड़ता है। सड़क किनारे काम करने और रोजी-रोटी कमाने वाले लोगों को जहरीली हवा का सामना करना पड़ता है। त्यौहारों के दौरान उनकी कमाई भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए प्रदूषण नियंत्रण के उपाय करते समय उनकी आजीविका का ध्यान रखना जरूरी है। पराली जलाने के मामले में अदालत ने किसानों को जागरूक करने और खेतों में आग लगाने के बजाय कृषि मशीनों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। सुनवाई में बच्चों को प्रदूषण से बचाने के लिए स्कूल बंद करने और सभी कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में संचालित करने की मांग भी उठी। पीठ ने कहा कि इस विषय पर विशेषज्ञों की राय के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि औद्योगिक उत्सर्जन, वाहन प्रदूषण, निर्माण कार्यों की धूल, सड़क की धूल और पराली जलाने सहित पांच प्रमुख क्षेत्रों में नियंत्रण के उपाय किए जा रहे हैं। वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध, पीयूसी प्रमाणपत्र की जियो-टैगिंग और अधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई भी इनमें शामिल है।



केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 391 रहा। रोहिणी में यह 475 और आईआईटी दिल्ली में 472 दर्ज किया गया। 59 निगरानी केंद्रों में से 30 पर हवा गंभीर श्रेणी में रही। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए आदेश पारित करने की बात कही। मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी।

मिडटर्म चुनाव में करारी हार के बाद रिपब्लिकन पार्टी में बगावत: ट्रम्प का साथ छोड़ सकते हैं विदेश मंत्री रूबियो, वेंस ने बढ़ाई दूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हुए मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अपनी ही पार्टी में मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विदेश मंत्री मार्को रूबियो ट्रम्प प्रशासन का साथ छोड़ने पर विचार कर रहे हैं और उनके सलाहकार भविष्य के राजनीतिक विकल्पों पर चर्चा में जुटे हैं। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के नतीजों में संसद के दोनों सदनों- हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट- में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने बहुमत हासिल कर लिया है। इस चुनावी शिकस्त के बाद सत्ता के गलियारों में खलबली मच गई है, जहां ट्रम्प के सबसे करीबी सहयोगी माने जाने वाले विदेश मंत्री मार्को रूबियो के पद छोड़ने की चर्चाएं तेज हो गई हैं और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी



खुद को अलग करना शुरू कर दिया है।

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से सामने आया है कि मिडटर्म चुनाव में पार्टी के लचर प्रदर्शन के बाद विदेश मंत्री मार्को रूबियो ट्रम्प कैबिनेट से अलग होने का मन बना रहे हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पद छोड़ने को लेकर अनौपचारिक चर्चा भी की थी। हालांकि, कुछ शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें फिलहाल पद पर बने रहने की सलाह दी है और इस्तीफे की कोई आधिकारिक तारीख अभी तय नहीं हुई है। दूसरी ओर, रूबियो ने मीडिया में चल रही इन खबरों को खारिज करते हुए न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा कि उन्हें नहीं पता यह जानकारी कहां से आई, क्योंकि ट्रम्प का कार्यकाल पूरा होने तक उनके साथ काम करना ही हमेशा से उनकी प्राथमिकता रही है। चुनाव नतीजों के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के रुख में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। वेंस ने राष्ट्रपति ट्रम्प से राजनीतिक दूरी बनानी शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि वेंस अब साल 2028 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की जमीन तैयार करने में लग गए हैं। वे ट्रम्प की नीतियों और फैसलों से खफा चल रहे रिपब्लिकन व निर्दलीय वोटरों को अपने पाले में खींचने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि भविष्य की राजनीति में खुद को पार्टी के नए और सर्वमान्य चेहरे के तौर पर पेश कर सकें।

इस बार के मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए संसद के दोनों सदनों में स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की 435 सीटों में से डेमोक्रेट्स 253 सीटें जीत चुके हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी महज 157 सीटों पर सिमट गई है। वहीं सीनेट की 100 सीटों में भी अब डेमोक्रेट्स के पास 54 और रिपब्लिकन के पास 44 सीटें आ गई हैं। ट्रम्प ने 2025 में सत्ता में आने के बाद से ही वोटिंग मशीनों में गड़बड़ी और चुनाव में धांधली के पुराने दावों को हवा दी थी, लेकिन कई दशकों से रिपब्लिकन गढ़ रही सीटों पर भी डेमोक्रेट्स की जीत ने उनके इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया। संसद में बहुमत खोने के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पास प्रशासनिक फैसलों और विदेश नीति से जुड़े कई विशेषाधिकार बरकरार हैं। संसद से पास होने वाले किसी भी बिल को रोकने के लिए वे अपनी 'वीटो' शक्ति का इस्तेमाल कर सकते हैं, क्योंकि डेमोक्रेट्स के पास इस वीटो को पलटने के लिए जरूरी दो-तिहाई वोट नहीं हैं। इसके अलावा, ट्रम्प सीधे सरकारी आदेश जारी करने, देश में इमरजेंसी घोषित करने और अपनी पसंद के फैसले लागू करने की ताकत रखते हैं। साथ ही, राष्ट्रपति के तौर पर अपने सहयोगियों को कानूनी माफी देने का अधिकार भी उनके पास रहेगा।

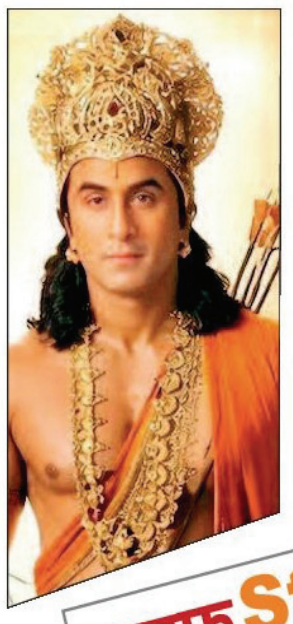
30 हजार करोड़ के स्वदेशी रक्षा सौदे को जल्द मिल सकती है मंजूरी

सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की स्वीकृति का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत अपनी हवाई सीमाओं की सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने वाला है। केंद्र सरकार करीब 30 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) प्रणाली के सौदे को जल्द मंजूरी दे सकती है। इस महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की अंतिम स्वीकृति का इंतजार है। मंजूरी मिलने के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को इसका ठेका मिलने की संभावना है।

यह स्वदेशी रक्षा प्रणाली भारतीय सेना की हवाई सुरक्षा क्षमता में महत्वपूर्ण इजाफा करेगी। इसकी खासियत यह है कि यह केवल मिसाइलों की आपूर्ति तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसमें आधुनिक वायु रक्षा से जुड़ा पूरा तंत्र शामिल रहेगा। इसके जरिए सेना दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और अन्य हवाई खतरों का तेजी से मुकाबला कर सकेगी। खास तौर पर सेना की गतिशील इकाइयों को चलते-फिरते हवाई हमलों से सुरक्षा प्रदान करने में यह प्रणाली अहम भूमिका निभाएगी।

बदलते वैश्विक सुरक्षा हालात और सीमाओं पर बढ़ती चुनौतियों के बीच परियोजना का महत्व और बढ़ गया है। हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में ड्रोन, निर्देशित हथियारों और आधुनिक लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। ऐसे में भारत के लिए अत्याधुनिक और त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली वायु रक्षा प्रणाली विकसित करना जरूरी हो गया है। क्यूआरएसएएम प्रणाली का डिजाइन और विकास देश की प्रमुख रक्षा अनुसंधान संस्था ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से किया है। परियोजना के उत्पादन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और तकनीकी संसाधनों की तैयारी भी की जा चुकी है। इस सौदे को मंजूरी मिलने से स्वदेशी रक्षा उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही रक्षा कंपनियों के उत्पादन और राजस्व में बढ़ोतरी की उम्मीद है। यह परियोजना आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने के साथ विदेशी रक्षा उपकरणों पर निर्भरता कम करने में भी मददगार साबित हो सकती है।



'रामायण' हिंदी में दिखेगी पूरी, काटे गए गाने-सीन

मुंबई। रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश ने 'रामायण' के नए अंतरराष्ट्रीय संस्करण पर चर्चा की है। अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के लिए, फिल्म के अंग्रेजी संस्करण को 30 मिनट छोटा कर दिया गया है, यानी इसमें गाने और कुछ सीन हटा दिए गए हैं। रणबीर ने मजाक में कहा कि अगर आप 'पूरी' रामायण का अनुभव लेना चाहते हैं, तो इसे हिंदी में देखें। साई ने भी बताया कि इन बदलावों का असर सिर्फ संगीत पर नहीं, बल्कि कहानी के कुछ खास पलों पर भी पड़ा है। यश ने समझाया कि उनकी टीम चाहती थी कि जो दर्शक रामायण के सभी किरदारों से ज्यादा वाकिफ नहीं हैं, उनके लिए कहानी समझना आसान रहे, इसीलिए फिल्म में कुछ एडिटिंग करनी पड़ी।

लाइफ Style

श्रद्धा

आलोचना के बीच ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर सवाल-जवाब के सेशन के दौरान फैंस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन आलोचना और नकारात्मक टिप्पणियों पर अपनी राय रखी।

श्रद्धा ने कहा कि वह ऐसे कमेंट्स का जवाब देने में समय गंवाने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना पसंद करती हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब आगामी फिल्म 'ईथा' में उनके मराठी लहजे और संवाद अदायगी को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है। श्रद्धा से बातचीत के दौरान जब एक फैन ने पूछा कि वह आलोचनाओं से कैसे निपटती हैं, तो श्रद्धा ने कहा, सच कहूं तो, मैं आलोचनाओं को संभालती ही नहीं। इसमें संभालने जैसा है ही क्या? मैं तो अपना व्हाट्सएप भी ठीक से नहीं संभाल पाती हूं। मेरा कोई मैनेजर भी नहीं है और न ही मैं किसी एजेंसी से जुड़ी हूं। मेरे दोस्त, निर्देशक और निर्माता मुझे अक्सर डांटते रहते हैं कि मैं अपना फोन चेक नहीं करती हूं। श्रद्धा ने आगे कहा, मुझे आलोचनाओं से निपटने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं बस काम करना चाहती हूं और ज्यादा से ज्यादा काम करना चाहती हूं। बस इतना ही। बता दें श्रद्धा जल्द ही लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म 'ईधा' में विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। विठाबाई लावणी और तमाशा की एक मशहूर कलाकार थीं, जिन्होंने महाराष्ट्र के लोक मनोरंजन में अहम योगदान दिया था।



हॉलीवुड मसाला



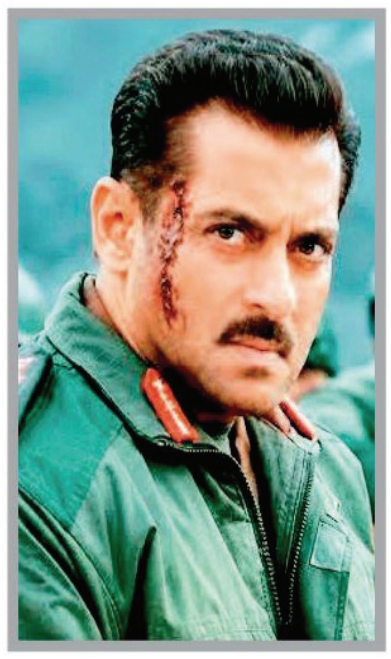
11 साल की थी, तब कोकीन ऑफर की गई

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्ट्रेस डैफने कीन ने हाल ही में पॉडकास्ट में बताया कि महज 11साल की उम्र में उन्हें हॉलीवुड पार्टियों में कोकीन ऑफर की जाती थी। हालांकि, उन्होंने हमेशा इसके लिए मना किया। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि वह आज भी शराब और ड्रग्स से दूर रहती हैं। हॉलीवुड एक्ट्रेस डैफने कीन इन दिनों अपने एक खुलासे को लेकर चर्चा में हैं। 'लोगन' फिल्म में छोटी उम्र में एक्स-23 का किरदार निभाकर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस ने बताया कि जब वह महज 11 से 13 साल की थीं, तब उन्हें हॉलीवुड की पार्टियों में कोकीन ऑफर की जाती थी।



ब्रैड पिट की बेटी ने हटाया पिता का सरनेम

लॉस एंजिलस। पिता ब्रैड पिट और मां एंजेलिना जोली के बीच चल रही लीगल बैटल के बीच अब उनकी बेटी विवियेने मार्शलीन ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने अपने सरनेम के आगे से पिता का लास्टनेम 'पिट' हटा दिया है। पिट सरनेम हटवाने के लिए विवियेने ने कोर्ट में अर्जी डाली थी, जिसे अदालत ने मंजूरी दे दी है। क्यों विवियेने ने हटवाया सरनेम और क्या है ये पूरा मामला पढ़ें डिटेल्स। एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट की बेटी विवियेने से पहले उनके सिबलिंग्स जहरा मार्ले जोली और मैडॉक्स चिवन जोली की भी लीगल नेम बदलने की अपील सितंबर में मंजूर हुई थी। पेज सिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया के एक जज ने सोमवार को सुनवाई के बाद विवियेने मार्शलीन को पिट से जोली सरनेम बदलने की मंजूरी दे दी है। एंजेलिना की बेटी विवियेने ने 18 साल की होते ही 12 जुलाई को कोर्ट में नाम बदलने की अर्जी डाल दी थी।



'मातृभूमि' के ट्रेलर का इंतजार खत्म...

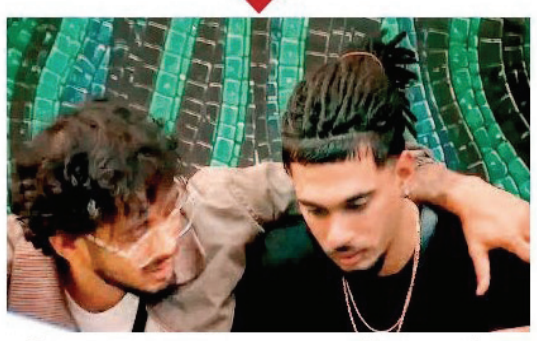
मुंबई। सलमान खान ने 'मातृभूमिः में वॉर रेस्ट इन पीस' का नया गाना 'तेरी सेक्सी ब्यूटी' हाल ही में जारी किया था, जिसने फिल्म के प्रति लोगों को फिर उत्साहित कर दिया। अब खबर है कि युद्ध ड्रामा पर आधारित इस फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के बीच आने के लिए तैयार है। इससे त्योहार के मौसम में दर्शकों के पास जश्न मनाने का एक बड़ा मौका होगा। बताया जा रहा है कि ट्रेलर रिलीज के लिए तैयारी शुरू हो गई है। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, 'मातृभूमि' का ट्रेलर आज शुक्रवार 6 नवंबर को मुंबई में लॉन्च होने जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि फिल्म निर्माता शहर में एक ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च इवेंट की योजना बना रहे हैं, जिसका मकसद त्योहारों के चल रहे उत्साह का फायदा उठाना है। हालांकि, इवेंट शेड्यूल के बारे में प्रोडक्शन हाउस की तरफ से आधिकारिक पुष्टि का अभी इंतजार है।



'जेलर 2' ओटीटी पर 12 को होगी रिलीज

मुंबई। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' डिजिटल प्लेटफॉर्म पर धाक जमाने आ रही है। नेल्सन दिलीपकुमार द्वारा निर्देशित एक्शन-कॉमेडी पिछले महीने 15 अक्टूबर को रिलीज हुई थी। इसने दुनियाभर में अब तक 800 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार कर लिया है। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म अभी भी सिनेमाघरों में मौजूद है और 21वें दिन तक भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 466.05 करोड़ रुपये कमा चुकी है। आइए जानते हैं कि इसे ओटीटी पर कब और कहां देख सकेंगे। 'जेलर 2' का 2023 में आया पहला भाग अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है। दूसरा भाग इसी प्लेटफॉर्म पर 12 नवंबर, 2026 से उपलब्ध करा दिया जाएगा। फिल्म तमिल के साथ-साथ हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में दस्तक देगी।

टीवी मसाला

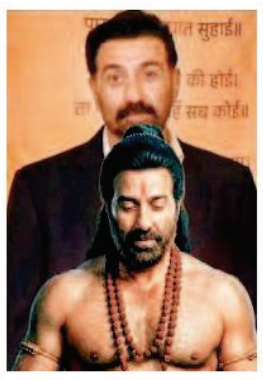


'बिग बॉस 20': यंग ने गर्लफ्रेंड को दिया 10-12 बार धोखा

मुंबई। 'बिग बॉस 20' में ड्रामा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब शो के प्रतियोगी यंग डीएसए ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अपनी गर्लफ्रेंड समीक्षा को कई बार धोखा दे चुके हैं। दरअसल, घर में उनके परिवार की ओर से एक ऑडियो मैसेज सुनाया गया, लेकिन गर्लफ्रेंड की तरफ से कोई संदेश नहीं आया, जिससे यंग काफी निराश हो गए। यंग ने अपने साथी प्रतियोगी स्काउट ओपी से अपना दुख साझा करते हुए कहा, मैंने समीक्षा को खो दिया है, स्काउट।

'रामायण' में अपने किरदार को लेकर भावुक हुए सनी देओल

मुंबई। नितेश तिवारी की पौराणिक फिल्म 'रामायण' में सनी देओल का 'हनुमान' किरदार खूब चर्चा बटोर रहा है। फिल्म में भले उनका चेहरा न दिखाया गया हो और पोस्ट-क्रेडिट इंट्रोडक्टरी दृश्य में पीछे से उनकी एक झलक दिखाई गई हो, लेकिन सोशल मीडिया पर यह दृश्य छाया हुआ है। इस बीच, सनी ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह भावुक दिखे। दरअसल, वह अपने पिता धर्मेंद्र के फार्महाउस पर पहुंचकर उन्हें याद करते हुए नजर आए हैं।



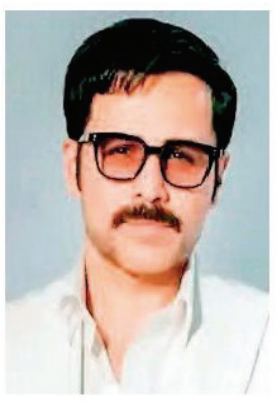
धर्मेंद्र का फार्महाउस मुंबई के पास महाराष्ट्र की खूबसूरत लोनावाला-खंडाला पहाड़ियों में लगभग 100 एकड़ में फैला हुआ है, जहां दिवंगत अभिनेता सिनेमा की भागदौड़ से दूर सुकून के पल बिताते थे। यह प्रॉपर्टी अपनी नेचुरल सेटिंग और रस्टिक स्टाइल के लिए जानी जाती है, जहां गांव जैसा माहौल है। इसमें बैठने की एक बड़ी जगह और एक गर्म स्विमिंग पूल भी है। बता दें, अभिनेता का 24 नवंबर, 2025 को 89 साल की उम्र में निधन हो गया था।

पिता धर्मेंद्र की याद में डूबे सनी

सनी अपने बेटे करण देओल के साथ दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र के फॉर्महाउस पर पहुंचे जिसकी झलकियां उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों फॉर्महाउस पर खड़े हैं और वहां मौजूद खेतों में फसल से जुड़े कुछ काम चल रहे हैं। सनी और करण इस प्रक्रिया को ध्यान से देख रहे हैं। इसके बैकग्राउंड में भावनात्मक गाना चल रहा है। इसके साथ अभिनेता ने कैप्शन दिया, 'आपकी याद आ रही है पापा।'

इमरान हाशमी की 'गनमास्टर जी9' का मोशन-पोस्टर जारी, जेनेलिया संग जमेगी जोड़ी

मुंबई। इमरान हाशमी की फिल्म 'गनमास्टर जी9' इस महीने सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी यह एक्शन-थ्रिलर है, जिसका निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है। इसमें इमरान के साथ जेनेलिया डिसूजा मुख्य किरदार में हैं। फिल्म से अब तक कई गानों को जारी किया जा चुका है और अब निर्माताओं ने नया मोशन-पोस्टर रिलीज किया। इसमें अभिनेता की दमदार झलक के साथ धमाकेदार एक्शन होने का संकेत भी मिलता है।



आयुष्मान को टक्कर देने आएगी 'गनमास्टर जी9'

फिल्म का मोशन-पोस्टर इमरान के किरदार के गुस्सैल अवतार की एक झलक देता है। बैकग्राउंड में एक तीव्र संगीत को शामिल किया गया है। अभिनेता का डायलॉग भी शामिल है जिसमें वह कहते हैं, मेरे इश्क की दुनिया में आओगे तो इस दुनिया से जाओगे। अपारशक्ति खुराना भी 'गनमास्टर जी9' में एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। यह 27 नवंबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी। इसका सामना आयुष्मान खुराना की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के साथ होगा।

'वी वर हियर' से बतौर कार्यकारी निर्माता जुड़ीं

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा भारतीय शॉर्ट फिल्म 'वी वर हियर' से कार्यकारी निर्माता के तौर पर जुड़ गई हैं। यह कॉमेडी फिल्म प्रणव मसीन ने निर्देशित की है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे लोग एआई के आने से अपनी नौकरी जाने की चिंता में जी रहे हैं, जो आजकल एक बहुत ही आम बात हो गई है। प्रियंका ने कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का मौका मिला तो उन्होंने फौरन हां कर दी। उन्होंने इसे आज के समय के एक अहम मुद्दे पर ताजा और मजेदार नजरिए वाली फिल्म बताया है।



JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com



हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.